हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • रविवार • 10.11.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 108 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

झारखंड की महागठबंधन सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार : अमित शाह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को झारखंड के पलामू जिले के छतरपुर मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मैदान में छतरपुर-पाटन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पुष्पा देवी के पक्ष में विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा एवं राष्ट्रीय जनता दल समर्थित गठबंधन की सरकार को देश की सबसे ज्यादा करप्ट गवर्नमेंट बताया।

अमित शाह ने कहा कि 13 नवंबर को वोट डालना है और पुष्पा देवी भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी है, उन्हें प्रचंड बहुमत से जिताकर विधानसभा में भेजना है। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लिए सरहद पार से घुसपैठ कराई जा रही है और यहां के युवाओं की नौकरी खतरे में डाली जा रही है। भाजपा की सरकार बना दें, घुसपैठ तो दूर की बात है सरहद के पार से परिंदा भी पर नहीं फैला सकेगा। बीजेपी राज्य में किसी घुसपैठिए को टिकने नहीं देगी। आज सरकार के समर्थन से घुसपैठिये आदिवासी युवतियों से शादी कर रहे हैं और दान पत्र से भूमि हड़प रहे हैं। उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। इस घुसपैठ को रोकने का दम केवल बीजेपी में है। झारखंड में रोटी, माटी, और बेटी तीनों की सुरक्षा बीजेपी करेगी।

जम्मू-कश्मीर की चर्चा करते हुए अमित शाह ने कहा कि दोबारा धारा 370 लाने की कोशिश की जा रही है लेकिन मैं यह बता दूं कि राहुल बाबा की चौथी पीढ़ी भी आ जाएगी तो कश्मीर में 370 नहीं ला पाएगी। यूपीए की सरकार जब थी तो सरहद पार से आतंकी आते थे। विस्फोट करते थे लेकिन मोदी की सरकार बनते ही उरी और पुलवामा अटैक हुआ तो हमारी सरकार ने सर्जिकल और एयर स्ट्राइक कर दुश्मन को उनके मांद में घुसकर मारा। मोदी के कारण देश सुरक्षित हुआ है। इसे बरकरार रखें।

उन्होंने कहा कि जब मनमोहन सिंह सरकार वर्ष 2014 में गई तो उस वक्त भारत अर्थ तंत्र के मामले में 11 नंबर पर था। मोदी की सरकार के रहते हुए भारत वर्तमान में अर्थ तंत्र के मामले में पांचवें नंबर पर है। वर्ष 2027 तक विश्व में तीसरे नंबर पर आ जाएगा। अमित शाह ने कहा कि 2004 से 2014 तक झारखंड को केंद्र की यूपीए सरकार ने 84 हजार करोड़ रुपये दिए थे जबकि 2014 से 2024 तक देश की नरेन्द्र मोदी सरकार ने इस राज्य को 3 लाख 90 हजार करोड़ दिए।

मैं पलामू वालों से पूछना चाहता हूं कि झारखंड को दिए पैसे उनके यहां आए। उन्होंने कहा कि केंद्र ने जो रुपये झारखंड को दिए, वह पैसे मंत्रियों की यहां से पकड़े गए लेकिन एक-एक पैसे वसूलने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड से ही मुद्रा लोन और आदिवासी कल्याण की योजना की शुरूआत की थी। नरेन्द्र मोदी 75 साल की उम्र वाले पहले प्रधानमंत्री हैं, जो भगवान बिरसा मुंडा के गांव गए, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के तहत पलामू जिले में 13 नवंबर को वोटिंग होनी है। इससे पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के बड़े-बड़े स्टार प्रचारक यहां पहुंच रहे हैं। वोटरों को गोलबंद करने की कोशिश की जा रही है, ताकि उनका समर्थन प्राप्त किया जा सके। इस मौके पर अन्य लोगों के अलावा उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दया शंकर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र राय, बीजेपी के पलामू चुनाव प्रभारी विकास प्रीतम, सांसद वीडी राम, पूर्व सांसद मनोज कुमार, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, अरविंद सिंह, राजधानी यादव, सुदामा यादव, उदय शुक्ला एवं अन्य नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ आम लोग मौजूद थे।

मोदी जी जितना पैसा अरबपतियों को देते हैं उतना पैसा हम आपके खाते में डालेंगे : राहुल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : शनिवार को राहुल गांधी चुनावी सभा को संबोधित करने जमशेदपुर आए थे। इस दौरान वह केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि ये जो लड़ाई चल रही है झारखंड के चुनाव में वह लड़ाई विचार धारा की है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन दूसरी तरफ बीजेपी और आरएसएस। एक तरफ मोहब्बत, एकता, भाईचारा, इज्जत दूसरी तरफ नफरत, हिंसा और अहंकार। हम कहते हैं कि संविधान को बचाना है संविधान हिंदुस्तान का है, संविधान जनता की रक्षा करता है। और बीजेपी चाहती है कि संविधान को खत्म किया जाए और जैसे पहले हुआ करता था वैसे एक बार फिर हिंदुस्तान को चलाया जाए। हमने कन्याकुमार से लेकर कश्मीर तक यात्रा निकाली थी। और एक ही मैसेज था हिंदुस्तान को जोड़ना है सबको एक साथ आगे लेकर चलना है। हमने नारा दिया था नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोलेंगे। नरेंद्र मोदी जी हिंदुस्तान को बांटते हैं। एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाते हैं। एक जात को दूसरे जात से लड़ाते हैं। एक भाषा को दूसरी भाषा से लड़ाते हैं। कांग्रेस पार्टी हिंदुस्तान को जोड़ने का काम करती है। हम अंग्रेजों से लड़े और हमने आपको संविधान दिया। अंबेडकर जी ने, गांधी जी ने आपको संविधान दिया। आज गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई रक्षा करता है तो वो है संविधान। संविधान को कोई नहीं खत्म कर सकता है। इसकी रक्षा कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन करेगी। हिंदुस्तान में बेरोजगारी फैल गई है। नरेंद्र मोदी की पॉलिसी में उन्होंने हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा बेरोजगारी लाई है। नोटबंदी, गलत जीएसएसी पॉलिसी नहीं है ये गरीबों को मारने के, किसानों को मारने के, मजदूरों को मारने के हथियार हैं। नरेंद्र मोदी जी ने आपका कितना कर्जा माफ किया है। एक भी नहीं लेकिन अडाणी और अंबानी जैसे 25 लोगों का 16 लाख करोड़ माफ किया है। उनके लिए जो भी वो चाहते हैं पीएम करने को तैयार है। लेकिन आप कर्जा माफी मांगो, रोजगार मांगो आपको मोदी जी कुछ नहीं देते हैं। इसलिए कांग्रेस पार्टी ने, इंडिया गठबंधन ने झारखंड में फैसला लिया है कि जितना पैसा ये लोग अरबपतियों को देते हैं उतना पैसा हम आपके बैंक आकउंट में डालेंगे। शुरूआत महंगाई की चोट महिलाओ को होता है। महिलाएं देश की रीढ़ है। इसलिए हमने सबसे बड़ी स्कीम महिलाओं के लिए बनाया है। झारखंड की महिलाओं को चुनाव जीतने के एकदम बाद 2500 रुपये बैंक अकाउंट में देगा। पहली तारीख को आपके बैंक आकउंट में जाएगा। आपको राशन 7 किलों हर व्यक्ति को हर महीने मिलेगा। और गैस सिलेंडर 450 रुपये का होगा। ये है हमारी महिलाओं के लिए पहली गारंटी।

अब अगर झारखंड में कोई बीमार होगा तो हम आपके लिए हेल्थ इंशोरेंस ला रहे हैं। जो भी महंगे ऑपरेशन होते हैं गरीब से गरीब व्यक्ति को 15 लाख का इलाज झारखंड की सरकार देगी। किसानों को धान के लिए 3200 रुपये प्रति क्वींटल मिलेगा। हम चाहते हैं कि गरीबों के बैंक अकाउंट में कैश जाए। आपकी शिक्षा के लिए हर ब्लॉक में एक डिग्री कॉलेज खोलने जा रहे हैं।

एक नजर

पीएम मोदी आज रांची में डेढ़ घंटे तक करेंगे रोड शो

रांची : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 नवम्बर के दौरे को लेकर राजधानी रांची में सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से शनिवार को लगातार वरीय अधिकारी रोड शो होने वाले मार्ग का निरीक्षण कर रहे हैं, जहां पर भी किसी भी प्रकार की खामियां पायी जा रही है, उसे दुरुस्त करने का निर्देश भी दे रहे हैं। एसपीजी की टीम ने भी प्रधानमंत्री के रोड शो होने वाले स्थल का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री रविवार को दिन के 12 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वह एयरपोर्ट से ही बोकारो के लिए रवाना हो जायेंगे। प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर दिन के 12.45 बजे बोकारो हेलीपैड पर उतरेगा। वहां चंदनकियारी विधानसभा में वह दोपहर 1.45 बजे तक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद 1.55 बजे प्रधानमंत्री बोकारो से गुमला के लिए रवाना हो जायेंगे।

बहरूपिया बनकर समाज को तोड़ने का काम कर रही है बीजेपी : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मांडर : सीएम हेमन्त सोरेन ने शनिवार को मांडर में चुनावी सभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी शिल्पी नेहा तिर्की के समर्थन लोगों से मतदान की अपील की। इस दौरान हेमंत ने कहा कि हमें झारखण्ड विरोधी भाजपा से सतर्क रहना है। यह बहरूपिया बन कर सिर्फ समाज को तोड़ने का प्रयास करते हैं। कहा, आज मांडर विधानसभा की जनता का यह उत्साह भी बता रहा है कि उनका प्यार और आशीर्वाद है इंडिया गठबंधन के साथ है। मौके पर कांग्रेस नेता बंधु तिर्की और शिल्पा नेहा तिर्की सहित अन्य नेताओं ने भी चुनावी सभा को संबोधित किया।

सीएम ने आज पोटका में भी चुनावी सभा को संबोधित किया। सीएम ने यहां झामुमो प्रत्याशी संजीव सरदार के समर्थन में लोगों से अपील की। इस बीच सीएम ने कहा कि भाजपा हमेशा झारखंडवासियों की हकमारी करती आयी है। भाजपा हमेशा आदिवासियों का तिरस्कार करती आयी है। कहा कि पोटका में भाजपा ने भूमिज समाज के साथ-साथ पूरी विधानसभा की जनता के साथ भी धोखा किया है। पोटका समेत झारखंड की जनता भाजपा से हर एक सौतेले व्यवहार का हिसाब लेकर रहेगी। पोटका की जनता का आशीर्वाद, सिर्फ तीर-कमान के साथ रहेगा, ये आपकी विशाल भीड़ ने साबित कर दिया है। कहा कि भाजपा जितना हमें परेशान करेगी, हम उतना तेजी से झारखंड के हक-अधिकारों की आवाज उठाएंगे और अधिकार लेकर रहेंगे।

सीएम ने कहा है कि प्रदेश में एक बार फिर इंडिया गठबंधन की मजबूत अबुआ सरकार बनने जा रही है। राज्य में सबसे ज्यादा समय तक शासन करने वाली भाजपा ने नियुक्तियों की राह में जो अड़चनें पैदा की थी, वो भी दूर कर लिया गया है। हेमंत सोरेन ने बताया कि जनादेश मिलने के बाद इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही 2 साल के अंदर राज्य सरकार के सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा। इसके साथ ही सभी विभागों के मानव बल की मैपिंग भी होगी, फिर जरूरत के अनुसार नए पदों का सृजन भी किया जाएगा।

झारखंड में घुसपैठियों से जमीन वापस लेने के लिए कानून बनाएगी सरकार : राजनाथ सिंह

- रक्षा मंत्री ने खूंटी में भाजपा प्रत्याशी नीलकंठ सिंह मुंडा के पक्ष में की जनसभा।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आदिवासियों के हित की बात करने वाली कांग्रेस को इस बात का जवाब देना चाहिए कि 1951 की जनगणना के अनुसार झारखंड में अनुसूचित जनजातियों की संख्या 51 फीसदी थी। वर्तमान वह घटकर 28 प्रतिशत कैसे हो गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि घुसपैठियों से जमीन वापस लेने के लिए सरकार जल्द ही नया कानून बनाएगी।

राजनाथ सिंह शनिवार को खूंटी के कचहरी मैदान में खूंटी विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी नीलकंठ सिंह मुंडा के समर्थन में आयोजित जन आशीर्वाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में सभी और भ्रष्टाचार है। झामुमो, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल की सरकार में हर ओर भ्रष्टाचार फल-फूल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से यदि कोई लाभान्वित हो रहा है, तो वह है सरकारी अधिकारी और सत्ताधारी दल के नेता। साथ ही कहा कि आज तक भाजपा के किसी मंत्री में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा और न नही कोई मुख्यमंत्री जेल गया।

राजनाथ ने कहा कि खूंटी से भाजपा के उम्मीदवार नीलकंठ सिंह मुंडा को मैं 25 वर्षों से जानता हूं। उन्हें हर समय गरीबों के विकास की चिंता रहती है। इतनी लंबे राजनीतिक जीवन में भी अभी तक नीलकंठ सिंह मुंडा के दामन में कोई दाग नहीं लगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने सारे वादे पूरे किया। पांच सालों में राज्य की कांग्रेस झामुमो और राजद की सरकार ने सिर्फ यहां के लोगों की आंखों में धूल झोंका। साथ ही कहा कि सरकार की कोई विश्वसीयनीता नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा कहती है कि यदि उनकी सरकार बनी तो वह जातीय जनगणना करायेगी लेकिन कांग्रेस, जेएममएम और आरजेडी को यह भी नहीं मालूम है कि देश में कितनी जातियां हैं।

झारखंड की भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकना है : अमित शाह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक अमित शाह ने झारखंड की हेमंत सरकार पर जमकर निशान साधते हुए कहा कि राज्य में जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी की सरकार पूरे देश में सबसे ज्यादा भ्रष्ट सरकार है। कांग्रेस के एक सांसद के घर से 350 करोड़ पकड़ा गया। उसको गिनने के लिए 27 मशीनें लाई गई। सारी मशीनें थक गई। आलमगीर आलम के घर से 30 करोड़ पकड़ा गया लेकिन मुख्यमंत्री कुछ नहीं करते। कांग्रेस पार्टी कुछ नहीं करती। इसलिए इस भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकना है। शाह ने शनिवार को हजारीबाग के अमृत नगर के स्कूल मैदान में भाजपा उम्मीदवार प्रदीप प्रसाद के पक्ष में विजय संकल्प को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं पूछने आया हूं ये पैसा किसका है। ये पैसा झारखंड के युवाओं का है। आप भाजपा की सरकार बना दो तब देखना, जिन्होंने भी भ्रष्टाचार किया है उसको उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भाजपा करेगी। भ्रष्टाचार करने वालों की जगह नरेन्द्र मोदी के शासन में जेल के पीछे है। जिन्होंने गरीब का पैसा अपने घर में डाला है। जिन्होंने युवाओं का पैसा अपने घर में डाला है। शाह ने कहा कि ये कांग्रेस पार्टी ओबीसी विरोधी पार्टी है। जब जब शासन में आया पिछड़ा वर्ग का विरोध करने का काम किया और पिछड़ा वर्ग के साथ अन्याय करने का काम किया। काका साहेब कालेलकर कमीशन 1950 में बना और 1950 में बनने के बाद इसकी रिपोर्ट गायब हो गई। मंडल कमीशन भी पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए बना। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने मंडल कमीशन का विरोध किया। केंद्रीय संस्थानों में ओबीसी को पिछड़ा वर्ग 27 प्रतिशत आरक्षण देने में उन्होंने सालों लगा दिए। वर्ष 2014 में आपने नरेन्द्र मोदी सरकार बनाई। मोदी ने केंद्र की सभी परीक्षाओंमें, और सभी नौकरियों में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। भाजपा की मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया। आयोग को संवैधानिक दर्जा देने काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण और संविधान की बात करती है लेकिन हमारे संविधान में कहीं भी धर्म के नाम पर आरक्षण का स्थान नहीं है। कोई भी धर्म विशेष को कभी आरक्षण नहीं दे सकते। कांग्रेस पार्टी को अभी महाराष्ट्र में कोई उलेमाहों के समूह ने उनको एक ज्ञापन दिया कि 10 प्रतिशत आरक्षण मुस्लमानों को दिया जायेगा। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम इसमें आपकी मदद करेंगे। मैं पूछने आया हूं कि मुस्लमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता है तो कम किसका होगा। ये कांग्रेस पार्टी पिछड़ा वर्ग, दलित, आदिवासी का आरक्षण काटकर मुसलमानों को देना चाहती है। मैं राहुल गांधी को चेताना चाहता हूं कि आपके मन जो भी षडयंत्र हो, जब तक भाजपा है देश में अल्पसंख्यक को आरक्षण नहीं मिलेगा। पिछड़ा वर्ग, दलित और आदिवासी को आरक्षण बाबा साहेब अंबेडकर ने दिया है। हम इसका अपमान नहीं होने देंगे। शाह ने कहा कि कांग्रेस, झामुमो, राजद की सरकार वोट बैंक के लिए सीमापार से घुसपैठ करवा रही है, जिससे यहां के युवाओं की नौकरी खतरे में है।

एक नजर

मटवारी गांधी मैदान में आज होगी जनसभा कल्पना होंगी शामिल

हजारीबाग : आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हजारीबाग सदर क्षेत्र में इंडिया महागठबंधन द्वारा एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 10 नवंबर को प्रातः 10 बजे गांधी मैदान, मटवारी में आयोजित इस महत्वपूर्ण जनसभा में झारखंड की लोकप्रिय नेत्री एवं झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की गांडेय विद्यायक सह जे एम एम स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इंडिया महागठबंधन के प्रत्याशी मुन्ना सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस जनसभा का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में विकास और परिवर्तन की नई दिशा तय करना है। जनसभा में हजारीबाग एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकताओं और नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। इस दौरान मुन्ना सिंह के विकास विजन और क्षेत्र के लिए प्रस्तावित योजनाओं को जनता के समक्ष रखा जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व का मानना है कि यह जनसभा हजारीबाग के विकास में एक नए अध्याय की शुरूआत साबित होगी। स्थानीय नागरिकों और कार्यकताओं में इस जनसभा को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

टाइगर जयराम महतो के रोड शो में उमड़ी भीड़

बड़कागांव : बड़कागांव विधान सभा के जेएलकेएम प्रत्याशी बालेश्वर कुमार महतो के प्रचार में पार्टी सुप्रीमो टाइगर जयराम महतो शनिवार को विशाल भीड़ के साथ रोड़ शो किया। प्रत्याशी बालेश्वर कुमार महतो के साथ जयराम महतो कार के छत पर बैठकर बड़कागांव के बरवाडीह स्थित भोक्ता स्थान से रोड़ शो शुरू किया। कार के पीछे भारी संख्या में बाइक व चार पहिया वाहन से कार्यकर्ता चल रहे थे। जयराम महतो सड़क किनारे खड़े जनता से पक्ष में वोट करने की अपील कर रहे थे। भोक्ता स्थान से बड़कागांव थाना पार करने में लगभग एक घण्टा का समय लगा। यहां के बाद सड़क मार्ग से हिं साँढ़, विश्रामपुर, तलसवार, उरीमारी होकर पतरातू, भुरकुंडा चले गए जहां एक सभा को सम्बोधित करना था। इस दौरान रोड़ शो में महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुनीता देवी, सुनीता साहू, मिथिलेश कुमार दांगी, अजित यादव, सत्यम कुमार साव, गौतम कुमार, राकेश मेहता,योगेंद्र महतो, सन्तोष महतो, मो अजीज मियां, सलामत अंसारी, वैद्यनाथ महतो, अनिल मुंडा, श्यामनन्दन महतो, लखन महतो, लखिन्द्र महतो, जानिसार आलम, मो तारिक, मो समीर, सईद इमाम, अमेरिका महतो, बसन्त यादव, पारस साव, बिनोद महतो, शंकर साव, अमेरिका महतो, प्रदीप महतो, धनेश्वर महतो, रामप्रसाद महतो, लियाकत अंसारी, नबी मियां, रहमत मिया,बबलू मियां आदि हजारो समर्थक साथ मे चल रहे थे।

प्रत्याशी महमूद आलम का मांडू में हुआ जोरदार स्वागत

हजारीबाग : बिष्णुगढ़ हजारीबाग जिले के मांडू विधानसभा अंतर्गत विष्णुगढ़ के राष्ट्रीय जन क्रांति मोर्चा के उम्मीदवार महमूद आलम ने दिन शुक्रवार को मांडू विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के तहत कई जगहों का दौरा किया। अपने समर्थकों और जनता से मिलने के इस अभियान में उन्होंने चरही, इंद्रा, मांडू, पूंडीह, घाटो, लयो, और सारूबेडा जैसी कई जगहों पर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं और सुझावों पर चर्चा की। मांडू चौक में, शुक्रवार की नमाज के बाद, महमूद आलम का स्वागत समर्थकों ने बड़ी धूमधाम से किया। अनेक लोगों ने उन्हें फूलों का बुके देकर स्वागत किया और उनके समर्थन में जोरदार नारे लगाए। उनके इस दौरे को लेकर क्षेत्र के लोगों में नई उम्मीदें जगी हैं, खासकर उनके झारखंड आंदोलनकारी पृष्ठभूमि के कारण, जो उन्हें जनता के बीच और भी अधिक भरोसेमंद बनाता है।

दो मोटरसाइकिल में भिड़ंत, चार घायल

▶ विधायक अंबा प्रसाद चुनाव प्रचार छोड़कर अस्पताल पहुंची, घायलों को बेहतर इलाज को लेकर डॉक्टरों से बात की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : केरेडारी-बडकागांव मुख्य सड़क गर्रीकलां के पुल के मदरसा स्कूल के पास शनिवार संध्या 4.00 बजे के आसपास दो मोटरसाइकिल आपस भिड़ी, जिससे चार लोग घायल हो गए। जिसमें दो कि स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है।जिसे इलाज के लिए बड़कागांव अस्पताल ले जाया गया जहां सभी की स्थिति को देखते हुए प्राथमिक इलाज करके बेहतर इलाज के लिए तीन अलग-अलग एंबुलेंस से हजारीबाग सदर अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्ष दर्शसियों का कहना है कि जेमरा निवासी कृष्णा राम,महादेव भुइयां तथा साथ में दो बच्चे करण अर्जुन अपने रिश्तेदार देवरिया छठ पूजा का प्रसाद पहचाने जा रहे थे। वहीं दूसरी निवासी शंकर गंझू (18 वर्षीय) तथा कमलेश कुमार गंझू (18 वर्षिय) बड़कागांव की ओर से वापस अपने घर की ओर फुसरी जा रहे थें। वहीं घटना की सूचना मिलते ही इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी वर्तमान विधायक अंबा प्रसाद प्रचार प्रसार छोड़कर बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और घायलों को जायजा ली। तथा बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर से मिली तथा फोन में सिविल सर्जन से बात की और बेहतर इलाज की हर संभव आश्वासन दी।वही बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों एंव स्वास्थ्य कर्मियों की तत्परता देखते बनी। बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी अविनाश कुमार, डॉ अंजू बोरिया, ड्रेसर सुभाष बैठा सहेशर कुमार, इत्यादि टीम शामिल थी।

भाजपा ने ही पिछड़ों का आरक्षण घटाया : कल्पना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बड़कागांव में कांग्रेस की प्रत्याशी अम्बा प्रसाद के पक्ष में आयोजित चुनावी सभा में शनिवार को गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जमकर निशाना साधा। कल्पना सोरेन ने कहा कुछ दिन पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री यहां आए थे। बुलडोजर पर सवार होकर वो क्या बताना चाहते हैं। क्या यह बताना चाह रहे थे कि बड़कागांव के स्थानीय लोगों के घरों पर बुलडोजर चलेगा। नहीं योगी जी यह यूपी नहीं झारखंड है, यहां बुलडोजर नहीं, यहां महागठबंधन की विकास की गाड़ी चलेगी। बड़े बड़े नेता यहां आते हैं लेकिन वे बुनियादी जरूरतों की बात नहीं करते हैं, करते हैं तो सिर्फ. आपसी मतभेद की बातें। कल्पना ने भाजपा के जरिये पिछड़ों का आरक्षण कम करने को लेकर कहा कि जब झारखंड राज्य बना उस समय भाजपा के ही लोगों ने पिछड़ों के आरक्षण को 27 प्रतिशत से घटाकर कर 14 प्रतिशत कर दिया। जब हमने विधानसभा से पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के बिल को पारित कराया तो इनको बोलने की हिम्मत नहीं थी। ये लोग सिर्फ. पार्टी की बात करते हैं, जनमानस की नहीं। विधानसभा से आरक्षण का बिल हो या आदिवासी सरना धर्म कोड हम इसे पारित कराते हैं। आज उस 27 प्रतिशत आरक्षण को लाने के लिए हमारी महा गठबंधन की सरकार खड़ी है। कल्पना सोरेन ने कहा कि यहां जितने भी खनन कंपनियां चल रहे हैं, इनमें यहां के स्थानीय लोगों की 95 प्रतिशत भागीदारी महागठबंधन की सरकार सुनिश्चित करेगी। आपक सभी को सोचने की जरूरत है कि आखिर चुनाव के समय ही बड़े नेता क्यों आते हैं लेकिन आपके बीच हमेशा बड़कागांव की अम्बा प्रसाद खड़ी रहती हैं। आपके सुख और दुःख में। उन्होंने लोगों से अम्बा प्रसाद के पक्ष में वोट देने की अपील की।

यशवंत सिन्हा का भाजपा पर तीखा हमला भ्रष्टाचार और जनता की उपेक्षा का लगाया आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही हजारीबाग रोड स्थित होटल आरके इंटरनेशनल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान अटल विचार मंच के संस्थापक सह पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने वर्तमान भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा सरकार को भ्रष्टतम करार देते हुए आरोप लगाया कि यह सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में असफल रही है। इस आयोजन में यशवंत सिन्हा ने अपने वक्तव्य में सरकार की नीतियों, विशेषकर नोटबंदी और इलेक्टोरल बॉन्ड जैसे मुद्दों पर जांच की मांग की। यशवंत सिन्हा ने भाजपा पर आरोप लगाया कि यह पार्टी सिर्फ हिंदू-मुस्लिम मुद्दों को उछालकर साम्प्रदायिक तनाव बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज को सम्प्रदाय और जाति के आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है, जो देश और समाज के लिए हानिकारक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अटल विचार मंच ऐसी राजनीति का कड़ा विरोध करता है और इसे जनविरोधी नीति करार दिया। अपने चुनावी मैनिफेस्टो पर चर्चा करते हुए यशवंत सिन्हा ने कहा कि अटल विचार मंच मुफ्त योजनाओं के पक्ष में नहीं है और इसका पुरजोर विरोध करता है। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य 100 प्रतिशत रोजगार उपलब्ध कराना है और देश के हर नागरिक को रोजगार से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। यशवंत सिन्हा ने यह भी कहा कि झारखंड में मुफ्त राजस्व बांटने की प्रथा को समाप्त किया जाना चाहिए क्योंकि यह सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। यशवंत सिन्हा ने देश में लाखों किलोमीटर सड़कों का जाल बिछाने और सभी को रोजगार उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार आवश्यक है और रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

चुनाव को लेकर डीसी-एसपी ने सेक्टर पदाधिकारियों संग की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

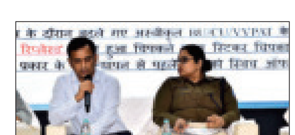

मेदिनीनगर (पलामू): आगामी 13 नवंबर को पलामू के पांचों विधानसभा क्षेत्र के लिये मतदान निर्धारित है। इसी के निमित शनिवार को टाउन हॉल में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन व पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने चुनाव में प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारियों व सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों संग बैठक की। इस अवसर पर विभिन्न विधानसभाओं के प्रेक्षक भी उपस्थित रहे। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी रंजन ने सभी प्रखंडों से एक-एक कर सेक्टर पदाधिकारी से उनके क्षेत्राधिकार में पड़ने वालों बूथों की संख्या, बूथों का लोकेशन, इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम से बूथों की दूरी आदि के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इसके अतिरिक्त पी माइनस 1 व पी माइनस 2 में जिनकी ड्यूटी है उनसे भी अवगत हुए। उन्होंने सभी सेक्टर पदाधिकारियों से उनके बूथों पर एएमएफ के तहत सभी सुविधा बहाल रहे,यह सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव निष्पक्ष एवं भय मुक्त वातावरण में संपन्न हो,इसके लिये सेक्टर पदाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय जरूरी है। उन्होंने प्रशिक्षण में बताये गये बातों को मतदान वाले दिन अनुश्रवण करने की बात कही। उन्होंने सभी को रिजर्व ईवीएम के मतदान के दिन प्रयोग और रख-रखाव,बी.ईयू के खराब हो जाने की स्थिति में क्या करना है,मतदान पूर्व संध्या जिम्मेदारी, आवंटित मतदान केंद्रों का दौरा, मतदान केंद्रों का निरीक्षण,नियंत्रण कक्ष एवं संचार व्यवस्था, क्रिटिकल बूथों पर वेबकास्टिंग आदि विषयों पर ध्यान देने की बात कही।

भारत माता की सेवा और सुरक्षा हमारे जवानों की सर्वोच्च प्राथमिकता : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सहायक प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल, मेरु हजारीबाग के रानी झांसी परेड ग्राउंड में दिनांक 9 नवंबर 2024 को सीमा सुरक्षा बल के 354 नवआरक्षक जो कि भारत के विभिन्न प्रांतो, जैसे- केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक इत्यादि से हैं, 44 सप्ताह के कठिन परिश्रम, लगन एवं साधना के पश्चात बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण कर दीक्षांत परेड में शामिल हुए। संतोष कुमार गंगवार, राज्यपाल, झारखंड ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत परेड की सलामी ली। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, लोक प्रतिनिधि सहित संस्थान के अन्य अधिकारीगण एवं नवआरक्षकों के परिजन उपस्थित रहे। दीक्षांत परेड में शामिल 354 नवआरक्षकों ने राष्ट्रीय ध्वज के समक्ष संविधान की शपथ ली एवं राष्ट्र की एकता, अखंडता व संप्रभुता बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करने का प्रण लिया। समारोह के दौरान शानदार ड्रिल और मार्च पास्ट कर नवआरक्षकों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने सर्वोत्तम नवआरक्षक समेत विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नवआरक्षकों को पुरस्कार प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया। बतौर मुख्य अतिथि संतोष कुमार गंगवार, राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में नवआरक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि, आज के दीक्षांत परेड के बाद वे औपचारिक तौर पर, सीमा सुरक्षा बल जो कि भारत की प्रथम रक्षा पंक्ति है, के महत्वपूर्ण सदस्य बन गए हैं और बल में, कर्तव्य निर्वहन के लिए प्रथम कदम रखने जा रहे हैं। उन्होंने नवआरक्षकों के माता-पिता एवं परिजनों को भी बधाई देते हुए कहा की अपने अपने सपूतों को सीमा सुरक्षा बल में भेजकर राष्ट्र-सेवा के कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने सहायक प्रशिक्षण केंद्र के कुशल अनुदेशकों की टीम को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बधाई दी। दीक्षांत परेड के उपरांत बीएसएफ बैंड की धुन ने दर्शकों को काफी आकर्षित एवं रोमांचित किया। इसके अलावा जवानों के द्वारा सामूहिक योग, वेपन हैंडलिंग, केरल राज्य के मार्शल आर्ट तथा केंद्रीय विद्यालय, मेरु के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसे देखकर उपस्थित लोगों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

संक्षिप्त खबरें

बटेश्वर मेहता के पक्ष में दर्जनों गांव में हुई बैठक, समर्थन की हुई घोषणा

इचाक : निर्दलीय प्रत्याशी बटेश्वर मेहता के समर्थन में शनिवार को दर्जनों गांव में ग्रामीणों ने बैठक की बैठक के उपरांत एक स्वर में निर्दलीय प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद मेहता को समर्थन देने की घोषणा भी की। इचाक प्रखंड के डुमरौन, सिझुवा, दांगी, करियातपुर, मोक्तमा, जमुवारी, डाढा, इचाक बाजार समेत अन्य गांव में ग्रामीणों ने बैठक कर समर्थन की घोषणा की। इसके अलावा दूसरे प्रखंड के गांव में भी ग्रामीण बैठक कर रहे हैं समर्थन का आश्वाशन दे रहे हैं। शनिवार को ही बड़ा अखाड़ा से सैकड़ों महिलाओं ने रैली निकाल पूरे इचाक का भ्रमण किया और बटेश्वर मेहता के लिए ऑटो रिक्शा (टेंपो) छाप पर वोट मांगा। वहीं चंदा गांव की दर्जनों महिलाएं घर घर जाकर लोगों से बटेश्वर मेहता को जीताने की अपील कर रही है।

सांसद ने मुमताज अहमद खान को केतली छाप पर बटन दबाकर जीताने की अपील की

मेदिनीनगर (पलामू): भारतीय जनता पार्टी ने नबी की शान में गुस्ताखी की है। भाजपा को सजा जरुर मिलनी चाहिए। मुमताज अहमद खान के पक्ष में पांकी विधानसभा की जनता एक - एक वोट देकर सजा दे सकती है। उक्त बातें आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण ने कही। वे शुक्रवार को पांकी के सिंचाई विभाग के लालू मैदान में मुमताज अहमद खान के पक्ष में हजारों की संख्या में जुटे लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में मुसलमानों व दलितों पर बड़ा अत्याचार हुआ है। मॉब लिंचिंग में अल्पसंख्यक मारे गए हैं। लेकिन भाजपा सरकार न्याय नहीं दे सकी। कहा कि भाजपा झूठ वायदे करती है और अपना उल्लू सीधा कर चुप्पी साध लेती है। लेकिन आजाद समाज पार्टी ने अल्पसंख्यकों व दलित सहित सभी जातियों के हक व अधिकार की लड़ाई लड़ने का काम किया है। अपने शरीर पर सैकड़ों लाठियां खाई हैं। साथ ही 16 महीने जेल भी गए हैं। लेकिन सत्य का कभी साथ नहीं छोड़ा। कहा कि भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी के लोग गरीबों, अल्पसंख्यकों, वंचितों व दलितों की लड़ाई लड़ने का काम किया है। कहा कि समान शिक्षा जब तक लागू नहीं होता विकास बेमानी है। व्यापक लड़ाई लड़ने के लिए राजनीतिक ताकत होनी चाहिए। राजनीतिक ताकत देने के लिए आपका एक-एक वोट बहुत कीमती है। उन्होंने लोगों को आह्वान किया कि मुमताज अहमद खान जैसे पांकी विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी को आगे बढ़ाने का काम करें। 13 नवंबर को एक-एक कीमती वोट केतली छाप पर ईवीएम का बटन दबाकर मुमताज अहमद खान को जीताने का काम करें। इससे इन्हें काफी बल मिलेगा । थाना से लेकर एसपी तक, एसपी से लेकर राज्य के शीर्ष अधिकारी तक लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। कहा कि पांकी विधानसभा समेत झारखंड की कोई भी समस्या सामने लाई जाएगी। उसे पार्लियामेंट में जोरदार ढंग से उठाया जाएगा। इसके पूर्व पार्टी प्रत्याशी मुमताज अहमद खान ने चंद्रशेखर आजाद रावण का मंच पर जोरदार स्वागत किया। मुमताज अहमद खान ने कहा कि उन्होंने विधानसभा क्षेत्र वासियों की आवाज बनने का काम किया है। हर सुख- दुख में तैयार रहे हैं। 25 वर्षों के राजनीतिक जीवन में गरीबों व जरूरतमंदों के लिए काम किया है।

बटेश्वर मेहता का जन समर्थन और टेंपो छाप का उभरता प्रभाव

हजारीबाग : बरकट्ठा विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार बटेश्वर मेहता ने अपनी मजबूत जन समर्थन और टेंपो छाप के साथ मैदान में दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। मेहता का कहना है कि उनके साथ क्षेत्र की जनता का अपार समर्थन है, जो इस बार बदलाव की बयार बहा रहा है। दूसरी ओर, मौजूदा विधायक अमित यादव के हलफनामे से उनकी आर्थिक स्थिति का पता चलता है—2014-2019 के दौरान 32 लाख कमाने वाले यादव ने विधायक बनने के बाद 2019-2024 में करीब तीन करोड़ की संपत्ति अर्जित कर ली है। फिर भी, जनता के बीच बढ़ते असंतोष और चुनाव प्रचार में हो रहे विरोध प्रदर्शन यह संकेत दे रहे हैं कि विकास के मुद्दे पर लोग नाराज हैं। इस बार टेंपो छाप का समर्थन बटेश्वर मेहता के पक्ष में बढ़ता जा रहा है, जिससे बरकट्ठा में जीत की संभावना उनके पक्ष में मजबूत दिख रही है। जन समर्थन और बदलाव की लहर के साथ, बटेश्वर मेहता का उभार इस चुनाव को रोमांचक बना रहा है।

आज हैदरनगर में चिराग व कल हुसैनाबाद में योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम तय

मेदिनीनगर : हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह के पक्ष में चुनावी सभा हुसैनाबाद व हैदरनगर में आयोजित है। इस आशय की जानकारी देते हुए भाजपा के मीडिया प्रभारी सुमेश सिंह ने बताया कि 10 नवंबर को हैदरनगर उच्च विद्यालय के मैदान में लोजपा सुप्रीमो केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान 11 बजे दिन में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। वहीं 11 नवंबर को सुबह 9 :30 बजे अनुमंडल मैदान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावी सभा होगी। पूर्व मंत्री सह भाजपा प्रत्याशी कमलेश कुमार सिंह ने हुसैनाबाद की सम्मानित जनता व भाजपा कार्यकताओं से दोनों कार्यक्रमों में भाग लेकर सफल बनाने की अपील की है।

एक नजर

झारखंड विधानसभा चुनाव में पोस्ट बैलेट से मतदान जारी

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान जारी है। जिला प्रशासन के अनुसार पोस्टल बैलट से मतदान के लिए फॉर्म 12-डी में आवेदन करने वाले अब्सेंटी वोटर्स, अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाता और मतदान कार्य में लगे कर्मियों के जरिये मतदान किया जा रहा है। रांची जिला में मतदान कार्य में लगे जिन कर्मियों जरिये पोस्टल बैलट से मतदान के लिए आवेदन दिया गया था, वो 11 नवंबर तक राजकीय +2 उच्च विद्यालय, कांके में बनाए गए फैसिलिटेशन सेंटर में मतदान कर सकते हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त वरुण रंजन ने मतदान कार्य में लगे जिला के कर्मियों से अपना वोट अवश्य करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपने मताधिकार का अवश्य इस्तेमाल करें और उसके बाद चुनाव कार्य में अपना योगदान दें।

बीजेपी का आरोप धनवार प्रत्याशी के समर्थक मतदाताओं को मंदिर में कसम खिला रहे हैं आयोग में शिकायत

रांची : भाजपा का एक प्रतिनिधि मंडल सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व में चुनाव आयोग पहुंचा और मांग की कि धनवार विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी निर्दलीय निरंजन राय के खिलाफ कार्रवाई हो और चुनाव परिणाम तक उनको विधानसभा क्षेत्र से बाहर रखा जाये। सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि 20 नवंबर को धनवार विधानसभा में चुनाव होना है और धनवार के प्रत्याशी निर्दलीय निरंजन राय के समर्थक मंदिर में कसम खिलाकर शपथ दिला रहे हैं कि निरंजन राय को मतदान करना है। किसी को मंदिर परिसर में ईश्वर के नाम पर कसम खिलाना उसके धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना है और व्यक्ति (मतदाता) के मौलिक अधिकार का हनन भी होता है। ये चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन भी है। इस कारण प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि जिस प्रकार चुनाव कार्य हेतु एवं चुनाव प्रचार हेतु निरंजन राय मंदिर का इस्तेमाल कर रहे हैं उससे इनको पूरे चुनाव के परिणाम आने तक इनको राज्य से बाहर कर दिया जाए। बतौर सबूत प्रतिनिधिमंडल ने वीडियो चुनाव आयोग को सौंपा है।

आपके बच्चों का भविष्य बेहतर करना चाहता हूं, एक मौका दें : अजय नाथ शाहदेव

रांची : हटिया विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव लगातार जनसंपर्क कार्यक्रम कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को हटिया विधानसभा क्षेत्र के अनेक इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जगन्नाथपुर, एलएन मिश्रा कालोनी, मधुकम, हेयू, डिबडीह, गौरीशंकर नगर, हरमू, हेसल, अरगड़ा, डंडई हेहल, सिमलिया का दौरा कर लोगों से वोट की अपील की। उन्होंने कहा मैं राजनीति में इसलिए नहीं आया हूं कि मुझे पद मिले। कहा कि इसलिए आया हूं कि आपके बच्चों का भविष्य सुधार सकूं। आपके लिए बेहतर सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा सकूं। युवाओं और महिलाओं को हटिया विधानसभा क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करा सकूं। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों के समकक्ष तैयार कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा सकूं। हटिया विधानसभा क्षेत्र आज भी मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। कहीं पीने का साफ पानी नहीं है तो कितने ही मुहल्ले में नालियां नहीं है। सड़कों की स्थिति दयनीय है। मैं आपके लिए काम करना चाहता हूं। मुझे एक मौका दें।

कांग्रेस राज ने लोहरदगा के जनादेश का अपमान किया : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची/लोहरदगा : जनता ने राज्य के विकास के प्रति कार्य करने के लिए सरकार को बहुमत दिया था। इस सरकार ने पांच वर्षों में कोई काम नहीं किया और अब फिर से अपने झूठे वादों से जनता को भ्रमित कर रही है। सरकार की उम्र अब बस 13 दिन। जनता बदलाव के लिए तैयार है। उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने लोहरदगा में एनडीए उम्मीदवार नीरू शांति भगत के पक्ष में आयोजित पदयात्रा के दौरान कही। मौके पर उन्होंने लोहरदगावासियों से आगामी 13 नवंबर को एनडीए के पक्ष में अपना मत देने की अपील की। पदयात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

कांग्रेस के निरंकुश राज ने लोहरदगा के जनादेश का अपमान किया है। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी को जनता ने प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया लेकिन उनके क्षेत्र के अधिकारी जनता और उनकी समस्याओं को महत्व नहीं देते हैं। यह इनकी विफलता है। वित्त मंत्री का क्षेत्र होने के बावजूद यहां के लोग आज भी सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए लोहरदगा संकल्पित है। जनता का मन और मत दोनों एनडीए के साथ है। लोहरदगा को उसकी असली क्षमता के अनुसार संवारने और विकसित करने की तैयारी है। बबलू दा के सपनों को पूरा करने की दिशा में हम जनता के साथ मिलकर काम करेंगे। विकास की असीमित संभावना वाले इस क्षेत्र को सरकार ने पिछड़ा बना दिया है।

हमारी तैयारी अन्नदाताओं को मजबूत करने की है। किसानों की आय तीन गुना करने के लिए आर्थिक सहायता के साथ ही उन्हें आधुनिक तकनीकी की सहायता भी दी जाएगी। रबी एवं खरीफ फसल की खेती के लिए 20 हजार रुपए प्रति वर्ष और भूमिहीन खेतिहर परिवार को स्वरोजगार के माध्यम से आय के लिए 25 हजार रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। साथ ही भूमिहीन, खेतिहर मजदूर एवं कमजोर किसान परिवारों के मुखिया के लिए 5 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया जाएगा ताकि किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में उन्हें मदद मिल सके। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3200 रुपए प्रति क्विंटल किया जाएगा। मौके पर नीरू शांति भगत ने कहा कि लोहरदगा में हर एक गांव, हर एक गली में जनता का स्नेह और प्यार एनडीए को मिल रहा है। स्व. कमल किशोर भगत के विकास कार्यों को लोगों ने देखा है। समाज के हर वर्ग ने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया था। एक बार फिर जनता वही आशीर्वाद एनडीए को देगी। सरकार ने वादें पूरे नहीं किए साथ ही क्षेत्र के विकास पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जिससे जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। परिवर्तन जनता की मांग है। एनडीए क्षेत्र के युवाओं के पलायन को रोकने और उन्हें क्षेत्र में रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, नाली, गली, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत जनता की हर समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता है।

चुनाव आया तो अमित शाह को सहारा में डूबे निवेशकों के पैसे की याद आयी : झामुमो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि चुनाव आया तो अमित शाह को सहारा में डूबे निवेशकों के 40 हजार करोड़ रुपये की याद आयी है। भाजपा की ओर से हाल के दिनों में समाचार पत्रों में एक विज्ञापन दिया गया। इस विज्ञापन में भाजपा की ओर से वादा किया गया है कि सहारा निवेशकों का पैसा जल्द से जल्द वापस किया जायेगा। पांडेय शनिवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सहारा के नाम पर मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी बनाकर बड़े घोटाले को अंजाम दिया गया है। इसके लिए सहकारिता मंत्रालय जिम्मेवार है, जिसके मंत्री अमित शाह हैं। पिछले दिनों झारखंड आकर अमित शाह ने झारखंड के करीब 1.50 करोड़ निवेशकों और भुक्तभोगियों के जले पर नमक छिड़का है। सहकारिता मंत्री आए और जुमला देकर चले गए और कहा कि भाजपा की सरकार बनाओ तो झारखंड के निवेशकों का पैसा वापस कर देंगे। झारखंडियों के साथ ये सौदा वाली बात कैसी? क्या झारखंड में भाजपा की सरकार बनी तभी निवेशकों की गाढ़ी कमाई का पैसा वापस होगा अन्यथा नहीं। यह पूरी तरह से केंद्र सरकार का मामला है। आप निवेशकों का पैसा क्यों वापस नहीं कर देते। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर सुब्रत राय को जेल में बंद करने के बाद सहारा की संपत्ति को बेचकर 25 हजार करोड़ जमा किया गया था लेकिन सहकारिता मंत्री रहते ये राशि निवेशकों के बीच अमित शाह ने क्यों नहीं वितरित कराई।

अवैध घुसपैठ राज्य और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने घुसपैठ मामले पर एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा है कि झारखंड में अवैध घुसपैठ राज्य और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। राज्य का खुफिया विभाग ये स्वीकार कर चुका है कि मदरसों और मस्जिदों में बांग्लादेशी मुसलमानों को पनाह देकर उनके पहचान पत्र और आधार कार्ड तैयार किये जा रहे हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार ने न्यायालय में झूठा शपथ पत्र दिया। घुसपैठ के तथ्यों को छिपाकर उच्च न्यायालय को गुमराह किया है। बाबूलाल ने आगे लिखा कि संथाल परगना में रोहिंग्या मुसलमानों के हजारों जमाई टोले बस चुके हैं। रांची डाल्टनगंज मार्ग में सैकड़ों अवैध मस्जिद-मदरसे खड़े हो गये हैं। लोहरदगा की स्थिति अत्यंत नाजुक हो चुकी है। इस इलाकों में पर्व त्यौहार मनाना, शादी विवाह करना तक दुश्वार हो गया है। घुसपैठिए हमारे भाई नहीं हो सकते। अवैध रूप से झारखंड में रह रहा हर बांग्लादेशी मुसलमान राज्य के लिए, हमारी संस्कृति के लिए, हमारे आदिवासी समाज के लिए और हमारी रोटी- बेटी- माटी के लिए बड़ा खतरा है। ये घुसपैठिए गरीब कामगार भाईयों का रोजगार छीन रहे हैं, आदिवासी बेटियों को लव जिहाद में फंसाकर उनका शारीरिक शोषण कर रहे हैं। जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और हमारे पर्व त्यौहार में विघ्न उत्पन्न कर रहे हैं। भगवान बिरसा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए, रोजगार और नौकरी के पर्याप्त अवसर के लिए, पारदर्शी परीक्षा के लिए, युवाओं को न्याय दिलाने के लिए, आदिवासी समाज के अस्तित्व को बचाने के लिए, माटी-बेटी-रोटी की रक्षा के लिए घुसपैठियों और उनके सरपरस्तों को यहां से खदेड़ना होगा। बाबूलाल ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा कि हेमंत सोरेन ने आदिवासियों की जमीनों को औने-पौने दामों पर खरीद कर उन्हें ठगने का काम किया है। कांग्रेस शासनकाल में एचईसी समेत जितनी भी कारखाने स्थापित हुए, उसके कारण विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गयी।

गवाही की विश्वसनीयता साक्ष्य की गुणवत्ता पर निर्भर करती : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि किसी गवाह की गवाही की विश्वसनीयता गवाहों की संख्या पर नहीं बल्कि प्रस्तुत साक्ष्य की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। अगर किसी मामले में गवाह विश्वसनीय और भरोसेमंद है तो अकेली गवाही पर ही दोषसिद्धि की जा सकती है। हाई कोर्ट साहिबगंज की निचली अदालत द्वारा हत्या के जुर्म में दोषी करार दिये गये गुमिद मुर्मू की अपील पर सुनवाई कर रहा था। साहिबगंज सिविल कोर्ट ने गुमिद मुर्मू को डायन हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। निचली अदालत के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर की गयी थी। जिस पर हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की बेंच में सुनवाई हुई।

डायन कहकर देवर ने अपने भाभी की कर दी थी हत्या

साहिबगंज के बरहेट थाना में जो प्राथमिकी दर्ज करवायी गयी थी, उसमें यह आरोप लगाया गया था कि गुमिद मुर्मू ने अपनी भाभी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। मृतका का शव गुमिद के घर की मेड़ (बारी) पर पाया गया था। गुमिद ने महिला की हत्या से पहले उसे डायन भी कहा था। इस मामले में मृतका की बेटी एक मात्र चश्मदीद गवाह थी। जिसने ट्रायल कोर्ट में अपनी गवाही पूरी की और उसकी गवाही के आधार पर कोर्ट ने गुमिद को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

चुनाव आयोग ने कहा- सभी बूथों की होगी सीसीटीवी से निगरानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि विधानसभा चुनाव में हर मतगणना केंद्र सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और त्रुटिहीन मतदान संपन्न कराना निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता है। इसीलिए मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी के साथ वेबकास्टिंग की मदद से मुख्य निर्वाचन कार्यालय, धुर्वा से भी नजर रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान इन्हीं माध्यमों से तीन गलतियां प्रकाश में आयी थीं,जिन्हें समय रहते दुरुस्त कर लिया गया था। वह शनिवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में पत्रकार वार्ता कर रहे थे।उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर तैनात अधिकारियों और कर्मियों के पास एएसडी सूची रहेगी। सूची में जिनका निधन हो गया है, जो कहीं दूसरी जगह शिफ्ट कर गये हैं और अनुपस्थित मतदाता हैं, उन सभी का डिटेल रहेगा। इससे डुप्लीकेसी की संभावना नहीं के बराबर रहेगी।

उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक राज्य में 1 अरब, 66 करोड़, 82 लाख की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की गयी है। इसमें सबसे अधिक राज्य पुलिस ने 121 करोड़ 96 लाख की जब्ती की है। वाणिज्य कर विभाग ने 8.43 करोड़, आबकारी विभाग ने 7.31 करोड़, वन विभाग ने 7.22 करोड़ और आयकर विभाग ने 1.62 करोड़ की जब्ती की है।

अबतक 163.20 करोड़ की सामग्री और कैश जब्त, 47 प्राथमिकी दर्ज : चुनाव आयोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा है कि इस बार विधानसभा चुनाव के लिए पोस्टल बैलट से मतदान हेतु कुल 2,60,814 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। पोस्टल बैलट से मतदान की प्रक्रिया जारी है। पोस्टल बैलेट के ये आवेदन पूर्व के किसी भी आम चुनाव से अधिक हैं। इससे संभावना है कि पहले के चुनाव की अपेक्षा इस बार पोस्टल बैलेट से मतदान में बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन सुबह 5.30 बजे से मॉक पोल की प्रक्रिया शुरू होगी। सभी पोलिंग एजेंट से अपेक्षा की जाती है कि वे मॉक पोल के समय निश्चित रूप से अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहें। वह निर्वाचन सदन, धुर्वा में पत्रकार वार्ता कर रही थीं। इस अवसर पर उनके द्वारा स्वीप से संबंधित प्रचार सामग्रियों को भी जारी किया गया।

उन्होंने कहा कि #VoteDeneChalo सोशल मीडिया अभियान निर्वाचन आयोग की ओर से एक साथ पूरे राज्य में शनिवार को चलाया जाएगा। समय रहेगा शाम 5 से 7 बजे का। इसमें बीएलओ और बैग (बूथ स्तरीय जागरूकता समूह) सुबह से मतदान केंद्रों पर मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम करेंगे। कार्यक्रम के फोटो, वीडियो, आडियो आदि को वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर #VoteDeneChalo के साथ पोस्ट एवं शेयर करेंगे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि इस अभियान में आमजन के साथ मीडिया के लोग भी अपने सोशल मीडिया एकाउंट से निर्वाचन संबंधी जागरूकता के कंटेंट इस हैशटैग के साथ पोस्ट एवं शेयर जरूर करें। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में अभी तक कुल 47 प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की प्रक्रिया की जा रही है। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के सर्वाधिक 24 मामले गढ़वा जिले से सामने आए हैं। रांची जिले में भी 5 मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 163. 20 करोड़ से अधिक के अवैध समान और नकदी की जब्ती की गयी है। इसमें सर्वाधिक जब्ती राज्य पुलिस ने की है।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री के रोड शो से पूर्व संजय सेठ ने की पदयात्रा

रांची : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रातू रोड़ में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में 10 नवम्बर को रोड शो करेंगे। इसे लेकर शनिवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ओटीसी मैदान से न्यू मार्केट चौक तक पदयात्रा कर लोगों से रविवार को प्रधानमंत्री के स्वागत में आने की अपील की। सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री का विशेष स्नेह झारखंड को हमेशा से मिलता रहा है। प्रधानमंत्री 10 नवंबर रविवार को रांची में भव्य रोड शो करेंगे। शाम 4:00 बजे से यह रोड शो ओटीसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आएंगे। सेठ ने रांची सहित रातू रोड के नागरिकों से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री की स्मृति में यह रोड शो और उनका अभिनंदन ऐतिहासिक हो, इसके लिए हम सभी कार्य करें। पदयात्रा में पडरा मंडल के अध्यक्ष सुबेश पांडे और सुखदेव नगर मंडल के अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडे सहित अन्य लोग शामिल थे।

श्रीश्याम मंदिर में भण्डारा का हुआ आयोजन

रांची : श्रीश्याम मित्र मण्डल द्वारा शनिवार को हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में 132 वां श्रीश्याम भण्डारा का आयोजन किया गया। मंदिर में निर्मित प्रसाद का भोग अर्पित किया गया। भण्डारे का समय होते होते पूरा श्रीश्याम मंदिर भक्तो से अट गया। मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी ने बताया कि भोग लगे प्रसाद का विराट भण्डारे के प्रसाद में मिश्रित करके महाप्रसाद बनाया गया। सर्वप्रथम गोपाष्टमी के अवसर पर गौमाता के लिए भण्डारे का महाप्रसाद रांची गौशाला में जाकर गोमाता को भण्डारे का प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद मांगा गया। पुरा हरमू रोड़ खाटूनरेश की जय-जयकारो से गूंज रहा था। श्रीश्याम मंदिर में प्रवेश द्वार पर प्रवेश करने वाले भक्तों को मंदिर के आचार्यों द्वारा तिलक लगाया जा रहा था। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, अजय मारू, अनिल नारनोली, अनुज मोदी, रतन शर्मा, अमित सरावगी, वेदभूषण जैन पप्पू, कमलेश शावा, अंकित सिंह, हर्ष कुमार, मनोज खेतावत, उपेन्द्र पाण्डेय, मनीष वर्मा, तरुण शर्मा, संजय शर्मा, राहुल अग्रवाल, राहुल मारू सहित 50 से ज्यादा कार्यकताओं ने अपना योगदान दिया।

सुनील श्रीवास्तव के घर छापेमारी विपक्षी नेताओं पर मानसिक दबाव बनाने का प्रयास : राकेश सिन्हा

रांची : कांग्रेस नेता राकेश सिन्हा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव के आवास पर आयकर विभाग की छापेमारी पर चर्चा करते हुए कहा है कि यह झारखंड में कोई नई बात नहीं है। यहां पर विपक्षी नेताओं और उनके व्यक्तिगत संबंधियों पर आयकर की छापेमारी लगातार हो रही है। राकेश सिन्हा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा है कि भाजपा अब अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए इनकम टैक्स और ईडी के माध्यम से छापेमारी करने की कोशिश कर रही है। लेकिन यहां की जनता ने पहले ही इसे ठुकरा दिया है। ऐसे कदम उठाकर, वे केवल विपक्षी नेताओं पर मानसिक दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग ने शनिवार की सुबह सुनील श्रीवास्तव के अशोकनगर रोड स्थित आवास समेत रांची और जमशेदपुर के 16 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। छापेमारी में आयकर विभाग को क्या मिला है, इस बारे में अभी तक विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है।

जेएमएम प्रत्याशी महुआ माजी ने चैंबर के संवाद में लिया हिस्सा

रांची : विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की उम्मीदवार महुआ माजी ने शनिवार को झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संवाद में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष प्रवीण जैन छाबड़ा ने किया। इस कार्यक्रम में चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, कार्यक्रम संयोजक शैलेश अग्रवाल, अमित शर्मा थे। इस टॉक शो में महुआ माजी ने विभिन्न मुद्दों पर व्यवसायिक समुदाय के सवालों का विस्तारपूर्वक और संतोषजनक उत्तर दिया। उनके उत्तरों ने उन्होंने अपने द्वारा उठाए गए कई ठोस कदमों का जिक्र किया, जिससे उन्होंने यह साबित किया कि वह व्यापरिक समुदाय की जरूरतों को लेकर गंभीर हैं। महुआ माजी ने विशेष रूप से कृषि उपज बाजार कर के उन्मूलन का समर्थन किया। बताया कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आती है, तो इस कर को समाप्त करने के लिए वह हरसंभव प्रयास करेंगी। बताया कि उनके प्रयासों से भवन नियमितिकरण विधेयक लाया गया था, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों के चलते इसे पास नहीं किया जा सका। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि जब अपर बाजार क्षेत्र में भवनों के ध्वस्तीकरण का मामला आया था, तो उन्होंने लोगों के साथ खड़े होकर प्रशासन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनी तो भवन नियमितीकरण विधेयक को पास करवाकर व्यवसायियों को राहत प्रदान की जाएगी। रांची में यातायात की समस्या के समाधान के लिए उन्होंने बताया कि एक दर्जन से अधिक फ्लाईओवर पाइपलाइन में हैं, जिससे शहर के जाम की समस्या कम होगी। इसके साथ ही, परिवहन नगर का निर्माण वर्तमान सरकार द्वारा किया गया है, जो व्यापारिक समुदाय के लिए एक बड़ी सहूलियत साबित हो रहा है। उन्होंने अपर बाजार, मुख्य सड़क और आस-पास के क्षेत्रों में पार्किंग की समस्या का समाधान करने के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता जताई। महुआ माजी ने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र सरकार को राज्य का लगभग 1,36,000 करोड़ रुपए का रॉयल्टी लौटाना चाहिए, जिससे राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर उन्होंने कहा कि झारखंड की प्राकृतिक सौंदर्य, वनस्पति और जीव-जंतु पर्यटन के लिए उपयुक्त हैं, और उनकी पार्टी इस दिशा में प्रतिबद्धता के साथ काम करेगी।

एक नजर

गुरुनानक जयंती की तैयारी चास गुरुद्वारा में शुरू

बोकारो : प्रथम गुरु नानक देव महाराज की जयंती तैयारियां शुरू हो गई है। इसको लेकर चास गुरुद्वारा में सिख समाज पर्व को लेकर दस दिन पूर्व से प्रभातफेरी निकाले जाने की परम्परा है। इसके तहत प्रतिदिन सुबह 4 बजे के करीब गुरूद्वारा से प्रभात फेरी निकल रही है। इसमें समाज के लोग श्रद्धा भक्ति के साथ शामिल होते है। मान्यता है कि इसमें शामिल होने से गुरु कृपा की प्राप्ति होती है। इस दौरान पूरा क्षेत्र वाहे गुरु- वाहे गुरू, जो बोल से निहाल आदि जयघोष से गुंजयमान रहता है। नानक जयंती को लेकर मुख्य कार्यक्रम में 15 नवंबर को चास गुरूद्वारा में होगा। हालांकि इस वर्ष जयंती को लेकर गुरुद्वारा से शोभा यात्रा नहीं निकाली जाएगी। शब्द पाठ, कीर्तन सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रम गुरुद्वारा परिसर में ही आयोजित किया जाएगा।

गोपाष्ठमी पर आदर्श गौशाला मे की गयी पूजा-अर्चना

बोकारो : गोपाष्ठमी के शुभ अवसर पर चास प्रखंड स्थित बहादुरपुर में अवस्थित आदर्श गौशाला मे शनिवार को गायों की विशेष सेवा और पुजन किया गया। साथ ही इस अवसर पर हवन यज्ञ के साथ साथ संत बालक सहित आंगुतको को भोजन कराया गया । गोपाष्ठमी के अवसर पर यहां हर वर्ष गौसेवा करने की परंपरा हैं। विहंगम सदाफल आश्रम के अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल ने बताया की इस दिन भगवान श्रीकृष्ण द्वारा आज ही के दिन गौमाता की सेवा के उपरांत ही अपनी अन्न जल ग्रहण किये थे । सदाफल देव आश्रम से जुड़े लाखो लोग इस परंपरा को निभाने के साथ साथ सनातन गौ रक्षा व सेवा को निभाते आ रहे हैं। सनातन धर्म में गौ सेवा और गौ रक्षा को सबसे बढ़ा पुण्य माना गया हैं। इसकी दुध को अमृत तो मुत्र और गोबर को भी मानव जीवन रक्षा के लिए एक बहुत ही बड़ा उपयोगी वस्तु माना गया हैं।

विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने बेरमो में किया जनसंपर्क

बेरमो : विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मायापुर पंचायत के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बूट गोड़वा, बेलडीह, चाटुगड़ा, बूढ़ीसराय, कोंडराटांड, धिरीदाग और मायापुर राधेश्याम जैसे क्षेत्रों में जाकर अपने समर्थकों से मुलाकात की और जनसम्पर्क किया। विधायक जयमंगल ने अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए बताया कि उन्होंने मायापुर पंचायत में 93 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य जनता से जाति और धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि विकास के आधार पर समर्थन मांगना है। जयमंगल ने हेमन्त सरकार की प्रमुख योजनाओं पर भी प्रकाश डाला, जिसमें 200 यूनिट मुफ्त बिजली, बकाया बिजली बिल माफी, किसानों के लिए केसीसी कृषि लोन माफी, पारा शिक्षकों का स्थायीकरण, जल सहियाओं के वेतन में बढ़ोतरी और महिलाओं के लिए मइया सम्मान योजना शामिल हैं। विधायक जयमंगल ने कहा कि भाजपा ने झारखंड में 20 साल शासन किया, लेकिन जनता के हित में कोई बड़ा कार्य नहीं किया। उन्होंने क्षेत्र की माताओं, बहनों और भाइयों से अपील की कि वे हाथ छाप को वोट देकर हेमन्त सरकार को एक बार फिर से सत्ता में लाएं।

राहुल गांधी ने झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने के लिये जनता से मांगा आशीर्वाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही झारखंड के महिलाओं को प्रतिमाह खाटा खट टका टक 2500 रुपये सभी महिलाओं के खाते में आयेंगे उक्त बातें कांग्रेस के राहुल गांधी ने बाघमारा के माटीगढ़ा फुटबॉल ग्राउंड में बाघमारा के इंडिया गठबंधन प्रत्यशी जलेश्वर महतो व धनबाद प्रत्यशी अजय कुमार दुबे के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुये कहा, गांधी ने कहा कि झारखंड में हमारी सरकार बनने पर बेरोजगारो रोजगार मिलेगा, उन्होंने कहा कि देश मे जातीय जनगणना होने पर भाजपा सरकार के झूठ सबके सामने आ जाएगा। हमारी सरकार बनने पर 10 लाख लोगों को रोजगार, 450 रुपया में गैस सिलेंडर दिया जायेगा।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि जनता का साथ मिले तो इसबार बाघमारा के अलावे राज्य का तकदीर बदलने का कार्य होगा , बाघमारा के प्रत्यशी जलेश्वर महतो ने कहा कि बीसीसीएल के 70 प्रतीशत कोयला खदान को राष्ट्रीयकरण कर इंद्रा गांधी ने लोगो को रोजगार देने का कार्य किया। जबकि भाजपा सरकार ने सभी खदानों,स्टील प्लांट को निजीकरण कर आउटसोर्सिंग कर दिया, जिससे यहां के लोग रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे है। रोजगार के लिये बाहर जाने बाले लोगो की लाश लौट रही है, बाघमारा में कोयला जमीन की लूट हो रही है, कोयला मजदूर, किसान बेरोजगारों की सुध नही लेते बाघमारा में कांग्रेस हाथ को जीता कर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना है।

झारखंड के कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, धनबाद के प्रत्याशी अजय दुबे, बाघमारा प्रत्याशी जलेश्वर महतो, प्रदेश उपाध्यक्ष बजेन्द्र प्रसाद सिंह, रामप्रीत प्रसाद यादव, लगनदेव यादव, मो शाहजादा, डॉक्टर गौतम कुमार, इंदल कुमार यादव, सुरेन्द्र यादव, अशोक लाल, रोबिन पॉल, धनेश्वर, सुदामा राम, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आस्था व विश्वास का केंद्र है मां का मंदिर, उत्सव शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : प्रखंड की बिजुलिया पंचायत के डाबका गांव में 19 वर्षों से मां जगधात्री की पूजा हो रही है। मां जगधात्री का मंदिर क्षेत्र के लोगों का आस्था व विश्वास का केंद्र है। 11 नवंबर 2006 में बाबा मृत्युंजय तिवारी ने पुरोहित रामनारायण उपाध्याय उर्फ मंटू बाबा के मार्गदर्शन में मां जगधात्री की विधि-विधान के साथ स्थापना कर पूजा- अर्चना शुरू की थी। जो आज तक जारी है। मान्यता है कि मां जगधात्री से जो भी कोई सच्चे मन से मन्नत मांगता है, मां उसे पूरी करती है। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु धूमधाम से पूजा-अर्चना कर चढ़ावा चढ़ाते हैं। यहाँ बलि प्रथा नहीं है। सेवक बाबा मृत्युंजय तिवारी ने बताया कि 2006 में स्वप्न में मां जगधात्री ने दर्शन दिये थे। इसकी जानकारी पिता पंडित श्याम चरण तिवारी को दी। उन्होंने कहा स्नान कर मां से कहो कि आप कौन हैं मुझे बताइये, उसी दिन रात को स्वप्न में पुनः मां ने दर्शन दिये। स्वप्न में देखा कि घर के पश्चिम-उत्तर कोण में मां जगधात्री सिंह पर सवार होकर एक चबूतरा पर परिक्रमा कर रही है। मां जगधात्री ने बाबा मृत्युंजय तिवारी से कहा कि मेरी स्थापना कर पूजा अर्चना करो, सब संकट दूर हो जायेगा। बाबा मृत्युंजय ने मां से कहा कि मैं सक्षम नहीं हूं. आप की स्थापना कर सेवा कैसे करूं, तब मां जगाधत्री ने कहा पांच गांवों से धन मांग कर मेरी स्थापना कर पूजा अर्चना करो।

नौ दिवसीय भागवत कथा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कार्तिक संक्रांति के अवसर पर चास प्रखंड के कांड्रा गांव में विष्णु पाण्डेय के सौजन्य से भव्य उद्यापन सह नौ दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया गया है। इस धार्मिक अनुष्ठान को सुसम्पन्न कराने हेतु शनिवार को भव्य जल यात्रा का आयोजन गाजे बाजे के साथ इजरी नदी दिवानगंज छठ घाट से कांड्रा गांव तक किया गया । जल यात्रा में गांव के 101 युवतियों व महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस अनुष्ठान के संबंध में आयोजक विष्णु पाण्डेय और विभूति पाण्डेय ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठान से लोगो में धर्म के प्रति आस्था और विश्वास बढ़ता है। लोगो में दया लोगो क प्रति सहानुभुति बढ़ती है। धर्म का संचार व प्रसार होता हैं। वही यज्ञ, हवन से जीवो का कल्याण होता है और अधर्म का नाश होता है। आयोजित इस नौ दिवसी कार्यक्रम में वृन्दावन के भगवत कथा वाचक श्री श्री अनुपानंद जी महाराज के मुखार बिंद से कथा किया जाएगा। 16 नवंम्बर शनिवार को पुजन, हवन एवं आरती के साथ कथा संपन्न के अलावे मित्र, कुटुंब, भोजन के साथ संपन्न किया जाएगा। यज्ञ संपन्न कराने में जीतु लाल पाण्डेय आचार्य मधुसुदन पाण्डेय पूर्व मुखिया नरेश सिंह, राजकिशोर पाण्डेय, राजकुमार पाण्डेय, रंजीत पाण्डेय, अनुप पाण्डेय, झारखंड माहथा, उपेंद्र पाण्डेय, पवन सिंह चौधरी, त्रिपुरारी सिंह सहित सबका सहयोग रहेगा।

विक्रम महतो के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं ने विभिन्न पार्टी छोड़ भाजपा में हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : केंद्र सरकार के कार्यो से प्रभावित होकर बोकारो विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ों युवा वर्तमान हेमंत सरकार की गलत नीतियों से निराशाजनक कार्यो से तंग आकर भाजपा में शामिल हुए। राज्यसभा सांसद सह प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा व बोकारो विधायक सह भाजपा प्रत्याशी बिरंची नारायण ने सभी नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें भाजपा परिवार में पट्टा पहनाकर जोड़ने का कार्य किया। इस अवसर पर स्थानीय युवाओं ने अपने लोकप्रिय प्रत्याशी बिरंची नारायण को ढोल बाजे ताशे के साथ स्वागत किया। राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनाने के लिये राज्य के युवा महिलाओं ने इस जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। वर्तमान सरकार ने सभी वर्गों को ठगा है। प्रतिदिन हजारों युवा महिला भाजपा से जुड़ रहे है। बिरंची नारायण ने कहा यह एकजुटता ही बदलाव का संकेत है। हम सभी मिलकर बोकारो विधानसभा में विकास के नए रास्ते पर चलेंगे। भाजपा हमेशा विकास और सेवा के लिए प्रतिबद्ध है, और हम इस विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे कि सभी के सहयोग से हमारी योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। विभिन्न पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वालों मे विक्रम महतो ने अपने सैकड़ों समर्थकों युवा शामिल हैं। यह संख्या दशार्ती है कि स्थानीय जनसमुदाय अब बदलाव की ओर अग्रसर है और वे भाजपा के साथ मिलकर एक नई शुरूआत करने के लिए तैयार हैं। भाजपा, बोकारो विधानसभा में विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और हम इस दिशा में सभी से सहयोग की अपेक्षा करते हैं। चास के मेन रोड, सेक्टर 9, सेक्टर 8 व बंधगोरा साइड में चुनावी कार्यालय कस उद्घाटन किया। इस अवसर पर अजित महतो, माथुर मंडल, इंद्र झा, आदि भाजपा नेता मौजद रहे। शामिल होने वाले मुख्य रूप से चास के गोपाल शाह, नीरज गुप्ता, प्रदीप सिंह, मंजू देवी, पूर्व मुखिया युधिष्ठिर महतो, नकुल महतो, रानी मालाकार, मीना देवी, क्रिस्टा सोरेन, मालती देवी सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह ने झरिया में चलाया जनसंपर्क अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झरिया से भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह ने ऐना कोलियरी के बांग्ला कोणा समीप नुक्कड़ सभा और जनसंपर्क कर लोगों से कमल छाप को वोट देने की अपील की। इसके साथ ही वर्तमान सरकार और वर्तमान विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार पिछले 5 वर्षों में लूट-खसोट, हत्या, रंगदारी और भ्रष्टाचारी सरकार रही है। इसलिए राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। आप सभी से अनुरोध है कि आप सभी भाजपा के कमल छाप में वोट डालकर झरिया विधानसभा से हमें जिताएं और राज्य में भाजपा सरकार बनाएं। ताकि वर्तमान सरकार जो वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन बंद कर, मंईयां सम्मान योजना चला रही है और लोगों को ठगने का काम कर रही है। वैसी ठगी सरकार से और वर्तमान विधायक से आप दूर रहें। इस दौरान भाजपा पर आस्था जताते हुए आज भाजपा कार्यालय में सैंकड़ों की संख्या में युवाओं ने रागिनी सिंह का समर्थन किया। रागिनी सिंह ने सभी युवाओं को भाजपा का पट्टा पहनाया और उनका पार्टी में स्वागत किया।

आतंक फैलाकर पैसे की वसूली करते हैं लाल झंडा के लोग : ढुल्लू महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने शनिवार को निरसा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अपर्णा सेनगुप्ता के समर्थन में प्रचार अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि लाल झंडा के लोग आतंक का माहौल बनाकर गुंडागर्दी व रंगदारी के बल पर पैसे की वसूली करते हैं। निरसा से पैसा वसूलकर पूर्व विधायक पुरुलिया में अपनी फैक्ट्री बना रहे हैं। निरसा की जनता सच्चाई से वाकिफ हो चुकी है और चुनाव में इसका वोट से जवाब देगी। ढुल्लू महतो निरसा मध्य पंचायत की मुखिया रीता देवी व उनके पति मनोज सिंह द्वारा निरसा कांटा के पास आयोजित मिलन समारोह में बोल रहे थे। समारोह में मनोज सिंह के नेतृत्व में आधा दर्जन से ज्यादा पंचायत प्रतिनिधियों ने सांसद ढुल्लू महतो व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। ढुल्लू महतो ने कहा कि लाल झंडा वाले कभी भी उग्रवाद व आतंकवाद का विरोध नहीं करते। क्योंकि वे लोग उग्रवाद व आतंकवाद के मौन समर्थक हैं। ये लोग गरीब की बात कहकर वोट लेते हैं। वहीं, दूसरी ओर राज्यसभा चुनाव में करोड़ों रुपये में अपना वोट बेच देते हैं। लाल झंडा वाले फैक्ट्रियां बंद करवाते हैं, लेकिन एक भी फैक्ट्री चालू नहीं कराते. इसके ठीक उलट भाजपा विकास के साथ चलती है। क्योंकि विकास से ही जनता को रोजी-रोजगार मिलेगा। उन्होंने लोगों से अपना वोट देकर अपर्णा सेनगुप्ता को फिर विधायक बनाने की अपील की। वादा किया कि हमलोग प्रधानमंत्री से मिलकर निरसा की सभी बंद फैक्ट्रियां चालू करवाएंगे। समारोह को निरसा से भाजपा प्रत्याशी अपर्णा सेनगुप्ता ने भी संबोधित किया। मौके पर मुखिया रीता देवी व मनोज सिंह के नेतृत्व में हरियाजाम के मुखिया रिंकू बाउरी, पंसस बासुदेव बाउरी, निरसा दक्षिण की मुखिया जूही कुमारी, पंसस डीके पासवान, अमन चौरसिया, श्यामपुर के मुखिया जगन्नाथ महतो, पिठाकियारी की मुखिया कविता बाउरी, कृष्णा रजक सहित दर्जनों लोगों ने भाकपा माले छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

संक्षिप्त खबरें

विधिक सेवा दिवस पर जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

धनबाद : झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के आदेश पर शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के दिन झरिया तिसरा स्थित मध्य विद्यालय बांधधौडा में विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सहायक सुमन पाठक ने कहा कि हर नागरिकों के लिये उचित निष्पक्ष और न्याय प्रक्रिया सुनिश्चित करने व जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की शुरूआत पहली बार 1995 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिये की गई थी। नालसा का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत समाज के कमजोर वर्गों को नि:शुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिये और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिये लोक अदालतों का आयोजन करने के उद्देश्य से किया गया है। इस मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सहायक स्वाति ने बताया कि देश के किसी हिस्से में किसी भी तरह के कानूनी जानकारी व सहायता के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 जारी किया गया है जिस पर आप फोन कर किसी भी तरह की कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर पैरा लीगल वालंटियर हेमराज चौहान, डिपेंटी गुप्ता, समाजसेवी शंकर प्रसाद, प्रिति कुमारी, मिना कुमारी, मिरा देवी, मुनिया देवी समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

धनबाद के छह कराटे खिलाड़ी चैंपियनशिप में भाग लेने कटक हुए रवाना

धनबाद : शनिवार को धनबाद के छह खिलाड़ी धनबाद स्टेशन से उड़ीसा के कटक के लिए रवाना हुए। खिलाड़ियों के साथ कटक जा रहे कराटे प्रशिक्षक कुंदन कुमार बांसफोर ने बताया कि उड़ीसा के कटक स्थित जवाहरलाल नेहरू इनडोर स्टेडियम में 10 नवंबर से राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। इस चैंपियनशिप में धनबाद के छह खिलाडी अपना दमदार प्रदर्शन दिखाएंगे और मेडल जीत कर धनबाद का नाम रोशन करेंगे।सभी खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के लिए बहुत ही कड़ी मेहनत करके अभ्यास किया है। कराटे खिलाड़ियों में दर्पण कुमारी बांसफोर, जूही रानी, गोविंदा कुमार बांसफोर, शिवांगी कुमारी, विनीत कुमार बांसफोर, काव्या कुमारी और प्रशिक्षक कुंदन कुमार बांसफोर है।

उपायुक्त ने ईवीएम व वीवीपैट की कमीशनिंग कार्य का लिया जायजा

धनबाद : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने बाजार समिति, धनबाद पॉलिटेक्निक एवं निरसा पॉलिटेक्निक में चल रहे ईवीएम व वीवीपैट की कमीशनिंग कार्य का जायजा लिया. 38-सिंदरी, 42-टुंडी, 43-बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली ईवीएम व वीवीपैट की कमीशनिंग का कार्य बाजार समिति धनबाद, जबकि 40-धनबाद, 41-झरिया विधानसभा क्षेत्रों की कमीशनिंग धनबाद पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं 39-निरसा विधानसभा क्षेत्र हेतु निरसा पॉलिटेक्निक कॉलेज में की जा रही है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्ट्रांग रूम में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सावधानी, सजगता से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, सीटीटीवी निगरानी कक्ष, सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों के आईडी कार्ड, सहित सभी आवश्यक व्यवस्था की समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित आरओ व एआरओ भी उपस्थित थे।

जनता का मिल रहा समर्थन, जीत सुनिश्चित : श्वेता सिंह

बोकारो : विधानसभा चुनाव के निमित इंडिया गठबंधन प्रत्याशी श्वेता सिंह का विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रवास किया। करीब 5 पंचायतों में दर्जनों ग्रामों जैसे बाधाडीह पंचायत अंतर्गत बाधाडीह,बीचकुलहि हरिमंदिर के बाद बेलुंजा पंचायत अंतर्गत पेला डीह,दास टोला,बांसा, देसवाली टोला के बाद ब्राह्मणद्वारिका पंचायत अंतर्गत काशीटांड़ बावरीटोला,मुस्लिमटोला,बेलूट,गोपालपुर, भुइया द्वारका के पश्चात काला पथर पंचायत अंतर्गत सियारगजरा कोईर टांड़ के बाद कुम्हरी पंचायत अंतर्गत नयागोड़ा,दास टोला,कुंभकार टोला,मोदीडीह,रजक टोला, सलखुडीह,जमदाहा में प्रवास के दौरान आम जनता से मिली और क्षेत्र में व्याप्त जन समस्याओं को बिंदुवार तरीके से समझा और इसका हल करने का आश्वाशन दिया और आग्रह करते हुए कहा कि इस बार आप सभी मिल कर दिनांक 20.11.2024 को इंडी गठबन्धन के प्रत्याशी और आपकी बेटी के रूप में मुझे वोट के माध्यम से जिताएं, तभी जाकर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जा सकता है। ज्ञात हो कि पूर्व में भी हमारे पिता स्व वीर समरेश सिंह दादा जी ने आपलोगो की तन मन धन से सेवा की है अब समय आ चुका है कि वीर समरेश सिंह दादा के विचारों को आत्मसात करते हुए हमे एक बेहतर विकसित बोकारो का निर्माण करना है जिससे कि दादा का अधूरा सपना पूरा हो सके। सिंह ने कहा कि इंडी गठबन्धन की सरकार ने आम जनता के हित को केंद्र बिंदु में रख कर उनका विकाश किया है अब समय आ गया है कि पुन: इंडी गठबन्धन को आप सभी अपना आशीर्वाद दे।

एक नजर

सीमा महतो ने विभिन्न गांवों का दौरा कर अमित महतो के पक्ष में वोट मांगा

सिल्ली : सिल्ली 9 नवंबर को सिल्ली पूर्व विधायक सीमा महतो के द्वारा हालमाद ओर हाकेदाग पंचायत के मिसिर होटाग भूली जालूमबेड़ा किरकाताड़ हाकेदाग हारीडीह ओर भी विभिन गांव का दौरा किया इस बीच सभी को सरकार के योजनाओं की जानकारी दी हेमंत सोरेन ने सर्वजन पेंशन योजना लागू किया जिसके तहत झारखंड के 27 लाख लोगों को इसका लाभ मिल रहा है आवास योजना का लाभ देकर गरीबों को तीन कमरा देने का काम किया मैय्या सम्मान योजना में राज्य के आधी आबादी को को सामान दिया आदिवासी मूलवासी के हक अधिकार के लिए हमेशा आवाज उठाई गई है हेमंत सोरेन की सरकार के नेतृत्व में पूरे राज्य में विकास की गंगा बह रही है सभी से अमित महतो को क्रम संख्या दो पर तीर धनुष छाप पर वोट देने की अपील की और हेमंत सोरेन को पूर्ण मुख्यमंत्री बनाने की अपील की इस मौके पर सिल्ली पूर्वी जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी कुमारी सुयोग प्रसाद साहू भीष्म महतो लख्खी राम बेदीया यासीन राय फागू बेदीया चन्द्र माझी सावन सिंह मुंडा चन्द्र भूषण मुंडा दिलीप बेदीया और भी बहुत सारे सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हेमन्त सोरेन की सरकार ने रांची को बना दिया है कराची : डॉ मोहन यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पांकी विधानसभा के विधायक प्रत्याशी कुशवाहा डॉक्टर शशि भूषण मेहता के पक्ष में तरहसी में जनसभा को संबोधित किया। डा. यादव ने हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि आज हेमंत सोरेन व कांग्रेस ने मिलकर रांची को कराची बना दिया है। वोट के लिए पाकिस्तान जैसी हालत झारखंड में बना दिया। झारखंड को दो भूखे भेड़ियों ने लूट लिया। हेमंत सोरेन की सरकार भूखे भेड़िए की तरह लूट-लूट कर झारखंड को खा रहे हैं। आज झारखंड में आदिवासी की आबादी घट रही है। विशेष समुदाय की आबादी बढ़ रही है। हेमंत सरकार के मंत्री के पास तीन सौ करोड़ रुपए पकड़े जाते हैं। कहा कि भारत राम व कृष्ण की धरती है। भारत की चर्चा विदेश में होती है। कांग्रेस वाले व हेमंत सोरेन ने कभी राम के दर्शन नहीं किए हैं। ये दोनों सनातन विरोधी हैं। आज श्रीराम मुस्कुरा रहे हैं, जैसे श्रीराम मुस्कुरा रहे हैं वैसे यमुना वाले लोग भी मुस्कुराएंगे। कहा कि जब श्रीराम मंदिर बन रहा था तो कांग्रेस वाले रोक लगा रहे थे। कहा कि इस विधानसभा चुनाव में आप सभी मतदाताओं का एक-एक वोट राहुल गांधी के मुंह पर तमाचा की तरह पड़ेगा। कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार दोबारा बनी तो दिवाली, दशहरा व जन्माष्टमी का त्यौहार मनाना बंद हो जाएगा। इसके पूर्व चतरा के सांसद कालीचरण सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरीके से लोकसभा चुनाव में आप मतदाताओं का प्यार व आशीर्वाद मिला व आपने सांसद बनाया है इस तरह वर्तमान विधायक शशि भूषण मेहता को दूसरी बार विधायक बनाकर रांची पहुंचाएं। वे इन्हें मंत्री बनाने का काम करेंगे। मौके पर लातेहार के बीच सूत्री उपाध्यक्ष राजधानी यादव, समाजसेवी रामदास साहू, मनातू प्रखंड के मंडल अध्यक्ष अंतू यादव, समाजसेवी रणधीर यादव, समाज सेवी वीरेंद्र सिंह, महामंत्री अरविंद यादव, बंधु भारती मुखिया, लाला यादव, मनातू प्रखंड जिला परिषद सदस्य प्रदीप कुमार चावला, राजगोबिंद सिंह, संजय चंद्रवंशी, दिनेश यादव, धर्मेंद्र प्रसाद, बिगु साहू, मंटू यादव सहित हजारों संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

पांकी को अनुमंडल व लोहरसी, चक व गेंठा को प्रखंड बनवाएंगे। क्षेत्र के किसानों के खेतों में पानी पहुंचाने के लिए क्षेत्र के सोनरे व चाको सिंचाई परियोजनाओं को लागू करवाएंगे। कहा कि इस बार के चुनाव में झारखंड में बदलाव करना है। निकम्मी हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकना है। युवाओं में बड़ा उत्साह है। कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में 72000 समूह से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित करने का काम किया है। पार्टी विधानसभा क्षेत्र के समस्त लोगों के दुख व सुख में खड़े रहने का काम करते हैं। उन्होंने मतदाताओं को वोट देकर विजयी बनाने का आह्वान किया।

हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा में शनिवार को हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों ने अपने वाचन के लिए प्रकृति, पेड़, फूल, माँ, शिक्षक, स्कूल का माहौल, अनेकता में एकता आदि जैसे कई विषयों को बड़े जोश और उत्साह के साथ उन्होंने सुंदर भावों, विचारों और लय के साथ कविताओं को सुनाने का आनंद लिया। उनके शब्दों और मासूम हाव-भाव के जादू ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने कहा इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास को बढ़ाना और उनके सार्वजनिक भाषण कौशल को बेहतर बनाना था। प्रथम स्थान पर रोहित राज, पिरिनसी मुंडा, परिधि बेदिया, आदर्श राज, आराध्या कुमारी आदि रहे। निरीक्षणकर्ता शिक्षक उमेश मंडल एव शिक्षिका कल्याणी कुमारी थे । जिसमें विशेष रूप से सहयोग शिक्षक आनंद प्रसाद महतो, सुमंत कुमार, घासी राम महतो, भुनेश्वर कुम्हार, सुरेश कुमार महतो शिक्षिका पुतुल नीलू नाग, स्नेहा शालिनी, अंजलि टोप्पो, फुलेश्वरी महतो, ललिता महतो, अर्पना कुमारी, कुसुम कुमारी आदि उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का कार्यालय, झारखण्ड, रॉंची।

मतदाताओं के लिए आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त निदेश के आलोक में झारखण्ड राज्य अन्तर्गत विधानसभा आम चुनाव, 2024 हेतु सभी मतदाता जिन्हें निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किये गये है, मतदान स्थल पर मत डालने से पहले पहचान सुनिश्चित करने हेतु अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC) दिखाएंगे तथा ऐसे निर्वाचक, जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC) प्रस्तुत नहीं कर पाते है, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा, तदनुसार निम्न दस्तावेज पहचान हेतु स्वीकार किये जायेंगे:–

1 निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC)
वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेज:–
2 आधार कार्ड,
3 मनरेगा जॉब कार्ड,
4 बैंकों / डाकघरों द्वारा जारी की गई फोटोयुक्त पासबुक,
5 श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड,
6 ड्राइविंग लाइसेंस,
7 पैन कार्ड,
8 एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड,
9 भारतीय पासपोर्ट,
10 फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज,
11 केन्द्र / राज्य सरकार / लोक उपक्रम / पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र,
12 सांसदों / विधायकों / विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और
13 यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन–क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC) भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किये जायेंगे बशर्ते निर्वाचक का नाम जहां वह मतदान करने आया है, उस मतदान स्थल से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। यदि फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना संभव न हो तब निर्वाचक को उपर्युक्त वर्णित किसी एक वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

मतदाता सूचना पर्ची (Voter Information Slip) को मतदान केन्द्र में पहचान के उद्देश्य के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा। आपसे अपेक्षित है कि आप मतदान के लिए निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC) या आयोग द्वारा उपरोक्त निर्दिष्ट वैकल्पिक दस्तावेजों में से एक मतदान के समय अपने साथ अवश्य लाए।

प्रवासी निर्वाचक को, जो अपने पासपोर्ट में उल्लेखित विवरणों के आधार पर निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत है, को मतदान केन्द्र में केवल उनके मूल पासपोर्ट (तथा कोई अन्य दस्तावेज नहीं) के आधार पर ही पहचाना जायेगा। झारखण्ड राज्य अन्तर्गत विधानसभा आम चुनाव, 2024 में सभी मतदाताओं से अपील है कि निर्भीक एवं स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी
झारखण्ड, रॉंची।

PR 339960 Election(24-25)D

हेमन्त सोरेन ने झारखंड को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेला : राजनाथ सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को झारखंड के चतरा स्थित हंटरगंज हाई स्कूल ग्राउंड में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस, जेएमएम एवं राजद समर्थित सरकार को उखाड़ फेकने का आह्वान किया। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि 5 सालों में हेमंत सरकार ने सिर्फ झारखंड को लूटने का काम किया है। हेमंत सोरेन के राज में झारखंड में भ्रष्टाचार का बोलबाला बढ़ गया। अधिकारी से लेकर के साधारण कर्मचारी तक बेलगाम हो गए। इस सरकार ने राज्य को भ्रष्टाचार की दलदल में धकेल दिया। राजनाथ ने कहा कि हेमंत सोरेन सत्ता लोभी हैं। हेमंत ने चंपाई सोरेन को दो माह तक और मुख्यमंत्री बने रहने का भी समय नहीं दिया। राजनाथ ने कहा कि झारखंड को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाना है तो सिंगल इंजन नहीं डबल इंजन की सरकार बनानी होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का सोच है कि केंद्र से जो भी पैसा भेजा जाय वह सीधे गरीबों के खाते में जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत प्रत्येक वर्ष 6000 रुपये सरकार सीधे किसानों के खाते में दे रही है। राजनाथ ने कहा कि झारखंड में सरकार बनी तो गैस सिलेंडर का दाम 500 रुपये होगा एवं साल में दो बार गैस मुफ्त में दिया जाएगा। इसके अलावा गोगो दीदी के तहत 2100 रुपये प्रति माह महिलाओं के खाते में दिए जाएंगे। नौजवानों को नौकरी दी जाएगी और जब तक नौकरी नहीं मिलेगा तो बेरोजगारों को 2000 रुपये प्रत्येक माह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। इस दौरान राजनाथ ने एनडीए समर्थित लोजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान के पक्ष में वोट भी मांगे। सभा को जमुई के सांसद अरुण भारती सहित अन्य लोगों ने भी संबोधित किया।

तुरुप में आजसू पार्टी की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा/खिजरी : विधानसभा क्षेत्र तुरुप(रुदिया)में आजसू पार्टी खिजरी विधानसभा स्तरीय बैठक प्रखंड जगर नाथ महतो के नेतृत्व में हुई आजसू मुख्य रूप से पार्टी के सुप्रीमों आदरणीय सुदेश कुमार महतो और एनडीए उम्मीदवार श्रामकुमार पहान भी उपस्थित रहें।

आजसू सुप्रीमों ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार झारखंड में एनडीए की सरकार लानी है ओर इस धोखेबाज भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकना है इसके लिए हमें एक होकर एनडीए को मजबूत करना है ओर हमें जितना हैं ओर उन्हें जिताना भी है। उन्होंने कहा कि खिजरी विधानसभा से रामकुमार पाहन को भारी मतों से विजय बनाकर विधानसभा भेजने का काम करें एवं एनडीए सरकार बनाएं। इसी क्रम में गोंदली पोखर चौक में आजसू सुप्रीमों सुदेश महतो जी एनडीए अनगड़ा मंडल कार्यालय का उद्घाटन भी किये।। मौके पर जलनाथ चौधरी जितेंद्र सिंह सुरेंद्र महतो मनोज कुमार चौधरी नरेश साहू रामनाथ महतो सुनील महतो और एनडीए के कार्यकर्ता शामिल थे।

कार्यालय, जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रॉंची।
(व्यय अनुश्रवण प्रबंधन कोषांग)
(exmonitoringcellranchi@gmail.com)

प्रेस विज्ञप्ति

विधानसभा (आम) निर्वाचन–2024 के अन्तर्गत 64–हटिया एवं 65–कॉंके विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान की तिथि–13/11/2024 को निर्धारित है।निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशों के सार–संग्रह अध्याय 'ग' के अन्तर्गत पृष्ठ संख्या–74 (लेखेका निरीक्षण) के आलोक में 64–हटिया एवं 65–कॉंके विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव चिन्ह आवंटित सभी प्रत्याशियों को प्रथम/द्वितीय/तृतीय निर्वाचन व्यय लेखापंजी की जॉंच की तिथि निर्धारित कर सूचना दैनिक अखबारोंके माध्यम से पूर्व में प्रकाशित किया जा चुक है। इस कम में तृतीय लेखा जॉंच की पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक11/ 11/ 2024 को 64–हटिया एवं 65–कॉंके के अभ्यर्थीयों द्वारा किये गये व्यय की जॉंच हेतु निर्धारित किया जाता है, जिस का ब्यौरा निम्नवत् है :–

क्र.	निर्वाचन व्यय लेखा जांच	निर्वाचन व्यय लेखा जांच की तिथि	जॉंच स्थल एवं समय
1.	द्वितीय लेखा जॉंच	दिनांक–11/11/2024 (सोमवार)	सभागार कक्ष, आठवां तल्ला, रॉंची नगर निगम भवन, कचहरी रोड, रॉंची

उक्त संदर्भ में विधानसभा (आम), निर्वाचन–2024 के अन्तर्गत 64–हटिया एवं 65–कॉंके विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के "निर्वाचन व्यय लेखापंजी की जॉंच"हेतु नियत तिथियों पर प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली हेतु प्रत्याशियों के निर्वाचन व्यय लेखापंजी की जॉंच–समय का निर्धारण निम्नवत् किया जाता है:–

64–हटिया विधान सभा क्षेत्र

क्र०	प्रत्याशी का नाम	सम्बद्ध दल	आवंटित प्रतीक	जॉंच हेतु आवंटित समय
1	अजय नाथ शाहदेव	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	हाथ	प्रथम पाली (10:00 बजे पूर्वाह्नसे 01:30 बजे अपराह्न तक)
2	अमरेन्द कुमार	झारखण्ड जनक्रांति मोर्चा	जंजीर	
3	अयूब अली	झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा	कैंची	
4	आदर्श कुमार	नेशनलिस्ट कॉंग्रेस पार्टी	घड़ी	
5	कुन्दरसी मुण्डा	भारत आदिवासी पार्टी	हॉकीऔरबॉल	
6	कुशवाहा विजय कुमार महतो	जोहार पार्टी	ऑटो–रिक्षा	
7	ज्योती बालादेवी	राष्ट्रीय जयहिन्दपार्टी	फुटबॉल खिलाड़ी	
8	दिवाशंकर पासवान	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)	फलोंसे युक्तटोकरी	
9	धनंजय भगत "गांधी"	मेरा अधिकार राष्ट्रीय दल	आदमी व पाल युक्तनौका	
10	निपु सिंह	राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी	हेलमेट	
11	राजेन्द्र प्रसाद साहु	सदान विकास पार्टी	डीजलपम्प	
12	विजय सिंह	सम्पूर्ण भारत क्रांति पार्टी	बैटरीटार्च	
13	विवेक त्रिपाठी	स्वतंत्र राष्ट्रवादी पार्टी	प्रैशरकुकर	
14	सुरेश टोप्पो	आंबेडकर राईट पार्टी ऑफ इंडिया	कोट	

क्र०	प्रत्याशी का नाम	सम्बद्ध दल	आवंटित प्रतीक	जॉंच हेतु आवंटित समय
1	नवीन जयसवाल	भारतीय जनतापार्टी	कमल	द्वितीय पाली (02:00 बजे अपराह्न से 05:00 बजे अपराह्न तक)
2	सोमा सिंह	जय महाभारत पार्टी	बल्लेबाज	
3	हजारी प्रसाद साहु	लोकहित अधिकार पार्टी	सेब	
4	अभिषेक कुमार श्रीवास्तव	निर्दलीय	कलम की निबसात किरणों के साथ	
5	अलबिन लकड़ा	निर्दलीय	कटहल	
6	ओमशंकर गुप्ता	निर्दलीय	भालाफेंक	
7	ऐनुल अंसारी	निर्दलीय	ट्रक	
8	गौरव प्रियदर्शी	निर्दलीय	बल्ला	
9	दिवाकर प्रसाद साहू	निर्दलीय	कम्प्यूटर	
10	नगमा रानी	निर्दलीय	एअरकंडीस्नर	
11	बिशु तिर्की	निर्दलीय	गन्नाकिसान	
12	भरत कांशी	निर्दलीय	बक्सा	
13	यादराम साहु	निर्दलीय	गुब्बारा	

65–कॉंके विधान सभा क्षेत्र

क्र०	प्रत्याशी का नाम	सम्बद्ध दल	आवंटितप्रतीक	जॉंच हेतु आवंटित समय
1	सुरेश कुमार बैठा	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	हाथ	प्रथम पाली (10:00 बजे पूर्वाह्न से 01:30 बजे अपराह्न तक)
2	अजीतकु रवि	राइटटु रिकॉल पार्टी	प्रेशर कुकर	
3	अनिल कुमार पासवान	झारखण्डपार्टी	फलोंसे युक्त टोकरी	
4	फुलेश्वर बैठा	झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा	कैंची	
5	मधुसुदन कुमार	आजाद समाज पार्टी (कांशी राम)	केतली	
6	मधुसुदन कुमार	लोक हित अधिकार पार्टी	सेब	
7	राजन नायक	पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)	ब्लैकबोर्ड	

क्र०	प्रत्याशी का नाम	सम्बद्ध दल	आवंटित प्रतीक	जॉंच हेतु आवंटित समय
1	डॉ0 जीतू चरण राम	भारतीय जनतापार्टी	कमल	द्वितीय पाली (02:00 बजे अपराह्न से 05:00 बजे अपराह्न तक)
2	संतोष कुमार रजक	कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया	बालऔरहँसिया	
3	सुरेन्द्र मिर्धा उर्फ सुरेन कुमार का लिन्दी	समाजवादी पार्टी	साइकिल	
4	अशोक कुमार नाग	निर्दलीय	आरी	
5	दीपशिखा कुमारी	निर्दलीय	हेलमेट	
6	सीम राय	निर्दलीय	बॉंसुरी	

01:30 बजे अपराह्न से 02:00 बजे पूर्वाह्न तक मध्याह्न विश्रांतिकाल।

सभी प्रत्याशियों से अनुरोध होगा कि स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिकर्त्ता के माध्यम् सेनिर्वाचन व्यय लेखापंजी जॉंच हेतु निर्धारित तिथियों में उपरोक्त आवंटित/निर्धारित समय के अनुसार निर्वाचन व्यय लेखापंजी की जॉंच हेतु व्यय लेखाजॉंचदल के समक्ष उपस्थित होने की कष्ट करेंगे।

नोडल पदाधिकारी,
व्यय अनुश्रवण प्रबंधन कोषांग,
–सह–उपविकास आयुक्त, रॉंची।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, रॉंची।

PR.NO.339979 Ranchi(24-25):D

राजेश कच्छप के पक्ष में मतदान करने को लेकर रिया तिर्की ने चलाया जनसंपर्क अभियान

अनगड़ा/खिजरी : विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अनगड़ा प्रखण्ड के पंचायत बोंगईबेड़ा बानपूर गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है महागठबंधन प्रत्यासी राजेश कच्छप के पक्ष में वोट करने के लिए रिया तिर्की लगातार जनसंपर्क चला रही है और अपार जनसमर्थन मिल रहा कार्य क्रम में कांग्रेस पार्टी के प्रखंड से लेकर पंचायत प्रतिनिधि सामिल थे।

विधानसभा क्षेत्र नामकोम में आज हेमन्त सोरेन करेंगे जनसभा

अनगड़ा : खिजरी विधानसभा क्षेत्र नामकोम में आज समय 4 :00 बजे अपराह्न को राज्य के उजार्वान मुख्यमंत्री आदरणीय हेमन्त सोरेन जी खिजरी विधानसभा क्षेत्र के गठबंधन समर्पित कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी सह वर्तमान विधायक राजेश कच्छप के समर्थन में नामकुम प्रखण्ड के लालखटंगा भूसूर फुटबॉल मैदान में हेलीकॉप्टर से आकर चुनावी सभा को सम्बोधित करेंगे।

निर्दलीय प्रत्याशियों ने बदल दिए चुनावी समीकरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : विधानसभा चुनाव में इस बार निर्दलीय प्रत्याशियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। पिछले कुछ दिनों से चाय की दुकान से लेकर पान की गुमटियों तक सिर्फ निर्दलीय प्रत्याशियों को लेकर चर्चा हो रही है। भाजपा से बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे मिशिर कुजुर सहित विनय भूषण टोप्पो, बोनिफास कुजुर, निशा भगत, रोज मधु तिर्की,समेत कई निर्दलीय प्रत्याशियों का नाम चर्चा में है। लोगों का कहना है कि इस बार का चुनावी समीकरण समझना मुश्किल हो गया है। निर्दलीय प्रत्याशियों की बढ़ती लोकप्रियता से बीजेपी के सुदर्शन भगत और झामुमो के भूषण तिर्की की जीत की राह मुश्किल हो गई है। सभी प्रत्याशी जनसंपर्क अभियान में जुड़े हुए हैं और सोशल मीडिया का भी उपयोग कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार आजकल सोशल मीडिया चुनाव प्रचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। प्रत्याशी अपने मेनिफेस्टो और विजन को सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचा रहे हैं। गुमला विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशियों की बढ़ती ताकत से चुनावी समीकरण बदल गए हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा प्रत्याशी जीत हासिल करेगा। राजनीतिक जानकारों के लिए भी इस बार के चुनाव का विश्लेषण करना चुनौतीपूर्ण है। निर्दलीय प्रत्याशियों की बढ़ती ताकत और मतदाताओं की अनिश्चितता के कारण सटीक अनुमान लगाना मुश्किल हो गया है। चुनावी मैदान में उतरे निर्दलीय प्रत्याशियों ने लोगों को अपने वोट के लिए आकर्षित करने के लिए कई वादे किए हैं। लोगों का कहना है कि इस बार वे अपने वोट का उपयोग समझदारी से करेंगे। गुमला विधानसभा चुनाव के नतीजे सभी को उत्सुकता से इंतजार है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन सा प्रत्याशी जीत हासिल करेगा और कौन सा दल सरकार बनाएगा।

चुनाव को लेकर आजसू पार्टी की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली/मुरी: आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार के दिन आम बागान में पंचायत प्रभारियों, ग्राम प्रभारी, चूल्हा प्रमुख एवं बूथ प्रभारियों के बीच बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता हर गांव में बुथ को मजबूत करने कार्य करें तभी हमलोग चुनाव में विजय हासिल कर पायेंगे। आजसू पार्टी ने हमेशा साकारात्मक सोच के साथ सिल्ली विधानसभा में काम किया है। हम लोगों की सरकार बनते ही पूरे राज्य में जनता राज स्थापित करने का कार्य भी किया जाएगा। कार्यकर्ता घर घर जाकर किए गए विकास कार्यों के बारे में जनता को बताएं एवं उनके साथ समन्वय स्थापित करने का काम करें। सभा का संचालन प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक ने किया। आजसू नेता रामानंद बेदिया के नेतृत्व में झामुमो कार्यकताओं ने आजसू पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर झामुमो छोड़ आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष बिना चौधरी, केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह, केंद्रीय सचिव सुनील सिंह, संजय सिद्धार्थ, सुशील महतो, गौतम कृष्ण साहू, चितरंजन महतो सोनाहातू जिप सदस्य मंजू सिंह, सिल्ली उप प्रमुख आरती देवी, प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र करमाली, रंग बहादुर महतो, रमेश मुंडा, सोमारी देवी, नीरा महतो, भरत देव साई,शंकर मुंडा समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शांति और विकास के लिए विज्ञान के साथ अध्यात्म जुड़े

विश्व विज्ञान दिवस

ललित गर्ग

तेजी से बदलती दुनिया में कई महत्वपूर्ण कारणों से हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान महत्वपूर्ण है और समाज पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। विज्ञान दिवस उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की कड़ी मेहनत को मान्यता देता है जिन्होंने ज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में मदद की है। यह दिन वैज्ञानिकों, शिक्षकों और जनता के बीच टीमवर्क को बढ़ावा देता है ताकि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए विश्वास और समर्थन का निर्माण किया जा सके।

विश्व शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है। विश्व विज्ञान दिवस का प्रस्ताव पहली बार 1999 में हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व विज्ञान सम्मेलन के दौरान रखा गया था। यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में इस बात पर चर्चा की गई कि विज्ञान समाज पर किस प्रकार प्रभाव डालता है और समाज के लिये अधिक उपयोगी हो सकता है। इसी उद्देश्य से विज्ञान की अहमियत को सामने लाना और विज्ञान से जुड़े मुद्दों पर आम लोगों की बहस को बढ़ावा देकर इस दिन के जरिए, विज्ञान को समाज एवं व्यक्ति से और ज्यादा करीबी से जोड़ा गया है। यह दिन हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व और उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए युग की समस्याओं एवं चुनौतियों का समाधान करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कैसे विज्ञान जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और प्राकृतिक आपदाओं जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में मदद करता है। यह युवाओं को विज्ञान का पता लगाने और दुनिया कैसे काम करती है, इस बारे में जिज्ञासा विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। जागरूकता बढ़ाकर, विश्व विज्ञान दिवस लोगों को समाज पर वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के सकारात्मक प्रभाव की सराहना करने के लिए एक साथ लाता है। लेकिन अब इस दिवस के साथ अध्यात्म को भी जोड़ा जाना चाहिए।

तेजी से बदलती दुनिया में कई महत्वपूर्ण कारणों से हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान महत्वपूर्ण है और समाज पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। विज्ञान दिवस उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की कड़ी मेहनत को मान्यता देता है जिन्होंने ज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में मदद की है। यह दिन वैज्ञानिकों, शिक्षकों और जनता के बीच टीमवर्क को बढ़ावा देता है ताकि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए विश्वास और समर्थन का निर्माण किया जा सके। विज्ञान दिवस मनाकर, हमारा उद्देश्य सभी में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम-संबंध को प्रेरित करना है, जिससे एक अधिक आदर्श, संतुलित एवं शांतिपूर्ण समाज का निर्माण हो सके। वैज्ञानिक खोजें दुनिया भर में शांति और विकास में सहयोग करते हुए लोगों को नई वैज्ञानिक प्रगति के बारे में बताती है। गरीबी, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य चुनौतियों जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने के लिए विज्ञान के जिम्मेदाराना उपयोग को प्रोत्साहित भी करती है। वैज्ञानिक इस उल्लेखनीय नाजुक ग्रह एवं सृष्टि के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसे हम अपना घर कहते हैं और हमारे समाजों को अधिक टिकाऊ बनाने में भूमिका निभाते हैं।

शांतिपूर्ण और स्थायी समाज के लिए विज्ञान की भूमिका पर जन जागरूकता को मजबूत करते हुए यह दिवस विभिन्न देशों के बीच साझा विज्ञान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देता है। समाज के लाभ के लिए विज्ञान के उपयोग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना तथा विज्ञान के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करना और वैज्ञानिक प्रयास के लिए समर्थन जुटाना भी इस दिन का ध्येय है।. आज जबकि जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों और ग्रह के जीवन के लिए एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है, इसके लिये जलवायु परिवर्तन को सकारात्मक मोड़ देने के लिए विश्व समुदायों का निर्माण करने की अपेक्षा है। यह दिवस हमारे दैनिक जीवन पर विज्ञान के प्रभाव का प्रतीक है। यह हमें वैज्ञानिक प्रगति को आकर्षित करने और हमारे ग्रह के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की अधिक गहन समझ को प्रोत्साहित करने का आग्रह करता है। विज्ञान के जरिए वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद करना और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए युवाओं को प्रेरित करना भी इस दिवस का मकसद रहा है।

यूनेस्को द्वारा 2001 में इसकी घोषणा के बाद से, शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस ने दुनिया भर में विज्ञान के लिए कई ठोस परियोजनाएं, कार्यक्रम और वित्तपोषण उत्पन्न किया है। इस दिवस ने संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले वैज्ञानिकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद की है, इसका एक उदाहरण यूनेस्को द्वारा समर्थित इजरायल-फिलिस्तीनी विज्ञान संगठन का निर्माण है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2024-2033 की अवधि को सतत विकास के लिए विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में घोषित किया है। यह एक स्थायी भविष्य के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का दोहन करने के वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूनेस्को के नेतृत्व में, इस दशक का उद्देश्य बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान, सामाजिक और मानव विज्ञान, साथ ही अंतःविषय और उभरते क्षेत्रों सहित वैज्ञानिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को संगठित करना है, ताकि समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण में परिवर्तनकारी बदलाव में योगदान दिया जा सके। वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देने और सरकारों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करके, दशक सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने और सभी के लिए सुरक्षित, अधिक समृद्ध, शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा में काम करने में विज्ञान की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास करता है। निश्चित ही विज्ञान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार किया है, रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं, असंख्य लोगों की जान बचाई है, कई उद्योगों में अहम भूमिका निभाई है, ऊर्जा और पानी तक पहुंचने में मदद की है, बीमारियों को ठीक करने में मदद की है, चिकित्सा-क्रांति का माध्यम बनकर कर असाध्य बीमारियों को नियंत्रित किया है।

विकास, विज्ञान एवं उपलब्धियों पर सवार आज की दुनिया का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी गरीबी, अभाव, भूखमरी में घुटा-घुटा जीवन जीता है, जो परिस्थितियों के साथ संघर्ष नहीं, समझौता करवाता है। हर वक्त अपने आपको असुरक्षित-सा महसूस करता है। जिसमें आत्मविश्वास का अभाव अंधेरे में जीना सिखा देता है। विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी जटिल स्थितियों में विज्ञान दिवस ने सभी को भोजन देने में मदद की है, शांति एवं सह-जीवन के निर्माण में मदद की है।

विज्ञान दिवस को अधिक उपयोगी एवं प्रासंगिक बनाने की अपेक्षा है। अब तक विज्ञान अध्यात्म से अछूता रहा है, जिसके कारण विज्ञान के वास्तविक परिणाम सामने नहीं आ पाये हैं। जरूरत है अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वित प्रयत्नों की, आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्वों के निर्माण की। नये सत्यों को खोजने की। न्यूटन से कहा गया- ह्यआपने बहुत से नियम खोजे हैं ह्न उन्होंने बहुत मार्मिक उत्तर दिया- ह्यतुम लोग कुछ भी कहो। लेकिन मेरी स्थिति तो समुद्र के तट पर खड़े उस बालक जैसी है, जो समुद्र के किनारे पड़ी सीपियों को बटोर रहा है। किन्तु विशाल समुद्र के गर्भ में छिपे रत्न उससे बहुत दूर हैं। विज्ञान की स्थिति भी अध्यात्म के बिना लगभग ऐसी ही है। विज्ञान एवं वैज्ञानिक व्यक्तित्व तभी अधिक प्रासंगिक हो सकेंगे जब चेतना की खोज, मानव की खोज होगी। आज इसकी सर्वाधिक अपेक्षा है। मानव की खोज बहुत कम हुई है। वैज्ञानिकों ने जितने परीक्षण किये हैं, चूहों पर, मेढकों और बन्दरों पर किए हैं। सारे प्रयोग पशुओं पर हुए हैं। मनुष्य को उसने अपनी प्रयोग भूमि नहीं बनाया। मनुष्य को समझने का सबसे कम प्रयत्न हुआ है।

अब आवश्यकता है कि मानव का भलीभांति अध्ययन हो। मानवीय मस्तिष्क का अध्ययन उसमें प्रमुख बने। हमारी सारी शिक्षा, सभ्यता, संस्कृति, तकनीकी विकास, सारे जीवन-मूल्य-इनका अधिष्ठाता प्रतिष्ठाता तो मनुष्य का मस्तिष्क है, नाड़ीतंत्र है, ग्रंथितंत्र है। इन सबका अध्ययन तो नहीं किया जा रहा है, समझने का प्रयत्न नहीं किया जा रहा है, सारी रिसर्च पदार्थ पर हो रही है। यह मूल में भूल है। फिर समस्या का समाधान कैसे होगा? आवश्यक है मानव और मानवीय चेतना का अध्ययन। जिस दिन यह हमारी वृत्ति बनेगी उस दिन अध्यात्म और विज्ञान, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक व्यक्तित्व की युति बनेगी, दोनों का योग बनेगा, दोनों एक बनेंगे, तभी विश्व विज्ञान दिवस मनाना सार्थक होगा। आध्यात्मिक गुफा में मौन बैठा रहेगा और वैज्ञानिक अणुबम बनाता रहेगा तो उस अणुबम की अणुधूलि उस गुफा तक भी पहुंचेगी। इसलिए आज की अपेक्षा है कि हर विद्यार्थी वैज्ञानिक बने किन्तु कोरा वैज्ञानिक न बने, आध्यात्मिक वैज्ञानिक बने। आज हर धर्म संस्थान में जाने वाले व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल आध्यात्मिक न बने, उसका दृष्टिकोण वैज्ञानिक बने। इन दोनों का योग ही वर्तमान की सारी समस्याओं- जलवायु परिवर्तन, युद्ध, हिंसा, आतंक, गरीबी, महामारियों का समाधान है और वही विज्ञान दिवस का पहला प्रयत्न या पहला प्रस्थान अधिक उपयुक्त हो सकता है।

संपादकीय

भूलिए और आगे बढ़िए

जम्मू-कश्मीर की नवनिर्वाचित विधानसभा में विशेष दर्जा बहाल किए जाने से जुड़े प्रस्ताव को लेकर बृहस्पतिवार को जमकर हंगामा हुआ। सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस के प्रस्ताव के बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), पीपुल्स कांफ्रेंस और आगामी इतिहास पार्टी ने संयुक्त रूप से विधानसभा में एक नया प्रस्ताव पेश किया। तीनों पार्टियों द्वारा लाए गए संयुक्त प्रस्ताव में अनुच्छेद 370 और 35 ए को उसके मूल स्वरूप में पुनर्जीवित करने की मांग की गई है। इन तीनों दलों का कहना है कि नेशनल कांफ्रेंस का प्रस्ताव स्पष्ट है और इसमें अनेक विसंगतियां हैं। भाजपा के विधायकों ने प्रस्ताव का विरोध किया जिसके बाद आवामी इत्तिहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख के साथ उनकी हाथापाई हो गई। इस कठोर सच्चाई को जानते हुए कि संविधान के अनुच्छेद 370 अब इतिहास बन गया है, इसके पुनर्जीवित करने संबंधित प्रस्ताव का विधानसभा में पारित किया जाना कश्मीर की जनता के साथ छलावा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष राज्य के दर्जे को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले का अनुमोदन किए जाने के बाद वैधानिक रूप से इसका कोई अस्तित्व नहीं रहा। इस ठोस वास्तविकता को जानने-समझने के बावजूद कश्मीर के राजनीतिक दलों की नीतियां और राजनीतिक मजबूरी अनुच्छेद 370 को पुनर्जीवित करने संबंधी प्रस्ताव विधानसभा में पेश करने के लिए बाध्य करते हैं। जम्मू-कश्मीर में शांति और स्थिरता और राज्य का दर्जा वापस चाहिए तो नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी सहित अन्य दलों के नेताओं को अनुच्छेद 370 के मोह से निकल कर उसी तरह आगे बढ़ना चाहिए जैसे भारत देश के विभाजन को स्वीकार करके और पाकिस्तान को एक ठोस वास्तविकता मानकर आगे बढ़ गया है। अगर वह इसको स्वीकार नहीं करते और राज्य की जनता में आक्रोश और उद्वेलन को बनाए रखते हैं तो इससे भारतीय राज्य को भले ही थोड़ी बहुत शांति हो, लेकिन कश्मीर और कश्मीर की जनता का भला कभी नहीं हो सकता। कश्मीर शांत और आतंक के जिस दौर से बाहर आ गया उस दौर की बातचीत किसी भी सूरत में नहीं होनी चाहिए। राज्य में सक्रिय सभी राजनीतिक दलों की पहली प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि वहां शांति और सहयोग के वातावरण को बनाए रखना। यह दौर अपनी जिदों को छोड़कर जमीनी सच्चाई को नजदीक से परखने और उसके अनुसार निर्णय लेने का है। उम्मीद की जानी चाहिए कि कश्मीर के नेतागण भविष्य में अपने प्रदेश का कोई नुकसान नहीं होने देंगे।

चिंतन-मनन

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया। किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है। सत्य के आधार पर असत्य और अहिंसा के आधार पर हिंसा चल रही है। सारे हिंसक बन जाएं, तो हिंसा अधिक नहीं चल सकती।

हम गहराई से चिन्तन करें कि सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त आवश्यक है निष्ठा, पराविद्या की निष्ठा। भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बना रहे। हम परम को भी देखें, अपरम को भी देखें। सत्यनिष्ठा रचनात्मक दृष्टिकोण की उपलब्धि ही तो है।

अनुच्छेद 370 पर आमने-सामने कांग्रेस और भाजपा

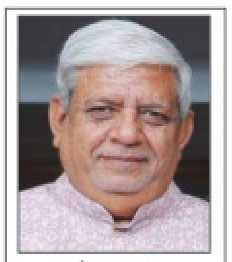

राकेश अचल

भारतीय राजनीति में जड़ता टूटने का नाम ही नहीं ले रही । सभी प्रमुख दलों का सुर एक जैसा है ,यानि मेरा टेसू यहीं अड़ा । बात महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा चुनावों की नहीं बल्कि उस जम्मू-कश्मीर विधानसभा की है जिसमें संविधान के अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए रखे गए प्रस्ताव पर मुंहवाद ही नहीं हुआ बल्कि लात-घूंसे भी चले। जम्मू-काश्मीर से मीलों दूर महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम ने समवेत स्वर में कहा कि -मोदी के रहते इस प्रावधान की वापसी कभी नहीं होगी। हालांकि महाराष्ट्र और झारखण्ड के विधानसभा चुनावों का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं है

अनुच्छेद 370 को हटाने कि पैरवी करते हुए प्रधानमंत्री जी और उनका कटक [फौज] एक ही तर्क दे रहा है कि जम्मू-काश्मीर में बाबा साहब अम्बेडकर का संविधान लागू है और वो ही रहेगा। अब सवाल ये है कि क्या संविधान का अनुच्छेद 370 का प्रावधान अमेरिका के संविधान से लिया गया था ? ये प्रावधान सौ फीसदी उसी संविधान का हिस्सा था जो बाबा साहब अम्बेडकर कि अगुवाई में रचा गया था। हमारा संविधान लचीला है ,उसे देश-काल के हिसाब से बदला जाता रहा है। कांग्रेस के समय भी और भाजपा के समय भी ,इसलिए कोई ये दम्भ और दावा कैसे कर सकता है कि जम्मू-काश्मीर को दोबारा अनुच्छेद 370 का संरक्षण नहीं मिल पायेगा।

आज का जम्मू -काश्मीर ,कल के जम्मू काश्मीर से एकदम अलग है । आज के कश्मीर के पास राज्य का वैभव नहीं है । ये वैभव उसे आजादी के बाद बाबा साहब के संविधान से ही हासिल हुआ था। आज वो खंड-खंड हो चुका है । केंद्र के अधीन क्षेत्र भर है आज का जम्मू-काश्मीर। उसे उसका राज्य का दर्जा भी वापस चाहिए और संविधान के अनुच्छेद 370 का संरक्षण भी। अब ये कब और कैसे होगा ? होगा भी या नहीं होगा ? ये कहना कठिन है। भाजपा ने जम्मू-काश्मीर विधानसभा में और देश के दुसरे हिस्सों में जिस तरह से अनुच्छेद 370 को लेकर प्रतिक्रिया दी है उसे देखकर ये तो तय है कि जम्मू-काश्मीर की जनता के साथ केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा कि सरकार ने वादा खिलाफी की है। जम्मू-काश्मीर के लोगों को इस सरकार के रहते न राज्य का वैभव वापस मिलेगा और न अनुच्छेद 370 का छाता। संविधान के अनुच्छेद 370 को लेकर माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी और उनके हनुमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोलें तो समझ में भी आता है, लेकिन जब बाबा योगी आदित्यनाथ बोलते हैं तो हंसी आती है। वे आजकल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा का नया माउथपीस बने हुए है। वे बटोगे तो कटोगे का नारा देने के बाद अब कहते फिर रहे हैं कि देश में अब कांग्रेस का हाल भी संविधान के अनुच्छेद 370 जैसा होगा,यानि कांग्रेस भविष्य में कभी केंद्र कि सत्ता में नहीं लौटेगी। योगी बाबा के नारे को लेकर भाजपा गठबंधन में फूटे विरोध के स्वर देखते ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस नारे को नया मुखौटा लगाने की चतुराई दिखाई है । उनका नया नारा है कि - एक रहोगे तो सेफ रहोगे ये हिंदी और अंग्रेजी का खिचड़ी नारा है । इस नारे से न मराठी मानुष प्रभावित होने वाला है और न झारखण्ड का आदिवासी समाज।

एक सामान्य पत्रकार होने के नाते मै माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी कि बाडी लेंग्वेज देखकर ये बात दावे के साथ कह सकता हूँ कि दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बाद भी माननीय मोदी जी के स्वभाव में कोई तब्दीली नहीं आयी है । वे नारा अवश्य सबका साथ ,सबका विकास का लगा रहे हैं लेकिन हकीकत ये है कि वे इस देश के अल्पसंख्यकों को न एक रहने देंगे और न सेफ । उन्हें बहुसंख्यक हिन्दुओं को एक रखने और सेफ रखने की सनक सवार है। ये सनक भी है और इसे ुका दृढ संकल्प भी कहा जा सकता है। आरएसएस का एजेंडा भी कहा जा सकता है। इसे आप जो चाहे सो कह सकते हैं। सम्भवतःवे राजनीति में अवतरित ही इसी के लिए हुए हैं

मुझे अनुच्छेद 370 वापस लाने में कोई दिलचस्पी नहीं है । मेरी चिंता जम्मू-काश्मीर कि जनता के साथ हो रहे दुराव को लेकर है । इस समय देश में लोकतंत्र के जितने भी स्तम्भ हैं उनमें से अधिकांश माननीय मोदी जी के सुर में सुर मिला रहे हैं या उनके प्रत्यक्ष और परोक्ष इशारों पर नर्तन कर रहे हैं। किसी एक विश्व विद्यालय के अलप संख्यक या बहुसंख्यक दर्जे का सवाल नहीं है, सवाल ये है कि आने वाले दिनों में क्या अल्पसंख्यकों को इतना दबाया जाएगा कि वे या तो बहुसंख्यक समाज के दास बन जाएँ या फिर देश छोड़कर भाग जाएँ,लेकिन ये दोनों ही सपने पूरे होने वाले नहीं है । अगर आप कान लगाकर सुनें तो आपको मोदी जी के सुर में वही तारत्व सुनाई देगा जो इजराइल के प्रधान नेतन याहू के या रूस के राष्ट्रपति पुतिन के या अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सुरों में शामिल है। एक अलग तरह का राष्ट्रवाद दुनिया के तमाम देशों में ठाठें मार रहा है। ऐसा दुनिया में पहले भी हुआ है ,आज भी हो रहा है और शायद कल भी होगा ,लेकिन इस राष्ट्रवाद की उम्र बहुत छोटी होती है। दुनिया में वही राष्ट्रवाद कामयाब है जहां सचमुच सभी जातियों ,धर्मों और वर्णों के लोग मिलजुल कर रहते हैं। भारत जिस बीमारी से 1947 में बचकर निकल गया था आज वही बीमारी तेजी से फैल रही है। बांटने और काटने की बात आजादी के पहले सुनाई दी थी और आज आजादी के 77 साल बाद एक बार फिर से सुनाई दे रही है। इस देश कि किस्मत में क्या लिखा है ये कहना बहुत कठिन है । उस देश ने बहुत से बुरे दिन देखे है। 1947 से पहले भी और 2014 के बाद भी। जबकि 2014 में नारा अच्छे दिन आएंगे का दिया गया था। नारा केवल नारा ही साबित हुआ। नारा अमल में नहीं आ पाया। इसके लिए देश कि जनता जिम्मेदार है या नेता ये कोई अदालत तय नहीं कर सकती । हमारे पास तो अदालतें आजकल आधे-अधूरे फैसले देने के लिए लोकप्रिय है, फैसले टालने के लिए चर्चित है। नेताओं के साथ आरतियां उतरने के लिए सुर्खियों में है। अब जो होगा सो 23 नबंवर के बाद देखा जाएगा ,जब विधानसभा चुनावों /उप चुनावों के परिणाम सामने आएंगे । देखा जाएगा 25 नबम्बर को जब देश के संसद एक बार फिर बैठेगी।

अनुच्छेद 370 को लेकर दोबारा से शुरू हुई यलगार थमने वाली नहीं है। थम भी नहीं सकती,क्योंकि दोनों ही पक्ष झुकने को राजी नहीं है। याद रहे की अनुच्छेद 370 व्यवहार में तो हटाया जा चुका है किन्तु जम्मू-कश्मीर की जनता के दिलों से इसे हटाना आसान काम नहीं है। यदि होता तो विधानसभा चुनाव के बाद्घाटी में नेशनल कांफ्रेंस या इंडया गठबंधन की नहीं भाजपा गठबंधन एनडीए की सरकार होती। खंडित सूबे की जनता ने महाप्रभु मोदी का सपना खंडित कर एक और अपराध कर दिया है।

चुनाव आयोग : फैसलों में दिखाई दे निष्पक्ष

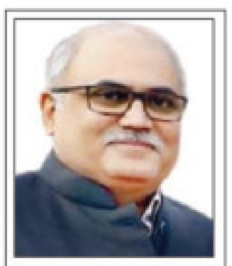

रजनीश कपूर

वर्ष 2024 के लोक सभा चुनाव के बाद होने वाले कई विधानसभा के चुनावों में भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका पर कई सवाल उठे हैं परंतु आयोग ने अपने फैसलों को बदलना तो दूर अपनी प्रतिक्रिया भी नहीं दी। विवादों में घिरी 'ईवीएम' हो या चुनावों के बाद पड़ने वाले मतों की संख्या, चुनाव आयोग हमेशा ही चर्चा में रहा। परंतु हाल में आयोग ने आने वाले विधानसभा के चुनावों में कुछ ऐसे निर्णय लिए जिन्हें कड़ी निंदा का सामना करना पड़ा। ऐसे में यह भी देखना जरूरी है कि चुनाव आयोग, जिसकी कार्यशैली पर सवाल उठे, इन चुनाव के चलते लिए गए विवादित निर्णयों को कैसे सार्थक करेगा?

आम चुनाव हो या विधानसभा के चुनाव, मतदाता इन्हें हमेशा से ही पर्व की तरह मानता है। हर राजनैतिक दल वोटरों के सामने अगले पांच साल के लिए उनके मत की अपेक्षा में बड़े-बड़े वादे देकर लुभाने की कोशिश करते हैं। परंतु जनता भी जान चुकी है कि दल चाहे कोई भी हो, राजनैतिक वादे सभी दल ऐसे करते हैं मानो जनता उनके लिए पूजनीय है और ये नेता उनके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। परंतु क्या वास्तव में ऐसा होता है कि चुनावी वादे पूरे किए जाते हों? क्यों नेताओं को चुनावों के समय ही जनता की याद आती है? खैर, यह तो रही नेताओं की बात। आज जिस मुद्दे पर पाठकों का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है वो है चुनावों में पारदर्शिता। इन वादों को लेकर भी कई राजनैतिक दल अपने नेताओं को चेता रहे हैं कि वही वादे करें जो पूरे किए जा सकते हैं। सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न बने। चुनावों का आयोजन करने वाली सर्वोच्च सांविधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग चुनावों को कितनी पारदर्शिता से कराता है, इसकी बात बीते महीनों से सभी कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौका दिया जाए और निर्णय जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए। बीते कुछ महीनों में चुनाव आयोग के साथ पहले ईवीएम को लेकर और फिर वीवीपैट को लेकर काफी विवाद रहा। हर विपक्षी दल ने एक सुर में कहा कि ईवीएम हटा कर बैलट पेपर पर ही चुनाव कराया जाए परंतु शीर्ष अदालत ने आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने की बात कहते हुए ईवीएम को जारी रखा। ताजा मामला चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित तारीखों को बदलने को लेकर हुआ। आयोग ने यूपी, पंजाब और केरल की विधानसभा सीटों के उपचुनाव के लिए तारीखों को बदलने का निर्णय लिया। गौरतलब है कि तारीख बदलने का काम पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि एक ही साल में तीन बार ऐसा निर्णय लिया गया। एक बार मतगणना की तारीख बदली गई तो दो बार मतदान की तारीख। तारीख बदलने से मतदान और परिणामों पर क्या असर पड़ेगा, यह तो अलग विषय है परंतु चुनाव की तारीख घोषित करने के बाद उसे बदलना तो कई तरह के सवाल उठाता है। भारत निर्वाचन आयोग बहुत बड़ी संस्था है जिसका एकमात्र लक्ष्य देश में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराना है। जब भी चुनावों की तारीखें घोषित की जाती हैं, तो उसके पीछे एक कड़ा अभ्यास होता है। जैसे कि चुनाव की तारीख पर स्कूल के इम्तिहान न हों। यदि ऐसा होता है तो मतदान के लिए स्कूल उपलब्ध नहीं हो सकते। न ही इन तारीखों पर चुनाव ड्यूटी के लिए अध्यापक और अन्य स्कूली स्टाफ उपलब्ध हो सकता। जिन तारीखों पर चुनाव होने हैं, उन दिनों में कोई त्योहार या पर्व न आते हों। ऐसा होने से भी मतदान की प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। चुनाव की तारीखों को तय करने से पहले ऐसे कई पहलू होते हैं, जिनका संज्ञान लिया जाता है। यदि चुनाव आयोग एक बार मतदान की तारीखों की घोषणा कर देता है तो उसमें बदलाव की गुंजाइश अप्रिय घटनाओं के चलते ही हो सकती है। यदि फिर भी चुनाव आयोग घोषणा के बाद तारीखों में बदलाव करता है, तो इसका मतलब हुआ कि चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा से पहले इन सब बातों पर समग्रता से विचार नहीं किया अथवा राज्यों के निर्वाचन अधिकारी केंद्रीय चुनाव आयोग को क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की सही जानकारी नहीं दे सके। यदि त्योहारों की बात करें तो कोई भी ऐसा पर्व नहीं है, जिसकी तिथि पहले से तय नहीं होती। तो क्या चुनाव आयोग सभी धर्मों के धार्मिक और सांस्कृतिक कैलेंडर का संज्ञान नहीं लेता? क्या पर्वों की महत्ता का आकलन आयोग अपने मन से करता है? यह तथ्य है कि चुनाव आयोग चुनाव घोषित करने से पहले हर राजनैतिक दल से चर्चा अवश्य करता है। क्या उस चर्चा में ये विषय नहीं उठाए जाते? यदि किसी राजनैतिक दल ने चुनाव की तारीखों को लेकर आपत्ति जताई तो उस पर आयोग ने देर से निर्णय क्यों लिया? जिस तरह केंद्रीय चुनाव आयोग इवीएम और वीवीपैट को लेकर पहले से ही विवादों में घिरा हुआ है, उसे चुनावों में पारदर्शिता का न केवल दावा करना चाहिए, बल्कि पारदर्शी दिखाई भी देना चाहिए। इसलिए चुनाव आयोग को सवालों को गंभीरता से लेना चाहिए और खुद को संदेह से दूर रखने का प्रयास करना चाहिए। एक स्वस्थ लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव और चुनावी प्रक्रिया का होना ही समय की मांग है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

झारखंड में घुसपैठियों को संरक्षण दे रहा झामुमो : हिमंता बिस्वा सरमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : झारखंड राज्य में झामुमो घुसपैठियों को संरक्षण दे रहा है। यह बात असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कही। वे शनिवार को चक्रधरपुर के रेलवे हाई स्कूल मैदान में भाजपा की ओर से आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार को घुसपैठियों का वोट चाहिए, इसलिए उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है।

इस बार का वोट झारखंड को बचाने के लिए करें : हिमंता

उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट कहता है कि झारखंड में घुसपैठिए हैं, लोग बोलते हैं कि घुसपैठ है, लेकिन राज्य की सरकार कहती है कि झारखंड में घुसपैठिए नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से घुसपैठिए झारखंड में अपनी पैठ बना रहे हैं, इससे वह दिन दूर नहीं है जब रांची का नाम भी कराची न हो जाए। उन्होंने कहा कि इस बार का वोट झारखंड को बचाने के लिए लोग करें। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने चुनाव में चक्रधरपुर से भाजपा प्रत्याशी शशिभूषण सामड की जीत

कमलदेव गिरि हत्याकांड की जांच का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर चुन-चुनकर घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा. अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो कमलदेव गिरि हत्याकांड की जांच करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि घुसपैठी झारखंड में घुसकर यहां की बेटियों से विवाह करते हैं, अगर हमारी सरकार बनी तो ऐसे घुसपैठियों के बच्चों को आदिवासी सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा।

यह थे उपस्थित

इस मौके पर भाजपा प्रत्याशी सह पूर्व विधायक शशिभूषण सामड ने भी विधानसभा चुनाव में जीत दिलाने का आह्वान किया। मंच पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, चक्रधरपुर विधानसभा प्रवासी प्रभारी कृष्णकांत तिवारी, विधानसभा प्रभारी मनोज सिंह, जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, भाजपा जिलामंत्री सुरेश साव, नगर अध्यक्ष बिनोद शर्मा, रुपेश साव, दीपक सिंह, संजय मिश्रा, अनुप साव, संदीप साव समेत भाजपा के अन्य नेता, कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद थे।

एक नजर

निर्दलीय प्रत्याशी सुनील यादव ने चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन

साहिबगंज : राजमहल विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी सुनील यादव के द्वारा राजमहल के नया बाजार मिडिल स्कूल के पास चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया गया। निर्दलीय प्रत्याशी सुनील यादव ने कहा कि इस बार जनता का आशीर्वाद उनके साथ है। उन्होंने बताया कि वे गरीबों की आवाज बनकर, दुख दूर करने के लिए जनता के बीच आए हैं। ज्ञात हो कि निर्दलीय प्रत्याशी सुनील यादव साहिबगंज जिला परिषद से लगातार दो बार के उपाध्यक्ष पद पर चुने गए हैं। वहीं क्षेत्र में चर्चा है कि इस बार जनता बदलाव के मूड में नजर आ रही है। सुनील यादव लगातार लोगों से जुड़ने का काम जनसंपर्क अभियान के तहत कर रहे हैं। मौके पर हिंदू रक्षा मंच के संत कुमार घोष, गुड्डू यादव, राहुल यादव और सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अलकतरा से भरा ट्रक जिलेबिया घाटी में पलटा, हुआ क्षतिग्रस्त

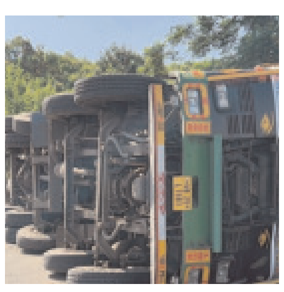

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत जिलेबिया घाटी हनुमान मंदिर के पास अलकतरा से भरा हुआ भारी वाहन पलटी मारने से क्षतिग्रस्त हो गया। वही जानकारी के अनुसार जिलेबिया घाटी में अलकतरा से भरा हुआ भारी वाहन बंगाल से अलकतरा लेकर किसी सड़क कंपनी के पास ले जा रहा था। वही जाने के क्रम में सामने से अचानक टेंपो आ गया, जिसे बचाने के दरमियान ब्रेक लगाने के कारण वाहन असंतुलित होकर पलटी मार गया और क्षतिग्रस्त हो गया। वही मौके पर से वाहन चालक एवं खलासी फरार हो गए। वही अभी तक ना ही वाहन चालक और ना ही खलासी का नाम मालूम हो पाया है और ट्रक भागलपुर के किसी व्यक्ति का है। वहीं पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मंडल मुर्मू को मिला केंद्र से सीआरपीएफ की सुरक्षा

साहिबगंज/बरहेट : सिद्धू- कान्हु के छठे वंशज मंडल मुर्मू को लेकर फिलहाल राजनीति क्षेत्र गरमा गई है। चुकी मंडल मुर्मू पहले सीएम हेमंत सोरेन के प्रस्तावक बने थे, फिर अचानक झामुमो का पार्टी त्याग कर देवघर जाकर भाजपा का दामन थामा लिया। वहीं दामन थामने के पश्चात व्हाट्सएप ग्रुप में मंडल मुर्मू के सिर काटने के नाम पर 50 लाख का इनाम का मेसेज वायरल हुआ। हालांकि तत्काल मेसेज भेजने वाले आरोपी को एसपी दुमका ने गिरफ्तार करवा लिया है और आगे की छानबीन के लिए प्रशासन जुटी हुई है। इस प्रकार विगत कई दिनों से मंडल मुर्मू सुर्खियों में है। अभी मंडल मुर्मू के सुरक्षा के लिए एक्स कैटेगरी के वीआईपी सुरक्षा बल 3 यूनिट सीआरपीएफ के जवान एवं जिला प्रशासन की और से एक यूनिट झारखंड पुलिस अंगरक्षक के रूप में मुहैया कराया गया है। वहीं उक्त सुरक्षा जवानों के निगरानी के साथ मंडल मुर्मू भाजपा के प्रचार प्रसार के लिए क्षेत्र दौरा कर रहे हैं।

निसात आलम ने चुनाव को लेकर किया जनसंपर्क, जनता का मिल रहा समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड अंतर्गत विजयपुर, सिंहली डंगा, श्याम नगर, भौराबांध, बड़ा सोनाकर, जीवनपुर संथाली टोला, जीवनपुर घोष टोला, रहीमटाड, काली मंदिर, सत्संग मंदिर रोड, कोटालपोखर, गांधी मोहल्ला, रेल फाटक, गनी चौक, शांति मोड़ ग्राम का दौरा कर कांग्रेस प्रत्याशी निशात आलम ने चलाया चुनावी जनसंपर्क अभियान। कांग्रेस प्रत्याशी निशात आलम ने 20 नवंबर को ईवीम क्रमांक 2 के बटन हाथ छाप पर वोट कर के भारी मतों से विजय दिलाने की जनता से की अपील। निशात आलम ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए गठबंधन सरकार के द्वारा किए गए उपलब्धियां के बारे में भी चर्चा की। कहा की गठबंधन सरकार गरीब गुरबा की सरकार है और ये जनता की हित में काम करती है इसलिए सरकार ने जनता के हित में महिलाओं को दिए गए सम्मान के बारे में भी चर्चा किये। 50 वर्ष की महिलाओं को पेंशन का लाभ मईया सामान्य योजना 18 से 49 वर्ष की प्रत्येक महिलाओं को प्रत्येक माह मईया सम्मान योजना के तहत एक हजार के सम्मान राशि दिया जा रहा है जो पुनः गठबंधन सरकार आने पर एक हजार रुपए से बढ़ा कर 2500 रुपए किया जाएगा। साथ ही 200 यूनिट बिजली फ्री, बिजली बिल माफी योजना, 2 लाख रुपए किसानों का ऋण माफ, अबुवा आवास योजना, राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों को गठबंधन सरकार के द्वारा पूरे झारखंड में दिया गया है।

तीर कमान में बटन दबाना है हेमंत सोरेन को लाना है : कल्पना सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के पटमदा प्रखंड के गोबरघूसी मैदान में इंडिया गठबंधन के प्रत्यासी मंगल कालिंदी के पक्ष में स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने जनता से तीर कमान छाप पर वोट देने की अपील किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन की हमारी पांच साल की सरकार ने दो साल कोविड में जान माल की रक्षा करने में बीत की। डबल इंजन की सरकार में योजनाओ में लंबी कतार होती थी, लेकिन ये आपकी अपनी सरकार में सर्वजन पेंशन योजना, पच्चीस लाख परिवार को अबूआ छत मिला। केंद्र सरकार ने पिछड़े वर्ग की आरक्षण को घटाया ये अपने पार्टी के साथ खड़े होते जनता के साथ नहीं, ये बाटने और बहकाने के काम करते हैं। हमारी सरकार ने सावित्री बाई फुले योजना से जोड़ा, सीएम स्कूल ऑफ स्कूलेंस से जोड़ा, भविष्य उज्ज्वल किया, झारखंडी जनता की संस्कृति, सभ्यता, भाषा को बढ़ावा दिया। झारखंड में अबुआ सरकार ही विकास करेगी।भाजपा के 20 साल में भूख से जनता की मौत हुई। हेमंत सोरेन ने जनता के एक लाख छत्तीस हजार की जनता की बकाया राशि केंद्र से मांग किया। लेकिन नही मिला। झारखंड का बकाया पैसा रॉयल्टी के नाम पर केंद्र सरकार दबा कर बैठी है। हेमंत ने हिम्मत दिखाया। मंगल भैया लोगो के जरूरत को समझते हैं। हमारी सरकार ने बिजली बिल माफ किया। दो दो लाख ऋण माफी किया। बिटिया माता बहनों के लिए कल्याणकारी योजना मैया सम्मान योजना की राशि बढ़ाकर ढाई हजार करने का घोषणा किया। प्रत्यासी मंगल कालिंदी ने कहा कि 17 साल में भाजपा और आजसू ने जो नही किया वो काम हेमंत सोरेन ने किया। मैने गरीब की सेवा किया। जुगसलाई की जनता मेरा परिवार है। विकास के लिए तीर कमान में बटन दबाना हैं।

जो पिछले 40 वर्षों में नहीं हुआ, वो अगले 5 वर्षों में होगा : बाबुधन मुर्मू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : भाजपा प्रत्याशी ने जनसम्पर्क अभियान के दौरान लोगों से किया वादा। शनिवार को लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के उम्मीदवार बाबुधन मुर्मू और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय मंत्री मिस्फीका हसन ने अन्य कार्यकताओं के साथ विभिन्न गावों में आम लोगो के साथ सघन जनसम्पर्क अभियान चलाया एनडीए के पक्ष में मतदान करने हेतु अपील किया। उन्होंने बीचामहल पंचायत के झानागड़िया ग्राम से इस अभियान की शुरूआत की और आगे बढ़ते हुए ग्राम तिकोलडिह, बड़ा टोला, बड़ा सहरसा आदिवासी टोला, मियां टोला, और फूलपहाड़ी पंचायत के ग्राम जितपुर का दौरा किया। इस दौरान आमजनों को संबोधित करते हुए श्री मुर्मू ने कहा कि पिछले 40 वर्षों से भी अधिक समय से आप सभी एक ही पार्टी को अपना कीमती वोट देते आए हैं परंतु इसके बदले में हमें कुछ नहीं मिला। यहाँ से जीतकर कई जनप्रतिनिधि, विधायक, सांसद और मंत्री बनते रहे लेकिन कभी क्षेत्र के विकास पर ध्यान नहीं दिया। आगे उन्होंने दावा किया कि यहाँ के लोगों को आपस में बांटकर कई वर्षों से एक ही पार्टी चुनाव जीतती रही है। उनके अनुसार इस बार ऐसा कुछ नहीं होने वाला, इस बार समस्त जनता-जनार्दन परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय मंत्री मिस्फीका हसन ने कहा कि झारखंड में जब भाजपा की सरकार थी तब इस क्षेत्र को डिग्री कॉलेज मिल परंतु वर्तमान सरकार ने यहाँ के लिए कुछ भी नहीं किया। इस क्षेत्र के लोगों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, भाजपा सरकार में उन्हें ढेरों नौकरियों के अवसर मिलेंगे।

सामान्य पर्यवेक्षक ने अंतर जिला चेक पोस्ट एवं मतदान केंद्र का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंजः विधानसभा चुनाव के परिपेक्ष्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त 03- बरहेट विधानसभा चुनाव पर्यवेक्षक दिनेश यादव के द्वारा विधानसभा आम चुनाव-2024 निष्पक्ष, निर्भिक एवं शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से 03- बरहेट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अंतर जिला चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया। पर्यवेक्षक दिनेश यादव द्वारा वाहनों के आवागमन रोस्टर, चेक नाकों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के रिकॉर्डिंग को देखा एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आने जाने वाले वाहनों को गहनता पूर्वक जांच किया जाए। पर्यवेक्षक द्वारा 03-बरहेट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 49 उत्क्रमित मध्य विद्यालय टेशोबथान पूर्वी भाग, मतदान केंद्र संख्या 50 उत्क्रमित मध्य विद्यालय टेशोबथान, मतदान केंद्र संख्या 52, प्लस टू उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुंदरपहाड़ी, बूथ का निरीक्षण कर बूथों पर मूल भूत सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही 03-बरहेट विधानसभा चुनाव हेतु होम वोटिंग 09.11.2024, को प्रारंभ किया गया जिसका 03 - बरहेट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रखंड सुंदर पहाड़ी के मतदाताओं का पर्यवेक्षक के द्वारा जायजा लिया गया। मौके पर बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार यादव, एवं अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

जुगसलाई समेत कोल्हान में नौ जगहों पर आयकर विभाग की दबिश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : आयकर विभाग की रांची एवं जमशेदपुर मुख्यालय की टीम ने शनिवार को कोल्हान के जुगसलाई, गम्हरिया समेत नौ जगहों पर एक साथ आयकर का सर्वे शुरू किया। आयकर विभाग की इस बड़ी कार्रवाई को विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

खबरों के अनुसार आयकर विभाग की टीम को टैक्स की चोरी एवं गड़बड़ियां मिली है।

जुगसलाई में पुरानी बस्ती रोड में कारोबारी गोविंद पारीक के आवास पर सर्वे जुगसलाई में पुरानी बस्ती रोड में कारोबारी गोविंद पारीक के आवास पर टीम ने सुबह सुबह दबिश दी। घर के सदस्यों को बाहर जाने की मनाही है। गेट पर पुलिस तैनात है तथा कड़ा पहरा है। बताया जाता है कि गोविंद पारीक की अंजनिया इस्पात कंपनी है। जिसमें गणेश चौधरी पार्टनर है। गणेश चौधरी की पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से घनिष्ठता है। हालांकि चंपाई सोरेन के पार्टी बदलने के बाद भी गणेश चौधरी ने पार्टी नहीं बदली। बताया जाता है कि उसके सीएम हेमंत सोरेन से भी अच्छे सबंध हैं।

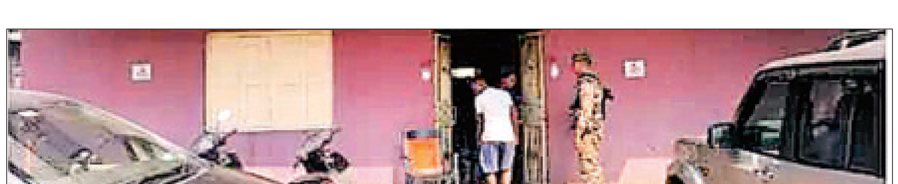

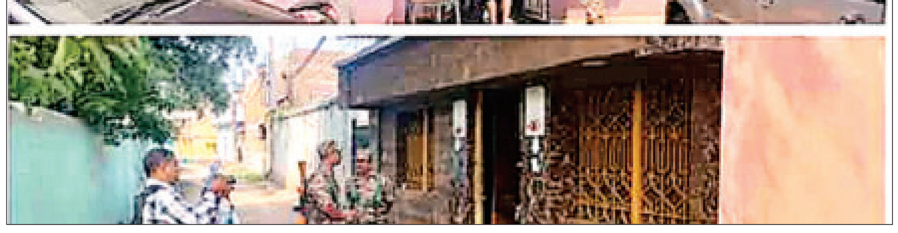

सर्किट हाउस एरिया स्थित आवास पर भी सर्वे

कोल्हान में जिन जगहों पर आयकर विभाग की टीम सर्वे कर रही है उनमें पारीक बंधुओं के सर्किट हाउस एरिया स्थित आवास भी शामिल है। अंजनिया इस्पात कंपनी पर अवैध रूप से जियाडा के जमीन पर कब्जा कर कंपनी स्थापित करने का मामला चल रहा है। मुख्यमंत्री के आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव पूर्व में गम्हरिया प्रखंड के जेई रह चुके हैं। सूत्रों की माने तो विभाग सुनील श्रीवास्तव, उनके परिवार के सदस्यों और उनसे जुड़े दर्जनभर लोगों के यहां जांच कर रही है।

चुनाव से जोड़कर देखी जा रही

आयकर विभाग की कार्रवाई

दूसरी ओर शनिवार को आयकर विभाग की टीम ने सीएम हेमंत सोरेन के आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव एवं मुख्यमंत्री से जुड़े लोगों के रांची के ठिकानों पर दबिश दी। विधानसभा चुनाव के दौरान आयकर विभाग की इस कार्रवाई को लोग चुनाव से जोड़कर देख रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

डीआरएम ने किया तिरुलडीह, लेटेमदा समेत अन्य स्टेशनों का निरीक्षण

ईचागढ़ : रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा ने शुक्रवार को चांडिल–मुरी रेलखंड पर स्थित गुंडा बिहार, झिमड़ी, बाकारकुड़ी, लेटेमदा और तिरुलडीह निरीक्षण किया। विशेष सैलून से पहुंचे डीआरएम ने स्टेशनों में चल रहे विकास कार्य के अलावा सिग्नल, सुरक्षा और अन्य जरूरी चीजों की जांच की और आवश्यक जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने रेलवे यार्ड समेत अन्य विभागों का निरीक्षण किया। डीआरएम के निरीक्षण के दौरान रेलवे के कई अधिकारी उनके साथ मौजूद थे। डीआरएम ने अधिकारियों को जरूरी दिशा–निर्देश दिए इस संबंध में रांची रेल मंडल के सीपीआरओ निशांत कुमार ने डीआरएम के निरीक्षण को रूटीन निरीक्षण बताया। उन्होंने बताया कि अपने निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने अधिकारियों को कई जरूरी दिशा–निर्देश दिए। डीआरएम के निरीक्षण के दौरान रेलवे की पुलिस और अधिकारी मुस्तैद दिख। चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के तिरुलडीह स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद डीआरएम पश्चिम बंगाल स्थित रांची रेल मंडल के सुईसा, तोड़ाग और ईलु स्टेशन का निरीक्षण के लिए रवाना हुए।

जनता का जन सैलाब बता रही बनेगी एनडीए की सरकार : सहिस

पटमदा : जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के पटमदा प्रखंड के नोवाडीह, बनझाम, आगुईडांगरा तिलाबनी, चडकपाथर, माहलीपाड़ा, कमलपुर, षाडंगीडीह में डोर टू डोर जाकर एनडीए गठबंधन प्रत्यासी रामचंद्र सहिस ने सैकड़ो कार्यकताओं के साथ जनसंपर्क अभियान चलाकर अपने पक्ष में एनडीए सरकार बनाने के लिए केला छाप पर वोट करने की अपील की इस दौरान अभियान में एनडीए गठबंधन के सैकड़ो कार्यकताओं ने पैदल यात्रा करते हुए एनडीए के पक्ष में वोट मांगा।

बोरियों उच्च विद्यालय में मानव तस्करी पर जागरूकता अभियान चलाया गया

साहिबगंज : बोरियों थाना क्षेत्र अंतर्गत बोरियों उच्च विद्यालय में पंकज वर्मा थाना प्रभारी बोरियों ने मानव तस्करी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। उन्होंने विद्यालय के बच्चों को मानव तस्करी के बारे में बताते हुए कहा कि मानव तस्करी के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और इसे मानव तस्करी का सोर्स , ट्रांजिट और डेस्टिनेशन माना जाता है। किसी एक राज्य की सीमाओं के भीतर तथा अंतरराज्जीय मानव तस्करी के अलावा नेपाल और बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी भी काफी लंबी खुली सीमा होने के कारण भारत में होती है। झारखंड और पश्चिम बंगाल मानव तस्करी का नया केंद्र बनकर उभरा है। भारत से पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में मानव तस्करी होती है। दुनियाभर में मानव तस्करी के पीड़ितों में एक–तिहाई बच्चे होते हैं। मानव तस्करी की परिभाषा संयुक्त राष्ट्र की परिभाषा के अनुसार, किसी व्यक्ति को डराकर, बलपूर्वक या दोषपूर्ण तरीके से काम लेना, यहाँ–वहाँ ले जाना या बंधक बनाकर रखने जैसे कृत्य तस्करी की श्रेणी में आते हैं। क्यों होती है मानव तस्करी गरीबी और अशिक्षा है सबसे बड़ा कारण, मांग और आपूर्ति का सिद्धांत, बंधुआ मजदूरी देह व्यापार, सामाजिक असमानता, क्षेत्रीय लैंगिक असंतुलन, बेहतर जीवन की लालसा, सामाजिक सुरक्षा की चिंता, महानगरों में घरेलू कामों के लिये भी होती है लड़कियों की तस्करी, चाइल्ड पोर्नोग्राफी के लिये भी होती है बच्चों की तस्करी, कई तरह के मानव तस्करी के कारण है। वही मौके पर स्कूल के शिक्षक गण एवं विद्यालय के सैकड़ो छात्र–छात्राएं मौजूद थे।

भाजपा प्रत्याशी अनन्त ओझा ने उधवा प्रखंड में किया जनसंपर्क

साहिबगंज : उधवा/ राजमहल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अनन्त कुमार ओझा ने उधवा प्रखंड के जोंका, सुतियारपाड़ा, आतापुर, मसना सहित विभिन्न पंचायतों का दौरा किया। जनता से भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए जनसंपर्क किया। विधायक ने लोगो को विकास योजनाओं को बताया। कहा कि उधवा का सड़क का हालात क्या था, लगभग एक अरब की अधिक के लागत से उधवा और प्रखंड के दियारा क्षेत्र का सड़क का निर्माण हुआ। बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया। किसानों के सिंचाई के लिए सैकड़ो तलाब, परकुलेसन टैंक, चैक डैम और सिंचाई डीप बोरिंग का निर्माण कराया गया। उधवा से महाराजपुर तक फोरलेन सड़क का निर्माण कराया जा रहा हैं। कहा कि तीसरी बार जनता का आशीर्वाद मिला तो उधवा प्रखंड में मॉडल डिग्री कॉलेज, स्टेडियम सहित कई योजनाओं को जमीन पर उतारा जाएगा। हेमन्त सोरेन सरकार पांच सालो तक राजमहल विधानसभा क्षेत्र की योजनाओं को लटकाने और भटकाने का काम किया।

शिपिंग कॉरपोरेशन का मुनाफा बढ़कर 291 करोड़ हुआ

- पिछले वर्ष के इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 65.73 करोड़ था

नई दिल्ली ।

विनिवेश की राह पर आगे बढ़ते हुए, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एससीआई) ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ को 291.44 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिखाया। पिछले वर्ष के इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 65.73 करोड़ रुपये था। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण वृद्धि दिखाने वाली कुल आय है, जो 1,491.23 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 1,161.89 करोड़ रुपये थी।कंपनी के कुल खर्च भी पिछले वर्ष के मुकाबले वृद्धि दर्ज कर अब 1,195 करोड़ रुपये हो गए हैं। इस सुचारू उन्नति के दौरान, कंपनी ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपये के मूल्य वाले इक्विटी शेयर पर 50 पैसे का लाभांश स्वीकार किया है। इसके साथ ही, वित्तीय प्रगति की बढ़त के साथ कंपनी ने अपने विश्वासी उत्पादन और सेवा सेगमेंट में दर को बढ़ाने सहित अन्य कई कदम भी उठाए हैं। एससीआई की उच्च स्तर की प्रबंधन ने साबित किया है कि कंपनी निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर रहेगी। यह सुचारू सफलता सिद्ध करती है कि एससीआई द्वारा अपने कारोबार को विनिवेश करने और वित्तीय स्थिति में सुधार करने की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इसमें कंपनी के स्टेकहोल्डर्स के लिए अच्छी खबर है और उन्हें भविष्य में भी और सफलता के साथ सामर्थ्य है।

मेडिकल डिवाइस आत्मनिर्भर बनाने सरकार ने लांच की 500 करोड़ की योजना

- बजट तीन साल तक है और वित्तीय वर्ष 2026-27 तक चलेगा

नई दिल्ली । केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने भारत के चिकित्सा उपकरण उद्योग को मजबूत प्रदान करने के लिए 500 करोड़ रुपये की योजना को प्रारंभ किया है। इस योजना का उद्देश्य मुख्य घटकों और सहायक उपकरणों का निर्माण, कौशल विकास, क्लिनिकल स्टडीज का समर्थन, सामान्य इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास और उद्योग को बढ़ाने पर होगा। बताया जा रहा है कि इस योजना का शुरुआती बजट 500 करोड़ रुपये होगा, जो तीन साल तक के लिए है और वित्तीय वर्ष 2026-27 तक चलेगा। इस योजना में पांच घटक शामिल हैं, जिनमें मेडिकल डिवाइस क्लस्टर्स के लिए सामान्य सुविधाएं, क्षमता निर्माण और कौशल विकास, आयात निर्भरता को कम करने के लिए एक सीमित निवेश योजना, क्लिनिकल स्टडीज का समर्थन और एक मेडिकल डिवाइस प्रमोशन योजना शामिल हैं। इस योजना के तहत, भारत में लगभग 20 मेडिकल डिवाइस क्लस्टर्स के लिए शोध और विकास लैब्स, डिजाइन और टेस्टिंग सेंटर और पशुओं के लैब्स जैसी सामान्य सुविधाओं का निर्माण करके इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 110 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें टेस्टिंग सेंटरों को बढ़ना भी शामिल होगा। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सामान्य सुविधाओं के लिए 20 करोड़ रुपये और टेस्टिंग सुविधाओं के लिए 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। इसी तरह मेडिकल डिवाइसों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख घटकों और कच्चे माल के उत्पादन को प्रोत्साहित करके वैल्यू चेन को बढ़ाने के लिए सीमांत निवेश योजना के लिए 180 करोड़ रुपये की रूपरेखा तैयार की गई है, जिससे आयात निर्भरता कम होगी। यह उप-योजना 10-20 प्रतिशत की एकमुश्त पूंजी सब्सिडी प्रदान करती है, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति परियोजना 10 करोड़ रुपये है। सरकार चिकित्सा उपकरणों की क्लिनिकल स्टडीज के लिए 100 करोड़ रुपये की सहायता योजना भी प्रदान करेगी, जिससे डेवलपर्स और निर्माताओं को पशु अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करने और सफल होने पर मेडटेक उत्पादों को मान्य करने के लिए मानव परीक्षणों के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाया जा सकेगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर रहा

- गोल्ड रिजर्व 1.2 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक नवंबर को समाप्त होने वाले हफ्ते में 2.6 अरब डॉलर गिरकर 682.13 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार के मुख्य घटकों में से एक गोल्ड रिजर्व 1.2 अरब डॉलर बढ़कर 69.8 अरब डॉलर हो गया है। एक विशेषज्ञ के मुताबिक वैश्विक उथलपुथल के बीच सोने की खरीदारी में बढ़त देखी जा रही है। ऐसी स्थिति में गोल्ड महंगाई या अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों में एक हेज के रूप में काम करता है। महंगाई में कमी के बाद भी गोल्ड की कीमतें सार्वजे निक उच्च स्तर पर बनी हुई है। इसके अलावा देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड की हिस्सेदारी 2018 से 210 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर के अंत में 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके कारण भारत अपनी विदेशी मुद्रा भंडार के आकार में चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर पहुंच गया था। आरबीआई के अनुसार चालू वित्त वर्ष में देश का विदेशी मुद्रा भंडार कुल मिलाकर 34.5 बिलियन डॉलर बढ़ गया है, जो

भुगतान संतुलन के आधार पर 11.2 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। यह अर्थव्यवस्था के मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद को दर्शाता है। आरबीआई की ओर से विदेशी मुद्रा भंडार को रुपये में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए जब विदेशी निवेशकों के द्वारा शेयर बाजार में भारी बिकवाली की जाती है, ऐसी स्थिति में डॉलर की मांग बढ़ने के कारण रुपये में तेज गिरावट आती है तो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग कर रुपये की कीमत को गिरने से रोकता है। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर रबी शंकर ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम में कहा कि आरबीआई अत्यधिक विनिमय दर की अस्थिरता को संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार है, क्योंकि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने के कारण रुपये में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

वेदांता का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही बढ़कर 4,352 करोड़ हुआ

- पिछले साल की इसी अवधि में 1,783 करोड़ का घाटा दर्ज किया गया था

नई दिल्ली ।

माइनिंग सेक्टर की प्रमुख कंपनी वेदांता का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 4,352 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में 1,783 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया गया था। कंपनी के ऑपरेशन से प्राप्त रेवेन्यू (टॉपलाइन) में 3.4 फीसदी की गिरावट आई है और यह 37,634 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 38,945 करोड़ रुपए । ऑपरेशनल मोर्चे पर ऐ बिडिटा में सालाना आधार पर 14.4 फीसदी की गिरावट आई है। सितंबर तिमाही में यह 9,828 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 11,479 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में वेदांता का ऐ बिडिटा मार्जिन घटकर 26.1 फीसदी पर आ गया है, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 29.5 फीसदी था। इसके साथ ही कंपनी ने इस तिमाही में 1,868 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया। कुल टैक्स खर्च घटकर 2,030 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 9,092 करोड़ रुपए था। टैक्स खर्च के घटने के चलते ही कंपनी मुनाफे में लौटी है। बाजार में दोपहर 3:30 बजे तक वेदांता के शेयर 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ 456 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे।

ट्रंप की जीत व फेडरल की कटौती से भारतीय शेयर बाजार में कंसोलिडेशन जारी

-भारत की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई तेजी सकारात्मक संकेत

मुंबई।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत और सत्ता में वापसी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के चलते भारतीय शेयर बाजार में कंसोलिडेशन जारी रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव आया, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) और उच्च नेटवर्थ व्यक्ति (एचएनआई) ने बाजार को समर्थन दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक शेयर बाजार की वर्तमान स्थिति विशेष रूप से अत्यधिक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों में कंसोलिडेशन (समेकन) की प्रक्रिया को दर्शाती है। एफआईआई की बिक्री के बावजूद भारतीय शेयर बाजार लचीला बना है क्योंकि घरेलू निवेशकों ने गिरावट को सहन किया और बाजार को मजबूत किया। अक्टूबर में डीआईआई ने भारतीय इक्विटी में 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया, जिससे भारतीय शेयर बाजार अपने वैश्विक समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। भारत की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई तेजी सकारात्मक संकेत है। विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी आम चुनावों के बाद सरकारी खर्चों में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में कॉर्पोरेट आय में सुधार हो सकता है। तीसरी तिमाही में त्योहारी सीजन के कारण खपत में तेजी आ सकती है, जो बाजार की धारणा को सकारात्मक दिशा में प्रभावित कर सकता है। वैश्विक स्तर पर ट्रंप की वापसी ने राजनीतिक अनिश्चितता को कम किया है, जिससे वैश्विक बाजारों को राहत मिली है।

अगले सप्ताह 26 अन्य कंपनियां एक्स-डेट पर कारोबार करेंगी

शेयरहोल्डर्स को क्रमशः 3.25, 4, 3 और 4.50 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड का भुगतान किया जाएगा

नई दिल्ली।

कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन, इंद्रप्रस्थ गैस, ऑयल इंडिया, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, केपीआई ग्रीन एनर्जी, इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज और 19 अन्य कंपनियों के शेयर अगले सप्ताह फोकस में रहेंगे, क्योंकि ये कंपनियां अपने एक्स-डेट के करीब हैं। इन कंपनियों ने डिविडेंड, बोनस इश्यू (और स्टॉक स्प्लिट जैसी कॉर्पोरेट एक्शन की घोषणा की है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आईआरसीटीसी, ऑयल इंडिया और पावर ग्रिड के शेयर अगले सप्ताह एक्स-डिविडेंड के रूप में ट्रेड करेंगे। इन कंपनियों के शेयरहोल्डर्स को क्रमशः 3.25 रुपये, 4 रुपये, 3 रुपये और 4.50 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड का भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा 16 अन्य कंपनियां भी अगले हफ्ते एक्स-डिविडेंड हो जाएंगी, जिनके शेयरहोल्डर्स को घोषित डिविडेंड रिवॉर्ड दिए जाएंगे।

टेस्ला का मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर के पार

- एलन मस्क की कंपनियों को ट्रंप की जीत से फायदा मिलने की उम्मीद

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डॉनल्ड ट्रंप जीत के बाद उनके समर्थन में खुलकर उतरे एलन मस्क को बड़ा फायदा होता दिख रहा है। टेस्ला का बाजार मूल्य 1 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पार कर गया, जो बहुत सालों बाद हुआ। एलन मस्क की कंपनियों को ट्रंप की जीत से फायदा मिलने की उम्मीद है। टेस्ला की शेयरों में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे कंपनी का मूल्यांकन 1 ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गया। यह वृद्धि 230 बिलियन डॉलर से अधिक की है, जो कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीएफआरए रिसर्च के एक इक्विटी विश्लेषक के अनुसार टेस्ला और एलन मस्क शायद चुनाव परिणाम के बाद सबसे बड़े विजेता होंगे। उनका मानना है कि ट्रंप की जीत से टेस्ला की स्वचालित ड्राइविंग तकनीक के विनियमक अनुमोदन में मदद कर सकती है। अरबपति टेस्ला की योजना के अनुसार स्वचालित वाहनों के अनुकूल विनियमन के लिए दबाव डाल सकते हैं। मस्क ने स्व-चालित वाहन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित किया है, जो आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है। टेस्ला ने तिमाही लाभ मार्जिन में वृद्धि की और महत्वपूर्ण योजनाएं बताई। इस सबके चलते कंपनी की मूल्यांकन में उछाल आया और उम्मीद है कि एलन मस्क के नेतृत्व में टेस्ला नए ऊंचाइयों को छूएगा।

शुल्क कार्गो सेवा प्रदाताओं के लिए माल के लिए बीमा अवधि, लाइसेंस नियमों में छूट

नई दिल्ली । सरकार ने पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने के लिए कई मुख्य कदम उठाये हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने सीमा शुल्क कार्गो सेवा प्रदाताओं के लिए कई छूटों की घोषणा की है। इसके अलावा वित्त मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है कि सीमा शुल्क क्षेत्र के अंतर्गत भंडारण वस्तुओं के बीमा की अवधि को मामूली संख्या के दिनों के लिए कम किया जाए। इस निर्णय से सीसीएसपी को सीमा शुल्क क्षेत्रों में संग्रहित वस्तुओं का 5 दिनों के लिए बीमा करने की आवश्यकता होगी, जो न केवल व्यवसायिक सुविधाओं को बढ़ावा देगा बल्कि नकदी प्रवाह में वृद्धि भी सुनिश्चित करेगा। यह नए उद्यमों को प्रवाहित वित्त पहुंचाने में मदद मिलेगी और देश की अर्थव्यवस्था को नया ऊँचाई देगी। इस प्रकार, सरकार ने एक और कदम उठाकर व्यापारिक लोगों को वित्तीय तनाव से राहत देने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

आरबीआई ने साउथ इंडियन बैंक पर लगाया 59.20 लाख का जुर्माना

- बैंक ने कुछ ग्राहकों को सूचित किए बिना दंडात्मक शुल्क लगाया था

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साउथ इंडियन बैंक पर 59.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का फैसला किया है। बैंक ने अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए आरबीआई के पर्यवेक्षी मूल्यांकन का समर्थन किया था। इसके परिणामस्वरूप, आरबीआई के निर्देशों और गैर-अनुपालन के आधार पर साउथ इंडियन बैंक को जुर्माना लगाने का फैसला लिया गया। आरबीआई का कहना है कि बैंक ने कुछ ग्राहकों को एसएमएस/ई-मेल या पत्र के माध्यम से सूचित किए बिना न्यूनतम शेष/औसत न्यूनतम शेष राशि न बनाए रखने पर दंडात्मक शुल्क लगाया था। इस विवादित मुद्दे पर दी गई सुनवाई के दौरान आरबीआई ने यह फैसला सुनाया कि बैंक पर लगाए गए आरोप सही हैं और इसके लिए जुर्माना लागू किया गया। यह जुर्माना आर्थिक और नियामकीय अनुपालन पर आधारित है, जिसका मुख्य उद्देश्य बैंक को अपने ग्राहकों के साथ संबंधित सेवाओं में कमियों के लिए जिम्मेदार ठहराना है।

सप्ताह भर सेंसेक्स और निफ्टी में दबाव देखा गया

- सेंसेक्स 55.47 अंकों की गिरावट के साथ 79,486 अंकों पर बंद
- निफ्टी 51.15 अंकों की गिरावट के साथ 24,148.20 अंकों पर बंद

मुंबई ।

एफआईआई की बिकवाली, दूसरी तिमाही के कमजोर नतीजे, जियोपॉलिटिकल टेंशन के बीच घरेलू शेयर बाजार में दबाव देखने को मिला जिससे बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया, जिससे शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार बिकवाली के बीच सोमवार को शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट दर्ज की गई। पहले दो घंटों के कारोबार में सेंसेक्स 1400 अंकों तक फिसल गया। बीएसई का सेंसेक्स 1,014 अंकों की गिरावट के साथ 78,710.36 के स्तर पर खुला और 941.88 अंक की गिरावट के साथ 78,782.24 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 308 अंक टूटकर 23,997 के स्तर पर खुला और 309.00 अंक की गिरावट के साथ 23,995.35 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में शुरुआती झटकों के बाद अचानक खरीदारी लौट आई है।

मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी में आधा करोबारी सत्र बीतने के बाद गजब की तेजी आई ये सूचकांक हरे निशान पर पहुंच गए। सेंसेक्स 607.45 अंकों की बढ़त के साथ 79,389.69 के स्तर पर खुला और 740.89 अंक बढ़कर 79,523.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 187.25 अंक चढ़कर 24,182.60 पर खुला और 217.95 अंक चढ़कर 24,213.30 पर बंद हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव परिणामों में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बढ़त पर बुधवार को भारतीय शेयर बाजार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। सुबह आईटी शेयरों में मजबूती की बदौलत 12:18 मिनट पर सेंसेक्स 666.48 अंक चढ़कर 80,143.11 पर खुला और 901.50 अंक प्रतिशत उछलकर 80,378.13 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 202.00 अंक मजबूत होकर 24,415.30 पर खुला और 270.75 अंक बढ़कर 24,484.05 पर बंद हुआ। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी50 ने गुरुवार को यू-टर्न लिया और निचले स्तर पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 925 अंक की गिरावट के साथ 79,453.38 पर खुला और 836.34 अंक गिरकर 79,541.79 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 288 अंक की गिरावट के साथ 24,196 पर खुला और 284.70 अंक टूटकर 24,199.35 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 424.42 अंक गिरकर 79,117.37 पर खुला और 55.47 अंकों की गिरावट के साथ 79,486.32 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 132.7 अंक गिरकर 24,066.65 पर खुला और 51.15 अंकों की गिरावट के साथ 24,148.20 अंकों पर बंद हुआ।

ट्रंप की नीतियों से भारत, आसियान को हो सकता है फायदा: मूडीज

- मूडीज ने इसके संभावित प्रभाव के बारे में चेतावनी जारी की है

नई दिल्ली ।

मूडीज रेटिंग्स एजेंसी ने हाल ही में एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने पर चाहे चीन के साथ व्यापार और निवेश प्रवाह हो या ना हो, भारत और आसियान देशों के लिए यह एक अवसर हो सकता है। मूडीज ने इस वक्तव्य में ट्रंप के अगले चुनाव के बाद अमेरिका की नीतियों में बदलाव की संभावना दर्ज की है। इस बदलाव के तहत, ट्रंप प्रशासन के द्वारा बड़े राजकोषीय घाटे, संरक्षणवादी व्यापारिक कदम, जलवायु उपायों में गतिरोध और अन्य कड़ाई के पनप सकते हैं। मूडीज ने इसके संभावित प्रभाव के बारे में चेतावनी जारी की है, विशेष रूप से कृषि, खुदरा, निर्माण और स्वास्थ्य सेवा में श्रमिकों की कमी के संभावित खतरे के साथ। इसी अवसर पर, मूडीज का कहना है कि अमेरिका की निवेश और व्यापार की दिशा चीन से दूर हो सकती है, खासकर एशियाई प्रशांत क्षेत्र में। इसका कारण है कि अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को कठोरता से देख रहा है। इस पूरी स्थिति में भारत और अन्य आसियाई देशों को इस अवसर को महत्वपूर्ण समझकर सकारात्मक रूप से उपयोग करने की आवश्यकता होगी। वे अमेरिका के नए नीतियों का सामना कैसे करते हैं, इस पर निर्भर करेंगे कि कैसे इन बदलावों का सबसे अच्छा फायदा उठा सकते हैं।

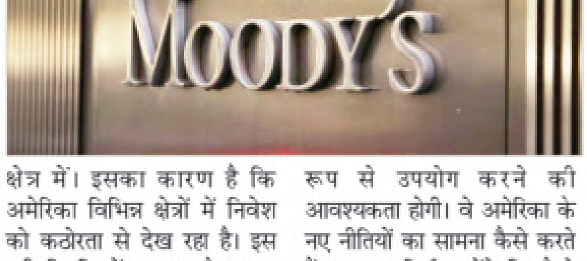

आएगा एनएसई का सबसे बड़ा आईपीओ, सेबी से मंजूरी का इंतजार

- हुंडई का रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को एक उद्देश्य के साथ सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी से मंजूरी की उम्मीद है। यह कंपनी की सबसे बड़ी योजना है, जिसके अनुसार वह भारतीय बाजार में एक ऐतिहासिक आईपीओ ला सकती है। इस आईपीओ की सफलता के बाद एनएसई दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंडई के आईपीओ के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। कंपनी के एक अधिकारी ने इस कदम की पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने का मिशन उठाया है। एनएसई का मूल्यांकन लगभग 4.75 लाख करोड़ रुपए के पास है, जो भारतीय शेयर बाजार के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज के रूप में जाना जाता है। आईपीओ के लिए उनकी वाणिज्यिक रणनीति और प्रमोटर की अनुपस्थिति के कारण उन्हें कोई चिंता नहीं है। यदि ऐसा हो तो एनएसई का आईपीओ 47,500 करोड़ रुपए का हो सकता है। कंपनी के शेयर की मांग और उसका लोकप्रियता मूल बाजार में भी बढ़ सकती है। इसके अलावा कंपनी ने हाल ही में बोनस जारी किया है और अब सेबी से मंजूरी की उम्मीद है। एनएसई इस रिकॉर्ड इंडियन आईपीओ के लिए सचेत रह रही है और सेबी की अनुमति का इंतजार कर रही है। उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उनके उद्देश्यों के प्रति बढ़ावा देगा।

स्विगी के आईपीओ को आखिरी दिन 3.59 गुना सब्सक्रिप्शन मिला

- छोटे निवेशकों ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली । स्विगी के आईपीओ को आखिरी दिन 11,327 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू के लिए 3.59 गुना सब्सक्रिप्शन हो सिल हुआ है। शुरुआती दो दिनों में निवेशकों की प्रतिक्रिया हल्की रही थी, जिसमें पहले दिन आईपीओ 0.12 गुना और दूसरे दिन 0.35 गुना सब्सक्राइब किया था। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 371 से 390 रुपये निर्धारित किया गया है और यह 13 नवंबर को एनएसई और बीएसई पर लिस्ट हो सकता है, जबकि इसका अलॉटमेंट 11 नवंबर को संभावित है। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के रिजर्व हिस्से को सबसे अधिक 6.02 गुना का सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) ने 0.41 गुना और रिटेल निवेशकों ने 1.14 गुना सब्सक्राइब किया। कर्मचारियों के लिए रिजर्व हिस्से को 1.65 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जो सबसे अधिक है। फूड डिलीवरी सेक्टर में स्विगी भारत में जोमैटो के बाद दूसरे स्थान पर है। मौजूदा बाजार हिस्सेदारी के अनुसार जोमैटो के पास 58 फीसदी और स्विगी के पास 34 फीसदी मार्केट शेयर है। क्विक कॉमर्स सेगमेंट में स्विगी के इंस्टामार्ट का 20-25 फीसदी और जोमैटो के ब्लिंकिट का 40-45 फीसदी हिस्सा है।

छठ पर नड्डा का आना, हिंदुओं को मैसेज देने की कोशिश

सीएम संग घाट घूमकर हिंदू वोट पर नजर; एक्सपर्ट बोले- चिराग से मुलाकात के पीछे उपचुनाव

पटना। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लोकपर्व छठ के अवसर पर पटना आए और नीतीश कुमार के साथ डेढ़ घंटे का समय स्टीमर पर बिताया। नड्डा का जुड़ाव पटना से काफी रहा है। लेकिन, यह पहला मौका है, जब वे छठ में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ स्टीमर पर घूमे और लोगों को छठ की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही बीजेपी से जुड़े कई नेताओं के यहां भी वे गए। जेपी नड्डा आरएसएस कार्यालय विजय निकेतन भी पहुंचे थे। राज्यपाल से भी मिले और लोजपा (रामविलास) सुप्रीमो चिराग पासवान के आवास भी गए। उसके बाद से यह चर्चा तेज है कि क्या नड्डा किसी खास मकसद से पटना आए थे।सूत्र बता रहे हैं कि 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए के अंदर कौन, कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, इसका होमवर्क शुरू हो गया है। सामने बिहार में चार सीटों पर विधानसभा का उपचुनाव है और इसके बाद 2025 में विधानसभा का चुनाव होना है। नड्डा की बिहार यात्रा को राजनीति से जोड़ कर देखा जा रहा हैं। राजनीतिक विश्लेषक रवि उपाध्याय कहते हैं कि 'जीतन राम मांझी और चिराग पासवान के विचार कई मुद्दों पर अलग-अलग रहे हैं। ऐसे में इमामगंज उपचुनाव की राजनीति को साधने के लिए चिराग के यहां जाना नड्डा को जरूरी लगा।' बिहार में हिंदू वोट बैंक को एकजुट करने की भरपूर कोशिश बीजेपी कर रही है। कुछ दिन पहले केन्द्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने हिंदू स्वाभिमान यात्रा उस भागलपुर से शुरू की, जहां बिहार में आजादी के बाद 89 में सबसे बड़ा दंगा हुआ था। हालांकि, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष यह कहते रहे कि यह बीजेपी की यात्रा नहीं है। लेकिन, लोगों में मैसेज यही गया कि बीजेपी की रणनीति के तहत ही गिरिराज सिंह ने यह यात्रा निकाली थी। उस यात्रा के बाद छठ का समय आया तो बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना आए और खास तौर से हिंदू परिवारों द्वारा मनाए जाने वाले महापर्व में बीजेपी की उपस्थिति दर्ज कराई। बिहार बीजेपी में नीतीश कुमार के कद का कोई नेता नहीं है। सुशील कुमार मोदी, नीतीश सरकार में डिप्टी सीएम रहे, लेकिन बिहार भाजपा में उनका कद बड़ा माना जाता था। अब उनकी अनुपस्थिति में नीतीश कुमार के साथ मिलकर लोगों का अभिवादन करने के लिए बीजेपी से राष्ट्रीय स्तर के नेता की उपस्थिति चाहिए था। जेपी नड्डा का पटना से जुड़ाव की वजह से उनकी बिहारी छवि है। हाल के दिनों में कई अस्पतालों के उद्घाटन के समय भी उनका बिहारी अंदाज दिखा था। नड्डा बीजेपी के ऐसे नेता हैं जिनको बिहार के लोगों के बीच पहचान की जरूरत नहीं हैं। नीतीश कुमार के साथ स्टीमर पर सवार होकर वे लोगों का अभिवादन कर रहे थे, तो साफ लग रहा था कि बीजेपी महापर्व छठ की महिमा का सम्मान कर रही है। वे आए तो छठ गीतों के लिए मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा के निधन पर उनके आवास भी गए और श्रद्धांजलि दी। एक तरफ महागठबंधन में तेजस्वी यादव बिहार में बढ़े आरक्षण के दायरे को वापस करने की मांग कर रहे हैं।

बिहार में दिसंबर से होगी ठंड की एंट्री

पटना। नवंबर का महीना शुरू हो चुका है, लेकिन मौसम में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में लोगों को महीने के अंत तक उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। यानी फिलहाल राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ने की कोई उम्मीद नहीं है। हालांकि, रात के तापमान में रोजाना गिरावट देखी जाएगी। मौसम बिभाग की माने तो दिसंबर के पहले सप्ताह से ठंड पड़ने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, बिहार में इस सप्ताह बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। पटना, भागलपुर, पूर्णिया, गया, मुजफ्फरपुर समेत अन्य सभी जिलों में मौसम सामान्य शुष्क रहने के आसार हैं। वही मौसम वैज्ञानिक एसके पटेल ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क बना रहा। तापमान भी सामान्य से ऊपर रहा। अभी तक ठंड का कुछ पता नहीं है। जबकि अक्टूबर के आखिरी में ही बिहार में हल्की ठंड शुरू हो जाती है। इसका मुख्य कारण है पश्चिमी विक्षोभ, अभी तक किसी भी मजबूत पश्चिमी विक्षोभ ने उत्तर भारत के पर्वतीय इलाकों में दस्तक नहीं दिया है। ऐसे में मानसून की तरह ठंड की भी शुरूआत बिहार में देरी से होगी। बता दें कि इस बार मानसून भी अपने निर्धारित समय से 4 दिन की देरी से बिहार पहुंचा था।

15 मिनट में एक परिवार के 3 लोगों की मौत

भागलपुर में शौचालय की टंकी के अंदर हादसा, एक दूसरे को बचाने में गई जान

भागलपुर । जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मोदीनगर में शनिवार को 15 मिनट के अंदर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। घटना शौचालय में पाइप लगाने के दौरान हुई है। जिसमें पति-पत्नी और साढू की जान चली गई। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। मृतक की पहचान मोदीनगर निवासी पुनीत यादव (35), उसकी पत्नी शाखो देवी(33) और साढू दिनेश यादव (42) के रूप में हुई है। तीनों की मौत शौचालय के टंकी में गिरने से हुई। जिसके बाद शव को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना के बारे में लोगों ने बताया कि शनिवार को शौचालय में पाइप लगाने के दौरान टंकी में लोहे का औजार(छैनी) गिर गया। जिसे निकालने के लिए पुनीत यादव ने टंकी का ढक्कन हटाया। टंकी के अंदर जैसे प्रवेश किया। जिसके बाद दम घुटने से उसकी मौत हो गई। निकालने के लिए पत्नी टंकी के अंदर गई। जहां उसकी भी जान चली गई। दोनों पति-पत्नी के को निकलने के लिए साढू अंदर गए। जहां उन्होंने ने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद परिवार में चीत्कार मचा हुआ है। इस संबंध में जगदीशपुर थानध्यक्ष सह डीएसपी विशाल आनंदने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से तीनों लोगों का शव को टंकी से बाहर निकाला गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए मामले की छानबीन कर रही है। बता दें कि मृतक पुनीत यादव और उनकी पत्नी को छह बच्चे हैं।

विवाहिता की अधजली लाश बरामद

महिला के पति ने कर ली थी दूसरी शादी, परिजन बोले- हत्या कर चोरी-छिपे जला रहे थे लाश

समस्तीपुर । जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के पतैली में एक विवाहिता के आधा जले शव को मायके वालों ने बरामद किया है। मृतका की हत्या कर चोरी-छिपे शव को जलाया जा रहा था। घटना को अंजाम देने के बाद ससुराल वाले मौके से फरार हो गए। मृतक महिला पतैली पूर्वी पंचायत के दिनकर चौधरी की पत्नी ज्योति कुमारी (22) है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक विभाग टीम को बुलाया। फोरेंसिक विभाग की टीम ने शव का कुछ लुथड़ा और हड्डी बरामद की है। जिसको लेकर जांच की जा रही है। घटना की पुष्टि एसपी अशोक मिश्रा ने की। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या कर शव जलाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने बताया कि बीती रात ससुराल वालों ने ज्योति की पीट-पीट कर हत्या कर दी और मामला खुले नहीं इसलिए सुबह-सुबह उसके शव को जमुआरी नदी किनारे ले जाकर जला रहे थे। इस बात की भनक लग गई। जिसके बाद ग्रामीण ने ज्योति के परिवार वालों को इसकी सूचना दी। ज्योति के परिवार वाले मौके पर पहुंचे तो मौजूद सभी लोग वहां से फरार हो गए। घटना की जानकारी पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जल रही चिता को बुझाया। मौके से कुछ लूथड़ा और हड्डी बरामद की। इसके बाद फोरेंसिक विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। मृतका के मायके वालों ने बताया कि ज्योति की शादी करीब 4 साल पहले दिनकर चौधरी के साथ हुई थी। उसका मायके रोसरा थाना क्षेत्र में है। पति दिनकर चौधरी मजदूरी करता है। उसी दौरान उसने दूसरी शादी कर ली थी। जिसके बाद ज्योति के साथ उसके संबंध अच्छे नहीं थे। घर में हमेशा मारपीट की घटनाएं होती रहती थी। इसी को लेकर बीती रात उसकी हत्या कर मामले का खुलासा नहीं हो। इसीलिए शव को जला रह था। इस सम्बन्ध में एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पहले 112 नंबर की टीम को मौके पर भेजा गया था। घटना के सत्यापन की बात मौके पर पुलिस टीम भी पहुंची घटनास्थल से शव का लूथरा और कुछ हड्डी बरामद की गई । बताया गया कि ज्योति की शादी करीब 4 साल पहले हुई थी। घटना के बाद उसके ससुराल वाले वहां से फरार हो गए हैं।

कार्यकर्ता पर उंगली उठी तो काट दी जाएगी: संतोष सिंह

कैमूर । 6 अक्टूबर एक नुक्कड़ सभा का आयोजन हुआ था। इस दौरान बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने कहा था कि साल 2020 के विधानसभा चुनाव में तीन बूथ पर भाजपा के लोगों की पिटाई की गई थी। अगर इस बार चुनाव में गड़बड़ी करते मिलेंगे तो 300 बूथों पर लाठी से उनकी पिटाई की जाएगी। इस पर मंत्री संतोष सिंह ने पलटवार किया है। रामगढ़ विधानसभा के चंडेश में नीतीश कुमार की सभा में संतोष सिंह ने जनता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर हमारे एक भी कार्यकर्ता के ऊपर कोई उंगली उठा देगा, तो उसकी उंगली काट ली जाएगी। बक्सर सांसद सुधाकर सिंह और उनका प्रत्याशी भाई दोनों चावल चोरी के आरोप में जेल जा चुके है। फिलहाल, ये बेल पर है। ये दोनों की कैसी समाज सेवा है। संतोष सिंह ने कहा कि लाठी लेकर हम लोग भी खड़े हैं। एक कार्यकर्ता पर हाथ उठेगा तो हाथ तोड़ देंगे। उंगली उठेगी तो उंगली काट देंगे। सभी भाई आपके साथ खड़े हैं। कल कहा था कि मैं 5 साल के लिए एमपी हूं। जो लोग वोट नहीं देगा, तो मैं लाठी लेकर आऊंगा। अगर वह लाठी लेकर आएगा, तो उसका एक हड्डी नहीं बचेगा। एक-एक हड्डी चूड़ कर दी जाएगी। अब लालू यादव का जमाना चला गया । मंत्री ने आगे कहा कि अगर तुम्हारे पास लाठी है, तो मेरे पास भी लाठी है । एक नौवीं फेल कर गया, तो दूसरा जगता बाबू का बेटा डॉक्टर का परीक्षा फेल कर गया। जगता बाबू मंत्री थे, तो अपने कोटा से रांची में मेडिकल कॉलेज में नाम लिखवाया और डॉक्टर का सर्टिफिकेट लेकर आया।

संक्षिप्त डायरी

6 महीने पहले लव मैरिज अब मौत

औरंगाबाद। शहर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक शख्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शख्स ने 6 महीने पहले ही लव मैरिज की थी। शख्स को फंदे से लटका देख परिजन उसे अस्पताल लेकर गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को लेकर चले गए। उधर, मामले की जानकारी के बाद पुलिस ने जांच पड़ताल की बात कही है। घटना औरंगाबाद शहर के जसोईया मोड़ स्थित भरथौली पथ के इलाके की है। मृतक की पहचान 24 साल के भोलू कुमार के रूप में हुई है. भोलू को अस्पताल ले जाने और उसके मृत घोषित होने के बाद कुछ स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। इसी दौरान भोलू के परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और लाश को लेकर अपने पैतृक गांव फेसर थाना क्षेत्र के बघोई कुसा लेकर चले गए। इस संबंध में परिजनों ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। हालांकि मिली जानकारी के अनुसार, 27 अप्रैल 2024 को भोलू कुमार ने लव मैरिज की थी। गांव के ही कुछ लोगों का दावा है कि भोलू पिछले कुछ दिनों से पारिवारिक कलह से जूझ रहा था। शनिवार सुबह उसकी पत्नी घर की साफ-सफाई करने लगी और बाहर तक चली गई। कुछ देर बाद वो लौटी तो अंदर उसने अपने पति को फंदे से लटका पाया। पड़ोसियों का कहना है कि बीती रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इस संबंध में नगर थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सदर अस्पताल से किसी स्थानीय व्यक्ति ने फोन के माध्यम से घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना की पुलिस वहां पहुंची लेकिन परिजनों में पोस्टमार्टम करने से इनकार कर दिया और शव लेकर घर चले गए। हालांकि पुलिस अपने माध्यम से इसको लेकर जांच पड़ताल में लगी हुई है। सदर अस्पताल में लड़की एवं लड़का पक्ष के दोनों लोग शामिल थे लेकिन किसी ने आवेदन नहीं दिया। पुलिस अपने माध्यम से जांच पड़ताल में लगी हुई है।

पटना पुस्तक मेला इस साल 6 से 17 दिसंबर तक

पटना । गांधी मैदान में इस साल भी सीआरडी की ओर से पुस्तक मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह पुस्तक मेला 6 दिसंबर से लेकर 17 दिसंबर 2024 तक लगेगा। इस बार की थीम है- पेड़, पानी, जिंदगी, पर्यावरण बदलो अभी। इस बार पटना पुस्तक मेला भारत की लोकप्रिय गायिका पद्मभूषण शारदा सिन्हा और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित चर्चित लेखिका उषा किरण खान को समर्पित किया गया है। यह जानकारी सीआरडी पटना पुस्तक मेला के अध्यक्ष रत्नेश्वर ने दी है। पुस्तक प्रेमियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सीआरडी पटना पुस्तक मेला गांधी मैदान गेट नंबर 10 की ओर होगा। पटना पुस्तक मेला में कार्यक्रमों का विशेष आकर्षण होगा। जिसमें सिनेमा-उनेमा, कला दीर्घा, जनसंवाद, नुक्कड़ नाटक, कलम, कविताई, किस्सागो, ओपन माइक, बच्चे जैसे कथा कहानी, कैम्पस, स्कूल उत्सव, सुर-संगीत आदि प्रमुख कार्यक्रम होंगे। इस बार सभी कार्यक्रमों को शानदार तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। फिल्म फेस्टिवल के लिए एक सिनेमा हॉल निर्मित किया जाएगा। इसमें प्रत्येक दिन फीचर फिल्म और शार्ट फिल्म दिखाए जाएंगे। प्रत्येक दिन फिल्म के विविध विषयों पर संवाद होगा। जिसमें देश भर के सिने कलाकार और विशेषज्ञ भाग लेंगे। आमजन उनसे सीधा संवाद कर सकेंगे। सिनेमा से जुड़े बिहार के प्रमुख लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस बार भव्य कला दीर्घा का निर्माण होगा. इसमें कला प्रदर्शनी को चार हिस्से में बांटा जाएगा। जिनके तहत युवा कलाकारों की प्रदर्शनी, बिहार के युवा लोक कलाकारों की प्रदर्शनी, बिहार के वरिष्ठ कलाकारों की प्रदर्शनी और बिहार के पद्म पुरस्कार से सम्मानित कलाकारों की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। प्रत्येक दिन कला विषयों पर विमर्श-गोष्ठी भी आयोजित की जाएगी। प्रत्येक दिन बिहार के कुछ विशिष्ट कलाकारों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस बार 'नुक्कड़ खेला' का आयोजन होगा। इसके लिए प्रत्येक टीम पर्यावरण पर केन्द्रित नया नुक्कड़ नाटक तैयार कर रहे हैं। इस बार राग, रंगमार्च, सरगम आर्ट्स, निर्माण कला मंच, रंगसृष्टि, अभियान, द आर्ट मेकर, क्रियेशन, प्रेरणा और लोकमंच के कलाकारों द्वारा नया नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जाएगा। प्रत्येक दिन कविताई और किस्सागो कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रतिदिन शहर और देश के प्रमुख कवि अपनी कविताओं का पाठ करेंगे और देश के प्रमुख कहानीकार अपना कथा-अंश सुनाएंगे। साथ ही प्रतिदिन विविध विषयों पर जन संवाद होगा। स्कूली बच्चों के लिए भी इस बार विशेष कार्यक्रम रखा गया है। "बच्चे जैसे कथा कहानी" यह कार्यक्रम देश के चर्चित किस्सागो डॉक्टर कुमार विमलेन्दु संचालित करेंगे और बच्चों को किस्सा सुनाएंगे। साथ ही बच्चों द्वारा लिखी गयी चुनी कहानियों को पुस्तक की शक्ल दी जाएगी। इस बार प्रत्येक दिन कैम्पस कार्यक्रम होगा, जिसे जागो जंक्शन के साथ मिलकर क्षितिज और अपूर्व संचालित करेंगे।

पटरी से उतरी गिट्टी लदी मालगाड़ी, परिचालन हुआ बाधित

रक्सौल। रेलवे जंक्शन के रेलवे यार्ड में गिट्टी लदी एक मालगाड़ी शनिवार को पटरी से उतर गयी। नरकटियागंज से रक्सौल होकर आदापुर की तरफ जा रही मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण कुछ देर के लिए रक्सौल यार्ड में परिचालन बाधित रहा। हालांकि, इससे सवारी ट्रेनों के परिचालन पर किसी भी तरह का असर नहीं पड़ा है। नरकटियागंज की तरफ से गिट्टी लदी मालगाड़ी आदापुर में गिट्टी गिराने के लिए जा रही थी। गाड़ी के रक्सौल यार्ड लाइन नंबर-5 पर प्रवेश करने के दौरान परेउआ मोहल्ला के आसपास दोपहर के समय ट्रेन बेपटरी हो गयी। मालगाड़ी बेपटरी होने की खबर मिलने के साथ ही, बचाव कर्मी दल यहां पहुंच गए। बेपटरी हुई मालगाड़ी को वापस से ट्रैक पर लाने की प्रक्रिया को शुरू किया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मालगाड़ी के एक वैगन को ट्रैक पर लाया गया। परिचालन को सुचारु किया गया है। बचाव कार्य में स्टेशन अधीक्षक अनिल कुमार सिंह, आरपीएफ इंस्पेक्टर आर आर कश्यप, पीडब्लूआई, सीडब्लूएस एस के गुप्ता, सीएलआई अशोक सिंह, एसएसई संकेत एस के प्रेमी के अलावे अन्य रेल कर्मी मौजूद थे।

बिहार में छठ के दौरान डूबने से 45 की मौत

मरने वालों में ज्यादा बच्चे, कई लापता की तलाश जारी, महापर्व पर नदी-तालाब में हादसा

पटना। बिहार में छठ पर्व के दौरान डूबने से 45 लोगों की मौत हो गई है। कोसी-सीमांचल और पूर्वी बिहार के अलग-अलग जिलों में छठ पर्व पर डूबने से 22 लोगों की जान चली गई। सबसे ज्यादा खगड़िया में 4 लोग डूब गए। इसके अलावा मुंगेर और सहरसा में 3-3, मधेपुरा, किशनगंज, लखीसराय और अररिया में 2-2 लोगों और छपरा में 2 लोगों की डूबने से मौत हुई है। कटिहार और पूर्णिया में 1-1 की मौत हुई है। वहीं, भागलपुर जिले में दो लोगों की डूबने से मौत हो गई। लापता की एसडीआरएफ की टीम तलाश कर रही है। खगड़िया में अलग-अलग जगहों पर छठ घाट तैयार करने और नदी में स्नान के दौरान दो किशोरी समेत पांच लोग डूब गए। इसमें से चार के शव को निकाला गया। लापता किशोरी को एसडीआरएफ टीम ढूंढ रही है। मुंगेर जिले के अलग-अलग प्रखंड में गुरुवार और शुक्रवार को अर्घ्य के दौरान दो बच्चे समेत छह लोग डूब गए। इसमें से दो लोगों को गोताखोरों ने बचा लिया, जबकि तीन लोगों की मौत हो गई और एक की तलाश जारी है।

सहरसा में एक युवक, एक बच्चा और एक किशोरी की मौत हो गई। लखीसराय में छठ पूजा के दौरान घाट पर नहाने और सेल्फी लेने के दौरान दो बालक की मौत डूबने हो गई। पूर्णिया के कसबा के मलहरिया कोसी नदी पुल के समीप गुरुवार को एक महिला का शव कोसी नदी से बरामद हुआ। कटिहार के बारसोई प्रखंड की कदमगाछी पंचायत के आलेपुर छठ घाट में छठ पूजा देखने गए भाई-बहन का घाट पर पैर फिसल जाने से दोनों डूब गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने बहन को बचा लिया, लेकिन भाई की डूबकर मौत हो गई। उधर, मधेपुरा में भी एक बच्चा समेत दो लोगों की डूबकर मौत हो गई। वहीं उत्तर बिहार में विभिन्न स्थानों पर डूबने से 19 लोगों की मौत हो गई। समस्तीपुर में सबसे ज्यादा 7 लोगों की मौत हुई है। वहीं, मुजफ्फरपुर में 3, सीतामढ़ी में 5, मोतिहारी में 2 और दरभंगा और मधुबनी में एक-एक व्यक्ति की मौत डूबने से हो गई। छपरा में छठ महापर्व के दौरान एक नाव पलटने से 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक लापता है। हादसा तरैया थाना क्षेत्र के पंचभिंडा गांव के तालाब में हुआ। जहां छोटी सी नाव पर 10 लड़के सवार थे। आरा सोन नदी में स्नान करते समय सहार प्रखंड में अंधारी गांव के घाट पर छह बच्चे-बच्चियों डूब गए। इनमें दो बच्चियों की मौत हो गई। डूबने और एसडीआरएफ के तलाशी अभियान के बाद 36 घंटे बाद भी एक बच्चा नहीं मिल सका है। घटना गुरुवार को सुबह 11 बजे चौरी थाना क्षेत्र के अंधारी गांव के सामने नदी में हुई।

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूड़ू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से **ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को** नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा **था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।**

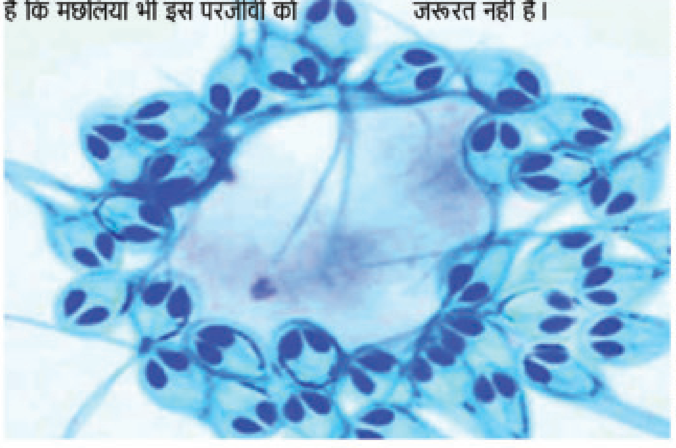

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टडी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण (बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

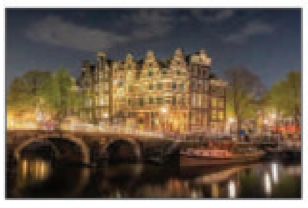

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाएंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

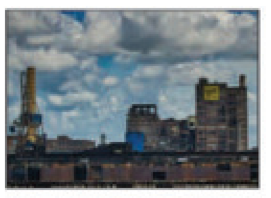

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

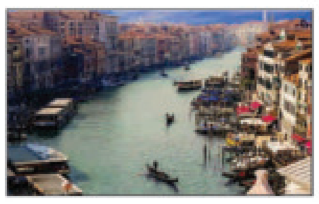

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती हैं और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चीटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चीटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चीटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चीटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चीटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चीटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

सैमसन के तूफान में उड़ा दक्षिण अफ्रीका, भारत 61 रन से जीता

डरबन (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन के तूफानी शतक के बाद वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई की स्पिन जोड़ी के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने यहां किंग्समीड क्रिकेट ग्राउंड पर शुक्रवार को खेले गए पहले टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 61 रनों से हरा दिया।

जीत के लिए 203 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम शुरू से ही दबाव में दिखी और 17.5 ओवर में 141 के स्कोर पर आउट हो गई। भारत के लिए चक्रवर्ती और बिश्नोई ने तीन-तीन विकेट लिए। आवेश खान ने दो बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई जबकि अर्शदीप के खाते में एक विकेट आया।

पहले ओवर में एडेन मार्करम ने अर्शदीप सिंह को दो चौके जड़कर आक्रामक बल्लेबाजी की कोशिश की, लेकिन चौथी ही गेंद पर वह आउट हो गए। विकेट कीपर संजू सैमसन ने विकेट के पीछे उनका आसान सा कैच लपका। भारतीय गेंदबाज लगातार अंतराल पर विकेट निकालते रहे और दक्षिण अफ्रीका का कोई भी खिलाड़ी बड़ा स्कोर नहीं कर सका।

आवेश खान ने ट्रिस्टन स्टब्स (11) के रूप में चौथे ओवर में टीम को दूसरी सफलता दिलाई। उस समय दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 30 रन था। छठे ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने रेयान रिकेल्टन (21) को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए हेनरिक क्लासेन ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। डेविड मिलर 18 और पैट्रिक क्रुगर एक रन पर आउट हुए।

एक समय 12.5 ओवर में 93 रन पर दक्षिण अफ्रीका के सात बल्लेबाज आउट हो चुके थे। मार्को जेनसन (12) और गेराल्ड कोएट्जी (11 गेंद पर 23 रन) ने टीम के संघर्ष को आगे बढ़ाया। जेनसन को बिश्नोई ने पांड्या के हाथों कैच कराया। कोएट्जी 17वें ओवर में रन आउट हो गए। वह केशव महराज के शॉट पर सिंगल लेने के लिए भागे थे। बीच में दोनों बल्लेबाजों के बीच कुछ गफलत हुई और सूर्य कुमार यादव ने स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स बिखेर दिए। इसके बाद मैच में औपचारिकताएं रही गईं। पूरी टीम 19 गेंद शेष रहते 141 रन पर आउट हो गई।

इससे पहले सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन की 107 रनों की आतिशी पारी के दम पर भारत ने 202/8 का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह सैमसन का लगातार दूसरा शतक है। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला मेजबान टीम के लिए महंगा साबित हुआ। सैमसन ने सभी गेंदबाजों की धुलाई करते हुए महज 50 गेंद में 107 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 10 छक्के और सात चौके लगाते हुए 88 रन बाउंड्री से जोड़े। यह दक्षिण अफ्रीका का खिलाफ किसी भी भारतीय का सबसे तेज टी20 शतक है।

उन्होंने भारत के लिए किसी अंतर्राष्ट्रीय टी20 मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने की रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ 22 दिसंबर 2017 को इंदौर में 118 रन की अपनी पारी में 10 छक्के लगाए थे। उन्होंने महज 43 गेंदों की उस पारी में 12 चौके भी लगाए थे। पारी के चौथे ओवर में 24 के स्कोर पर गेराल्ड कोएट्जी की गेंद पर अभिषेक शर्मा (7) के मिडऑफ पर कैच आउट होने के बाद संजू सैमसन ने कप्तान सूर्य कुमार यादव (21) के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी की। यादव को पैट्रिक क्रुगर ने एंडिल सिमलेन के हाथों कैच कराया।

चौथे नंबर पर बैटिंग करने आए तिलक वर्मा (33) ने भी 18 गेंदों की अपना पारी में दो छक्के और तीन चौके लगाए। वह 15वें ओवर में केशव महराज के शिकार हुए। उस समय भारत

का स्कोर 167 रन था। अगले ओवर में 175 के स्कोर पर काबायोम्जी पीटर को अपना विकेट दे बैठें। वह मिडिल और लेग स्टंप की गेंद को स्वीप करने के चक्कर में डीप मिड विकेट पर ट्रिस्टन स्टब्स को कैच थमा बैठे।

इसके बाद भारतीय बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। रिंकू सिंह ने 11 और अक्षर पटेल ने सात रनों की पारी खेली। अर्शदीप सिंह पांच रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 203 रनों की जरूरत है। दक्षिण अफ्रीका के लिए कोएट्जी ने चार ओवर में 37 रन देकर सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। मार्को जेनसन, केशव महराज, पीटर और क्रुगर के खाते में एक-एक विकेट आए।

आरसीबी को बेहतर बनाने चहल, अश्विन सहित इन खिलाड़ियों को शामिल करें: डिविलियर्स

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में रहे स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने 2025 आईपीएल नीलामी को लेकर अपने सुझाव दिये हैं। डिविलियर्स ने कहा कि टीम को बेहतर बनाने के लिए गेंदबाजी में बदलाव की जरुरत है। उन्होंने कहा कि गेंदबाजी में युजवेंद्र चहल और आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों को खिलाड़ियों को शामिल करना होगा। इसके अलावा तेज गेंदबाज के तौर पर कैगिसा रबाडा और भुवनेश्वर कुमार को भी शामिल किया जाये।

डिविलियर्स ने कहा कि आरसीबी को चहल को अपनी टीम में वापस लाना चाहिए,इसके अलावा अश्विन को अपनी टीम से जोड़ना चाहिए। साथ ही कहा कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ये दोनों टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। चहल और अश्विन दोनों ही पिछले सत्र में साथ थे। ये दोनों ही राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे, जिन्हें इस बार बरकरार नहीं रखा गया है। उन्होंने कहा कि रबाडा और भुवनेश्वर को टीम में लाइए। रबाडा, चहल, भुवी और अश्विन मिलकर कमाल कर सकते हैं। अब देखना होगा कि आरसीबी प्रबंधन उनकी सलाह को कितनी गंभीरता से लेता है। इसमें विराट कोहली की भी अहम भूमिका रह सकती है, जो आरसीबी के लिए पहले सत्र से खेल रहे हैं। गौरतलब है किआरसीबी ने आईपीएल के लिए 3 खिलाड़ियों को रीटेन किया है। उसने विराट कोहली को 21 करोड़, रजत पाटीदार को 11 करोड़ और यश दयाल को 5 करोड़ रुपए देकर अपनी टीम के साथ जोड़े रखा है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से ध्रुव जुरेल की हो सकती है टेस्ट टीम में एंट्री

मेलबर्न (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट मैच में भारत ए की ओर से खेलते हुए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में दो महत्वपूर्ण अर्धशतक जड़कर भारत की सीनियर टेस्ट टीम में संभावित स्थान के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है।

जुरेल की दोनों पारियों में संयम और तकनीकी समझ की झलक देखने को मिली, जिससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबावों के लिए उनकी काबिलियत का पता चलता है। इस महीने के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सीनियर भारतीय टीम तैयार है, ऐसे में जुरेल का यह प्रदर्शन उन्हें टीम इंडिया में मौका दिला सकता है।

पहली पारी में 23 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज 11/4 के खराब स्कोर पर क्रीज पर उतरा। फिर, शुरुआत में धीमी और जुझारू बल्लेबाजी करते हुए जुरेल ने 186 गेंदों पर 80 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी दूसरी पारी भी उतनी ही प्रभावशाली रही, जब स्कोर 44/4 था और उन्होंने 122 गेंदों पर 68 रन बनाए। एक बार फिर टीम के शीर्ष क्रम के फ्लॉप होने के बाद, उन्होंने पारी को संभाला और नितीश कुमार रेड्डी के साथ 94 रन की ठोस साझेदारी करके टीम को 229 रन तक पहुंचने में मदद की।

दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट से पहले इंडिया ए टीम में शामिल किए गए विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल दोनों पारियों में फ्लॉप रहे। भारतीय पारी की शुरुआत करने का मौका मिलने पर उन्होंने क्रमशः 4 और 10 रन बनाए।

मैच की दोनों परिस्थितियां कठिन थी, एमसीजी के आसमान में बादल छाए हुए थे और पिच ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की मददगार थी। इन पारियों ने न केवल जुरेल की तकनीक और स्वभाव को दिखाया, बल्कि दबाव में उनकी परिपक्वता को भी दर्शाया। दोनों पारियों में ठोस प्रदर्शन के बाद, भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने जुरेल को एक बल्लेबाज के रूप में प्लेइंग-11 में शामिल करने की वकालत की।

सैमसन को आज फिर खेलनी होगी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार पारी

भारत के अन्य बल्लेबाजों को कमजोर प्रदर्शन टीम के लिए चिंता

गकेबरहा (एजेंसी)। भारत को अगर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके अपना विजय अभियान जारी रखना होगा। जहां सैमसन ने डरबन में पहले मैच में 50 गेंद पर 107 रन की शानदार पारी खेली थी जिससे भारत ने यह मैच 61 रन से जीता। भारत के अन्य बल्लेबाजों को कमजोर प्रदर्शन टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा कई मौके मिलने के बावजूद उनका फायदा नहीं उठा सके, जो टीम के लिए बड़ी चिंता की बात है। वह इस साल के शुरू में जिंबॉब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बाद रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जबकि वे रोहित शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद इस छोटे प्रारूप में सलामी बल्लेबाज के अन्य विकल्पों की तलाश कर रहा है। तिलक वर्मा ने 18 गेंद पर 33 रन की तूफानी पारी खेली लेकिन उन्हें इस तरह की शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की जरूरत है। अगर वर्मा को अपनी जगह पक्की करनी है, तब उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पहले मैच में अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी उम्मीद पर खरे नहीं उतरे। भारतीय मध्यक्रम कागजों पर मजबूत दिखाता है, लेकिन पहले मैच में वे साझेदारी निभाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए। भारत ने 36 रन के अंदर छह विकेट गवाएं जिससे एक समय बेहद मजबूत स्थिति में होने के बावजूद वह आठ विकेट पर 202 रन तक ही पहुंच पाया।

इससे भारत के मध्य और निचले क्रम की कमजोरी सामने आई। भारत को दूसरे मैच में इस क्षेत्र में सुधार करना होगा। भारत के गेंदबाजों ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को पहले मैच में 17.5 ओवर में 141 रन पर आउट कर दिया। वरुण चक्रवर्ती ने तीन विकेट लेकर अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि उनके स्पिन जोड़ीदार रवि बिश्नोई ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है, तब वह इस साल जून में भारत के हाथों टी20 विश्व कप के फाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने में असफल रहा। टीम को अपने कई सीनियर खिलाड़ियों की कमी खल रही है।

टीम इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक। आवेश खान, यश दयाल।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रुगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिले सिमलेन, ट्रिस्टन स्टब्स।

रोहित को लेकर गावस्कर के बयान से सहमत नहीं फिंच

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के उस बयान की आलोचना की है । जिसमें गावस्कर ने कहा था कि अगर रोहित शर्मा शुरुआती एक दो मैचों में बाहर रहते हैं तो उन्हें सीरीज के बीच में टीम से जुड़ने पर एक कप्तान नहीं बल्कि खिलाड़ी के तौर पर जुड़ना चाहिये । रोहित ने निजी कारणों से पहले टेस्ट से बाहर रहने की बात कही है । ऐसे में टीम की कप्तानी उपकप्तान जसप्रीत बुमराह के संभालने की उम्मीद है । इसी को लेकर फिंच ने कहा कि रोहित टीम के एकमात्र कप्तान हैं अगर वह किसी निजी कारण से पहला टेस्ट नहीं खेल पाते तो इसका मतलब ये नहीं कि वह आगे सीरीज में कप्तानी नहीं कर सकते। वहीं गावस्कर ने कहा था कि अगर रोहित शुरुआती टेस्ट में नहीं खेल पाते तो उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को स्थायी कप्तान घोषित किया जाए । रोहित को बाद में बतौर खिलाड़ी टीम में जोड़ लिया जाए पर कप्तान वही क्रिकेटर रहे जिसने पहला टेस्ट बतौर कप्तान खेला हो । उनका मानना है कि यदि आवश्यक हो, तो सभी 5 टेस्ट मैचों के लिए नेतृत्व पूरी तरह से बुमराह को सौंपा जाना चाहिए, क्योंकि एक बड़ी सीरीज के दौरान कप्तानी को बदलना आदर्श से बहुत दूर है । हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान फिंच, गावस्कर से पूरी तरह असहमत हैं और उनका मानना है कि रोहित टीम के एकमात्र कप्तान हैं ।

एंडरसन ने इस कारण आईपीएल के लिए कराया रजिस्ट्रेशन

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जरिये खेल को लेकर अपना ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं । इसीलिए उन्होंने पहली बार आईपीएल मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है । एंडरसन ने इस साल की शुरुआत में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी । उन्होंने अपना अंतिम अंतिम टी20 मैच 2014 में खेला था । वह आईपीएल में कभी नहीं खेले हैं । इस प्रकार वह करीब एक दशक के बाद कोई टी20 मैच खेलेंगे । आईपीएल मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होगी । इसके लिए एंडरसन ने अपना आधार मूल्य 1.25 करोड़ रुपए रखा है । एंडरसन ने इंग्लैंड के लिए 188 मैच में 704 विकेट लिए । इससे वह श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गजर स्पिनर शेन वार्न 708 के बाद तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं । एंडरसन ने कहा, 'मेरे अंदर अब भी कुछ ऐसा है जिसे लगता है कि मैं अब भी खेल सकता हूं । मैंने कभी आईपीएल नहीं खेला है । मैंने कभी इसका अनुभव नहीं किया है और कई कारणों से मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है । उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी टी20 लीग में खेलकर वह केवल एक गेंदबाज के तौर पर अपना ज्ञान ही नहीं बढ़ाना चाहते बल्कि बतौर कोच और अनुभव और ज्ञान हासिल करना चाहते हैं । इस तेज गेंदबाज ने कहा, ''मैंने गर्मियों में अपना करियर खत्म करने के बाद से ही कुछ समय कोचिंग भी की है । मैं इंग्लैंड की टीम के साथ थोड़ा बहुत 'मेंटोर के तौर पर भी काम कर रहा हूं । उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की लीग में खेलने और उसका अनुभव हासिल करने से शायद मुझे खेल के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाने में मदद मिले जिससे आगे चलकर मुझे और लाभ मिलेगा ।

गौतम गंभीर के लिए ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज करो या मरो का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में हार और न्यूजीलैंड से घर पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप होने के बाद गौतम गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठने लगे हैं। उनके कोचिंग करियर में अब सबकी नजरें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के टॉप अधिकारियों ने टीम के खराब प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज गौतम गंभीर के लिए करो या मरो का मामला बन चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, अगर भारत ऑस्ट्रेलिया में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं करता, तो बीसीसीआई गंभीर से टेस्ट कोच की भूमिका छीन सकता है। हालांकि, बीसीसीआई उन्हें व्हाइट-बॉल क्रिकेट (वनडे और टी20) का कोच बनाए रख सकता है।

लक्ष्मण जैसे विशेषज्ञ को टेस्ट क्रिकेट का कोच बनाने पर विचार

इस मामले को लेकर एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में हार जाती है, तो बीसीसीआई वीवीएस लक्ष्मण जैसे विशेषज्ञ को टेस्ट क्रिकेट का कोच बनाने पर विचार कर सकता है। गंभीर तब केवल वनडे और टी20 के कोच के रूप में काम करेंगे। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि गंभीर इस बदलाव को स्वीकार करेंगे या नहीं। यदि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी कड़ा मुकाबला रहता है तो बीसीसीआई के लिए निर्णय लेना मुश्किल हो सकता है।

टीम चयन को लेकर दिखे मतभेद

गंभीर ने शुक्रवार को बीसीसीआई चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा के साथ एक 6 घंटे लंबी बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की 0-3 से टेस्ट सीरीज हार और इसके कारणों पर चर्चा की गई। गंभीर और भारतीय टीम के थिंक-टैंक के बीच कुछ फैसलों को लेकर मतभेद थे, खासकर टीम चयन को लेकर। आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए यह मतभेद टीम के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी धरती पर हमेशा मजबूत रही है और ऐसे में गंभीर को अपनी रणनीति और टीम चयन में बेहद सावधानी बरतनी होगी।

न्यूजीलैंड से हार की बीसीसीआई ने की समीक्षा, गंभीर की कोचिंग शैली पर चर्चा

-ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने से पहले टीम को मजबूती देने किया गया विचार

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की 0-3 की करारी हार के बाद समीक्षा बैठक की है । इस बैठक में मुंबई टेस्ट के लिए रैंक टर्नर पिच का चयन जसप्रीत बुमराह को आराम देना और कोच गौतम गंभीर की कोचिंग शैली पर गहन चर्चा हुई । बीसीसीआई सचिव जय शाह, अध्यक्ष रोजर बिन्नी, कप्तान रोहित शर्मा, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गंभीर ने इस 6 घंटे लंबी बैठक में हिस्सा लिया । बैठक में गंभीर की कोचिंग शैली उनके पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ से अलग मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक बीसीसीआई ने भारत की हार पर चिंता जताई कि टीम को ऑस्ट्रेलिया के दौरे से पहले कैसे पटरी पर लाया जाए। बीसीसीआई को यह भी जानना था कि गंभीर-रोहित-अगरकर की थिंक टैंक टीम इस स्थिति को लेकर क्या सोचती है और किस दिशा में सुधार कर सकती है । बैठक में एक प्रमुख मुद्दा यह था कि तीसरे टेस्ट के लिए बुमराह को आराम देने का फैसला और पुणे में हारने के बाद रैंक टर्नर पिच का विकल्प क्यों चुना गया । बुमराह की अनुपस्थिति को एक एहतियाती कदम माना गया है, लेकिन पिच का चयन बीसीसीआई अधिकारियों को उचित नहीं लगा । इसके अलावा भारतीय टीम के चयन पर भी सवाल उठे । खासतौर पर टी20 विशेषज्ञ नीतीश रेड्डी और नए तेज गेंदबाज हर्षित राणा का चयन नहीं करने पर । अब बीसीसीआई इस बात को लेकर विचार कर रहा है कि आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे की जाए । टीम इंडिया 10 और 11 नवंबर को दो टुकड़ियों में ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी और बीसीसीआई यह तय करना चाहता है कि टीम इस हार से उबर कर अपनी आगामी चुनौती के लिए तैयार हो ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट खेलेंगे या नहीं रोहित शर्मा, आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। दोनों टीमों के तहत 5 मैचों के तहत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज 22 नवंबर से होगा। लेकिन अगले कुछ ही दिनों में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो जाएगी। ताकि वहां के हालत में खुद को बेहतर ढाल सके। अब बड़ा सवाल ये है कि क्या भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पर्थ में खेले जाने वाले पहले टेस्ट खेलेंगे और वह टीम इंडिया के साथ ही उड़ान भरेंगे? कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित टीम इंडिया के खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित शर्मा जल्द ही पिता बनने वाले हैं। इस कारण वह पर्थ टेस्ट मिस कर सकते हैं। हालांकि, रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया जाएंगे, लेकिन पहले टेस्ट में खेलने के आसार कम हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया सीरीज के शुरुआती मैचों में रोहित शर्मा से उपलब्धता के बारे में पूछा गया। जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि ये अभी निश्चित नहीं है, लेकिन देखता हूं आगे क्या होता है। हालांकि, इस वक्त तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि निजी कारणों के चलते वह पर्थ टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

फिलहाल, पिछले दिनों भारतीय टीम को अपने घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। कीवी टीम ने 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत का सूपड़ा साफ कर इतिहास रच दिया। इस हार के बाद भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की राहें बेहद मुश्किल हो गई हैं आअब भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 4 टेस्ट जीतने होंगे।

एफआईएच अवार्ड 2024: हरमनप्रीत सिंह और पीआर श्रीजेश ने जीता प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश को एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर से नवाजा गया। जहां हरमनप्रीत सिंह को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और श्रीजेश को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

हरमनप्रीत और श्रीजेश दोनों को 8 नवंबर यानी शुक्रवार की रात ओमान में 49वीं एफआईएच कांग्रेस के दौरान यह सम्मान मिला। हरमनप्रीत ने शीर्ष पुरस्कार हासिल करने के लिए नीदरलैंड के जोएप डी मोल और थियरी ब्रिंकमैन, जर्मनी के हेंस मुलर और इंग्लैंड के जैक वालेस को पीछे छोड़ा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेरिस ओलंपिक में सर्वाधिक 10 गोल किए थे। उन्होंने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में गोल करने के अलावा स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक के मैच में भारत की तरफ से दोनों गोल किए।

भारत ने यह मैच 2-1 से जीतकर ओलंपिक में लगातार दूसरी बार पोडियम स्थान हासिल किया। पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास लेनेवाले श्रीजेश ने गोलकीपर वर्ग में शीर्ष पुरस्कार हासिल करने की दौड़ में नीदरलैंड के पिरमिन ब्लैक, स्पेन के लुइस कैलजाडो, जर्मनी के जीन पॉल डेनेबर्ग और अर्जेंटीना के टॉमस सैंटियागो को पीछे छोड़ा। हरमनप्रीत ने इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में भी एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता था लेकिन तीसरा सम्मान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे उन्होंने ओलंपिक पदक जीतने के बाद हासिल किया है।

कप्तान के रूप में यह उनका पहला सम्मान है। हरमनप्रीत ने कहा,''सबसे पहले तो मैं इस सम्मान के लिए एफआईएच का आभार व्यक्त करता हूं। ओलंपिक में पदक जीतकर स्वदेश लौटना शानदार रहा जहां हमारा स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। यह बहुत ही खास एहसास था। मैं यहां पर अपने साथियों का जिक्र करना चाहूंगा। आपके बिना यह कुछ भी संभव नहीं हो पाता।'' उन्होंने कहा,''मैं हमें हर स्तर पर सफलता हासिल करने का मौका देने के लिए हॉकी इंडिया का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। मेरी पत्नी और बेटी आज यहां हैं और उनके सामने यह पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इसलिए इसे संभव बनाने वाले सभी लोगों को धन्यवाद।''

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले श्रीजेश ने भी तीसरी बार वर्ष के सर्वश्रेष्ठगोलकीपर का पुरस्कार हासिल किया। इससे पहले उन्होंने 2020-21 और 2021-22 में यह पुरस्कार जीता था। श्रीजेश ने कहा,''मैं आज बहुत खुश हूं। मेरे खेल करियर के इस आखिरी खेल सम्मान के लिए धन्यवाद। यह पुरस्कार पूरी तरह से मेरी टीम

का है, डिफेंस का है जिसने यह सुनिश्चित किया कि ज्यादातर हमले मुझ तक न पहुंचें। यह पुरस्कार मिडफील्डर और फॉरवर्ड का है जिन्होंने मैंने जितने गोल खाए उससे अधिक गोल करके मेरी गलतियों को छुपाया।''

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों के लिए टीम की घोषणा की

सेंट जॉन्स । क्रिकेट वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के पहले दो मैचों के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जो बारबाडोस के प्रतिष्ठित केंसिंग्टन ओवल में होगी । वेस्टइंडीज टी20 टीम घरेलू मैदान पर एक प्रभावशाली ताकत रही है और 2023 से अब तक चार टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अजेय रही है । इस प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें आईसीसी पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में ऊपर पहुंचा दिया है, जो वैश्विक मंच पर उनके पुनरुत्थान को दर्शाता है । हेड कोच डेरेन सैमी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि चुनी गई वेस्टइंडीज टीम ऐसे खेलना जारी रखेगी जो उन्हें मैच जीतने में मदद करे । सैमी ने कहा, 'टी20 टीम हमारी सबसे व्यवस्थित टीम है, जिसमें कई अनुभवी खिलाड़ी हैं । हालांकि, प्लेइंग 11 को चुनना मुश्किल होगा क्योंकि हर एक खिलाड़ी प्लेइंग 11 में जगह बनाने के लिए चुनौती पेश कर रहा है । चूंकि हमारा सामना इंग्लैंड की बहुत अच्छी टीम से है, इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि चुनी गई टीम इस तरह की क्रिकेट खेलेगी, जिससे हम मैच जीत सकें और यह प्रतिद्वंद्विता श्रृंखला जीत सकें ।' अकील होसेन, शिमरोन हेटमायर, निकोलस पूरन और आंद्रे रसेल, जो व्यक्तिगत कारणों से हाल ही में श्रीलंका दौरे से चूक गए थे, टीम में फिर से शामिल हो गए हैं, जिससे टीम में गहराई और अनुभव जुड़ गया है । मध्यम गति के गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड, जिन्हें हाल ही में श्री लायंस के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था, ने तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की जगह ली, जो दो मैचों का निलंबन झेल रहे हैं ।

जम्मू के संत को आतंकियों ने टुकड़े-टुकड़े करने की दी धमकी

मोदी-आरएसएस का समर्थन करना पड़ रहा भारी

श्रीनगर । जम्मू में एक हिंदू संत को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस का समर्थन करना भारी पड़ गया है। यहां आतंकवादियों ने वीडियो कॉल पर संत को जान से मारने की धमकी दी है। शनिवार को अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों ने संत को आरएसएस की विचारधारा को आगे बढ़ाने और इस इलाके में पीएम मोदी का समर्थन करने पर 'टुकड़े-टुकड़े' करने की धमकी दी। हिंदू संत साहिलजी महाराज को सात नवंबर को यह धमकी भरा कॉल आया था। कॉल पर आतंकियों ने कहा, हम तुम्हारे करीब हैं। उन्होंने संत साहिलजी महाराज को घाटी में आरएसएस और पीएम मोदी का समर्थन करने के लिए टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी दी है। यह धमकी ऐसे वक्त में मिली है, जब आतंकी लगातार नन-कश्मीरियों को टारगेट कर रहे हैं।

लुधियाना में डेंगू के मामलों में बढ़ोत्तरी, मरीजों की संख्या 300 के पार

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में डेंगू के मामलों में बढ़ोत्तरी हो रही है। नवंबर माह में सर्दी न पड़ने के कारण डेंगू फैलाने वाले एडीज एजिप्टी मच्छरों की सक्रियता बढ़ गई है, इससे रोगियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अब तक डेंगू के कुल मरीजों की संख्या 300 के पार पहुंच चुकी है। सिर्फ अक्टूबर महीने में 176 से अधिक नए केस सामने आए थे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अक्टूबर और नवंबर महीने में डेंगू के मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिसंबर में तापमान के गिरने के बाद ही डेंगू के मामलों में कमी आ सकती है, जब रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे और दिन का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। हालांकि, पिछले साल नवंबर के पहले सप्ताह में डेंगू के मरीजों की संख्या 750 को पार कर गई थी, लेकिन इस बार यह आंकड़ा कम है। जिससे प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने राहत की सांस ली है। विशेषज्ञों के अनुसार, डेंगू के मच्छर मुख्य रूप से सुबह और शाम के समय सक्रिय रहते हैं। इसलिए लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे कि इसतरह के कपड़े पहनना जो पूरे शरीर को ढकते हों, मच्छरदानी का उपयोग करना, और रात के समय खुले स्थानों पर जाने से बचना। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को विशेष रूप से सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि उनकी इम्युनिटी कमजोर होती है।

दिल्ली में छाई है धुंध की चादर, अभी ठंड के लिए करना पड़ेगा इंतजार

-देश के 4 राज्यों में तेज बारिश की संभावना, उत्तर भारत में हल्की ठंड शुरु

नई दिल्ली। इस साल ठंड के आगमन में देरी के कारण दिल्ली-एनसीआर को अभी और इंतजार करना होगा। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक राजधानी में न्यूनतम तापमान 20.05 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जबकि दिन में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है। बढ़ते प्रदूषण के चलते दिल्ली में धुंध की चादर बिछी हुई है, जो हवा की गुणवत्ता को खराब कर रही है जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है खासतौर से बच्चे और बुजुर्गो को। दिल्ली-एनसीआर के साथ ही उत्तर भारत के कई राज्यों में हल्की ठंड शुरु हो गई है। सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस होने लगी है, हालांकि दिन में तेज धूप से गर्मी का अहसास होता है। आईएमडी का अनुमान है कि यूपी और बिहार के कुछ हिस्सों में हल्का कोहरा छाने की उम्मीद है, जिससे सुबह और शाम ठंड बढ़ सकती है। आने वाले दिनों में 4 राज्यों में तेज बारिश की संभावना भी जताई गई है, जिससे ठंड बढ़ सकती है। बारिश का यह दौर इन राज्यों में तापमान को थोड़ा कम करेगा और ठंड के असर को बढ़ाएगा। इसके साथ ही उत्तर भारत के अन्य राज्यों में भी धीरे-धीरे ठंड के बढ़ने के आसार हैं। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से हवा में धुंध बनी हुई है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है। ठंड के साथ प्रदूषण बढ़ने पर हवा की गुणवत्ता और भी खराब होने का खतरा है। आईएमडी के मुताबिक ठंड के असर को देखने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन आने वाले हफ्तों में ठंडी हवाओं के चलने की उम्मीद की जा रही है।

स्टाम्प पेपर पर छाप लिए 500 के नकली नोट, पुलिस ने दबोचा

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ शातिर लोग यू-ट्यूब पर वीडियो देखकर नकली नोट छापने के तरीके सीख रहे थे। ये लोग असली नोट जैसे दिखने के लिए 10 के स्टांप पेपर का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 500-500 रुपये के लगभग 10,000 रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे नकली नोटों को असली जैसा दिखाने के लिए 10 के स्टांप पेपर का उपयोग करते थे। स्टांप पेपर पर नोट छापने से नकली नोट अधिक विश्वसनीय और असली जैसे दिखने लगते थे, जिससे लोग संदेह न कर सकें। इसके अलावा, इन आरोपियों ने नोटों की हूबहू नकल तैयार करने के लिए प्रिंटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया। सोनभद्र के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कालू सिंह ने बताया कि पुलिस को सुराग मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इस गिरोह के और सदस्य हैं, जो इस अपराध में लिप्त हो सकते हैं। नोट छापने में इस्तेमाल होने वाले प्रिंटर, लैपटॉप और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नकली नोटों का धंधा करने वाले कुछ लोग रामगढ़ बाजार क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत छापा मारा और मौके पर मौजूद दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रमोद मिश्रा निवासी चुर्क थाना, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र और सतीश राय निवासी मिर्जापुर के रूप में हुई है।

कृषि मंत्रालय ने उत्तरी राज्यों में कृषि योजना कार्यान्वयन की मध्यावधि समीक्षा की

एजेंसी

नयी दिल्ली : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने उत्तरी राज्यों द्वारा क्रियान्वित कृषि योजनाओं की मध्यावधि समीक्षा करने के लिए कृषि भवन, नयी दिल्ली में एक क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा तथा केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और दिल्ली के प्रमुख अधिकारी इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रगति का मूल्यांकन करने तथा चुनौतियों का समाधान करने के लिए एकत्रित हुए।

बैठक के दौरान सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने राज्यों से समय पर धनराशि का आवंटन सुनिश्चित करके तथा राज्य अंशदान और एकल नोडल खाते (एसएनए) की धनराशि से संबंधित मुद्दों का समाधान करके केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के क्रियान्वयन में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने एसएनए-स्पर्श को चालू करने, अप्रयुक्त शेष राशि और ब्याज वापस करने तथा उपयोग प्रमाण पत्र (यूसी) को तुरंत जमा करने के महत्व पर जोर दिया।

सम्मेलन में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) और कृषोन्नति योजना सहित प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया, जहां गैर-निष्पादित राज्यों को वित्त वर्ष के शेष महीनों में अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डॉ. चतुर्वेदी ने अप्रैल तक पहली किस्त समय पर जारी करना सुनिश्चित करने के लिए, राज्यों को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दिसंबर तक आरकेवीवाई वार्षिक कार्य योजना को अंतिम रूप देने की भी सलाह दी, जिसका उद्देश्य फंड के उपयोग में पिछली देरी में की लाना है। इस अवसर पर, ऋण पहुंच बढ़ाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) मिशन, जोखिम कम करने और फसल बीमा का विस्तार करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) और डेटा आधारित कृषि को आगे बढ़ाने के लिए डिजिटल कृषि मिशन जैसी प्रमुख पहलों की व्यापक समीक्षा की गई। सम्मेलन में फसल सर्वेक्षणों में डिजिटल एकीकरण और पीएम किसान के तहत संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए एग्रीस्टैक के साथ राज्य भूमि रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

बैठक में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन, कीटनाशक अधिनियम के तहत प्रयोगशालाओं के लिए एनएबीएल मान्यता और क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि निवेश पोर्टल और कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) के कुशल उपयोग सहित उच्च प्राथमिकता वाले विषयों पर भी चर्चा की गई।

संयुक्त सचिव (आईसी, तिलहन और ऋण) श्री अजीत कुमार साहू ने समीक्षा के लिए एजेंडा निर्धारित किया और उत्तरी राज्यों के कृषि विभागों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ जनजातीय मामलों, नाबार्ड और सहकारिता सहित संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

सम्मेलन का समापन एक ओपन हाउस सत्र के साथ हुआ, जिसमें हितधारकों को कार्यान्वयन से जुड़ी बाधाओं पर काबू पाने और कृषि कार्यक्रमों की पहुंच को अधिकतम करने के बारे में जानकारी देने का अवसर मिला। यह क्षेत्रीय सम्मेलन भारत सरकार द्वारा आयोजित एक श्रृंखला का हिस्सा है, जो विशिष्ट क्षेत्रीय कृषि आवश्यकताओं को संबोधित करता है और इसका लक्ष्य पूरे देश में समान और टिकाऊ कृषि विकास है।

जलवायु परिवर्तन के चलते मौसमी घटनाओं से हुई हजारों मौतें, लाखों घर हुए तबाह, रिपोर्ट से हुए अनेक खुलासे

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसमी घटनाओं का बढ़ता खतरा जनजीवन और संपत्तियों पर गहरा असर डाल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल के पहले नौ महीनों में देश के 93 फीसदी दिनों में किसी न किसी रूप में चरम मौसम की स्थिति देखी गई। अत्यधिक गर्मी, ठंडी हवाएं, चक्रवात, बिजली गिरना, भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं ने देशभर में तबाही मचाई। रिपोर्ट के मुताबिक इन चरम मौसमी घटनाओं के कारण 3,238 लोगों की जान चली गई, जबकि 32 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर बुरा असर पड़ा। साथ ही, 2,35,862 घर और इमारतें नष्ट हुई और करीब 9,457 पशु मारे गए। सीएसई की महानिदेशक सुनीता नारायण के मुताबिक जलवायु परिवर्तन की यह भयावह तस्वीर दिखाती है कि मौसमी घटनाओं का प्रभाव अब गंभीर होता जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 ने जलवायु के कई नए रिकॉर्ड बनाए। जनवरी 1901 के बाद से सबसे शुष्क महीनों में शामिल हुआ जबकि फरवरी में 123 सालों में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। मई में चौथा सबसे उच्च औसत तापमान देखा गया और जुलाई, अगस्त व सितंबर ने भी 1901 के बाद से उच्चतम न्यूनतम तापमान के रिकॉर्ड दर्ज किए। रिपोर्ट में जलवायु संकट की गंभीरता को समझने के लिए इन चरम मौसमी घटनाओं पर तत्काल कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया।

हिमाचल प्रदेश की राजनीति में सीएम का समोसा बना चर्चा का विषय

- बीजेपी नेताओं ने समोसा पार्टी कर सरकार पर कसा तंज, वीडियो किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में समोसा चर्चा में बना हुआ है। अब समोसा विवाद के बीच पूर्व सीएम और विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ समोसा पार्टी की। एक्स पर इसकी वीडियो शेयर की है। इस समोसा पार्टी को राज्य सरकार पर तंज के तौर पर देखा जा रहा है।

असल में बीते दिनों हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू 21 अक्टूबर को सीआईडी मुख्यालय गए थे। यहां पर उनके लिए तीन बॉक्सेज में समोसे और केक मंगवाए गए थे। ये फूड आइटम्स सीएम के पास पहुंचने के बजाय सुरक्षाकर्मियों को बांट दिए गए थे। इसके बाद इस पूरे मामले पर सीआईडी जांच बैठाई गई। सीआईडी ने जांच की है किसकी गलती से सीएम के लिए लाए गए समोसे और केक सीएम के स्टाफ को परोसे गए। जांच रिपोर्ट पर एक सीनियर अधिकारी ने लिखा- यह कृत्य सरकार और सीआईडी विरोधी है।

इसके बाद से बीजेपी इसको लेकर सरकार को घेर रही है। बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार को सूबे के विकास की कोई चिंता नहीं है और उसकी एकमात्र चिंता मुख्यमंत्री का समोसा है। उन्होंने कहा कि सुक्खू के लिए लाए गए समोसे से जुड़ी घटना ने विवाद को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि जांच में इस गलती को सरकार विरोधी कृत्य बताया गया है। बीजेपी प्रवक्ता ने आगे कहा कि यह घटना हिमाचल प्रदेश के सियासी हलकों में चर्चा का मुद्दा बन गई है। वास्तव में सीएम जैसे वीवीआईपी से जुड़े कार्यक्रम में इस तरह की समन्वय समस्याओं के कारण सरकारी मशीनरी शर्मिंदा है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि कमेटी समोसे पर नहीं, गलत व्यवहरा पर बनाई गई थी।

सड़क दुर्घटनाओं में मौत के बढ़ते ग्राफ से चितिंत गड़करी... खुद को दोषी मानूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं और उसके कारण होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताकर सड़कों के निर्माण में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि अगर भविष्य में सड़क इंजीनियरिंग की गलती के कारण किसी की मौत होती है, तब इसके लिए मैं खुद को दोषी मानूंगा। रायपुर में एक कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र के प्रयासों पर बात करते हुए उन्होंने सरकारी इंजीनियरों से अपनी नौकरी छोड़कर एक अच्छी डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) बनाने वाली कंपनी शुरू करने का आग्रह किया और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर काम देने का आश्वासन दिया।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में पराली से बिटुमेन और सीएनजी के उत्पादन पर जोर देकर तर्क दिया कि इस कदम से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण पर लगाम लगेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए कई सड़क परियोजनाओं की घोषणा कर कहा कि उन्हें विश्वास है कि अगले दो वर्षों में राज्य में

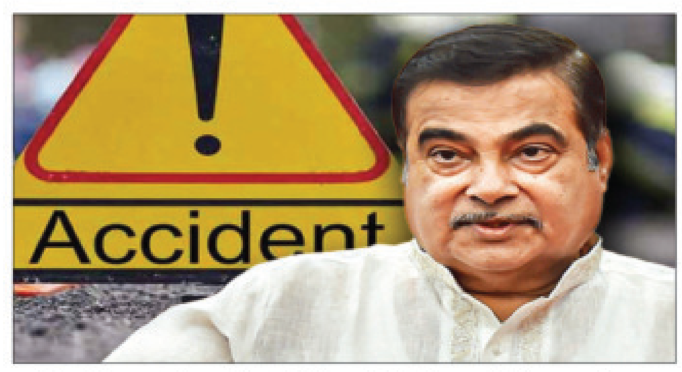

अमेरिका जैसा सड़क नेटवर्क होगा। मंत्री ने कहा, हर साल सड़क दुर्घटनाओं के कारण 1.50 लाख मौतें होती हैं, जो बढ़कर 1.68 लाख हो गई हैं। सड़क इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में कमियों को सुधारने के प्रयास जारी हैं, लेकिन दोषपूर्ण डीपीआर ने बड़ी समस्या बनी हुई है।

उन्होंने कहा, हम सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं के करीब 60 प्रतिशत पीड़ित 18 से 34 वर्ष की आयु के हैं। मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगा कि ऐसी सड़कें बनाएं जहां कोई दुर्घटना न हो (दोषपूर्ण इंजीनियरिंग कार्यो के कारण)। अगर भविष्य में सड़क इंजीनियरिंग के कारण किसी की मृत्यु होती है, तब मैं इसके लिए खुद को दोषी मानूंगा। अधिकारियों और इंजीनियरों की सभा की ओर इशारा करते हुए मंत्री गड़करी ने कहा कि परियोजनाओं के लिए डीपीआर की सावधानीपूर्वक जांच किए बिना कोई भी निविदा जारी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कचरे से ऊर्जा बनाने की तकनीक के महत्व पर जोर देकर छत्तीसगढ़ से धान की पराली का उपयोग करके सीएनजी और बिटुमेन बनाने पर काम करने का आग्रह किया।

केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) और भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून ने धान की पराली से बायो-बिटुमेन विकसित किया है और इसका उपयोग मेघालय में हो रहा है। उन्होंने बताया इसका (धान की पराली का) बिटुमेन में 35 प्रतिशत तक उपयोग हो सकता है। देश की बिटुमेन की आवश्यकता 90 लाख मीट्रिक टन है और रिफाइनरी की क्षमता 40-50 लाख मीट्रिक टन है। गडकरी ने कहा कि हम 50 लाख मीट्रिक टन आयात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर छत्तीसगढ़ पराली से बिटुमेन बनाना शुरू करता है, तब यह कचरे से संपदा बनाने की दिशा में एक कदम होगा। इसतरह पंजाब और हरियाणा में धान की पराली से बायो-सीएनजी और बायो-एलएनजी बनाने की 400 परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर छत्तीसगढ़ भी ऐसा ही करेगा तब राज्य में पेट्रोल और डीजल की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कांग्रेस की राजनीति हिंदुओं को बांटने पर आधारित है, यह देशद्रोही कदम

-असम सीएम ने रांची में एक चुनावी रैली में झारखंड सरकार और कांग्रेस को घेरा

रांची (एजेंसी)। असम सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने रांची में एक चुनावी रैली में कांग्रेस और राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदुओं को बांटने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने झारखंड की सीएम हेमंत सोरेन और उनकी सरकार को राज्य की महिलाओं के लिए विफल बताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। सीएम हिमंत ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति केवल हिंदुओं को बांटने पर आधारित है और यह एक देशद्रोही कदम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदुओं को बांटना चाहती है, लेकिन अगर हम एकजुट रहते हैं, तो हम इन प्रयासों को विफल कर सकते हैं।

उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई और चेतावनी दी कि अगर घुसपैठ पर अंकुश नहीं लगा तो यह राज्य की महिलाओं के लिए गंभीर खतरा बन जाएगा। यदि बीजेपी सत्ता में नहीं आई, तो घुसपैठिए हमारी महिलाओं के लिए खतरा पैदा करेंगे और राज्य में अपराध और हिंसा की घटनाएं बढ़ जाएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और हेमंत सोरेने सरकार इस गंभीर मुद्दे पर कोई कदम नहीं उठा रही है।

इसके अलावा असम सीएम ने झारखंड के नेताओं पर भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने आलमगीर आलम और इरफान अंसारी जैसे नेताओं का नाम लिया और कहा कि हम इन्हें वैसे ही बाहर निकालेंगे, जैसे हमने अयोध्या से बाबर को बाहर निकाला था। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर भी तंज कसा। उन्होंने झारखंड सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे महिलाओं के सम्मान की बात करती हैं, लेकिन झारखंड में महिलाओं के खिलाफ हुए 7,700 बलात्कार, 8,000 हत्याएं, 785 डकैतियां और 6,900 अपहरण मामलों पर कार्रवाई करने में पूरी तरह से विफल रही हैं। बता दें झारखंड में विधानसभा चुनाव 13 और 20 नवंबर को होना है और परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

साध्वी प्राची का औवेसी के भाई को चैलेंज... 15 मिनट की बात करने वालों, एक बार लॉरेंस से हाथ मिला लो

-राहुल गांधी हमेशा ही जिहादियों और खालिस्तानियों का समर्थन करते

मुरादाबाद (एजेंसी)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) की नेता साध्वी प्राची ने एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन ओवैसी को चैलेंज किया है। उन्होंने कहा हिम्मत है, तब दो मिनट के लिए लॉरेंस बिश्नोई से हाथ मिला कर देख लें। प्राची ने कहा, हिन्दुओं को टारगेट कर जो 15 मिनट की याद दिला रहे हैं। मैं उनसे यही कहना चाहती हूं कि दाढ़ी और जालीदार टोपी पहनकर चीन और म्यामांर घूम कर आएं। 15 मिनट की बात कर हो एक बार लॉरेंस से हाथ मिला लो। देश के हिन्दू को पागल मत समझो। हिन्दुओं को धमकाने की कोशिश मत करो।

दरअसल, अकबरुद्दीन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कहा था कि अभी 15 मिनट बाकी है सब्र कीजिए। ओवैसी के बयान को 12 साल पहले दिए भाषण से जोड़ कर देखा जा रहा है। दरअसल ओवैसी ने 2012 में भड़काऊ भाषण दिया था। इसमें उन्होंने कहा था कि 15 मिनट के लिए देश से पुलिस हटा दी जाए, तब पता चलेगा कौन ताकतवर है। समर्थकों में जोश भरने के लिए इस बार ओवैसी ने फिर 15 मिनट वाला बयान दिया है। वहीं जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को वापस लाने के लिए प्रस्ताव पास किया गया। इस पर साध्वी प्राची ने कहा है कि सूरज अपनी गर्मी छोड़ सकता है, चांद अपनी शीतलता छोड़ सकता है। लेकिन जम्मू-कश्मीर में दुबारा 370 नहीं लागू हो सकती है। राहुल गांधी इसलिए समर्थन कर रहे हैं क्योंकि वे खालिस्तानियों का समर्थन भी करते हैं।

जिहादियों तक की मदद करते हैं, लेकिन गांधीवादी तरीके से इन्हें जवाब दिया जा रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प भी पक्के गांधीवादी हैं। यासीन मलिक की पत्नी ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर मदद मांगी है।

इस पर साध्वी प्राची ने कहा, जिहादी और आतंकवादी उन्हीं से मदद की गुहार लगाएंगे जो उनकी मदद करते हैं।

वहीं, महाकुंभ में अन्य समुदाय के लोगों की दुकानें नहीं लगवाने के सवाल पर उन्होंने कहा, आखिर इन्हें क्यों एंट्री दी जाए। हमारा कुंभ साधना के लिए है। हम सिद्धियां प्राप्त करने के लिए साधना करते हैं। हिन्दुओं के त्यौहार और महाकुंभ में इनकी नो एंट्री होनी चाहिए।

आरएसएस ने महाराष्ट्र में संभाला मोर्चा, हरियाणा वाली फील्डिंग जमाई

-भाजपा की जीत के लिए व्यापक अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी को जीत दिलाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मोर्चा संभाल लिया है। आरएसएस यहां हरियाणा वाली फिल्डिंग तैयार कर रहा है। शनिवार को नागपुर में संघ के मुख्यालय के बाहर आरएसएस से प्रेरित लोक जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। इन कार्यकर्ताओं ने 'बटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारे के साथ पर्चे बांटे, जिनमें नागरिकों से आगामी विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की गई। इन पर्चों में सीएम योगी के लोकप्रिय नारे का जिक्र है, जिसमें लोगों को संविधान, आरक्षण और एससी-एसटी वर्ग से संबंधित अफवाहों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। पर्चे में यह भी बताया गया है कि जमीन जिहाद, लव जिहाद, धर्म परिवर्तन, पत्थरबाजी और दंगों पर लगाम लगाने वाली सरकार को चुनना चाहिए। इसके अलावा, पर्चे में यह भी कहा गया है कि लोगों को यह समझना चाहिए कि कौन देश की छवि को सुधारने के लिए काम कर रहा है और कौन विदेशी मंचों पर देश को बदनाम कर रहा है। यह संकेत संभवतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर था, हालांकि पर्चे में किसी का नाम नहीं लिया गया है। आरएसएस के कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह अभियान केवल चुनाव प्रचार नहीं, बल्कि एक निरंतर लोक जागरण गतिविधि है।

70,000 छोटी बैठकें आयोजित करने की योजना

उन्होंने यह भी बताया कि वे 50,000 से 70,000 छोटी बैठकें आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, जैसा उन्होंने हरियाणा में किया था, जहां भाजपा को अच्छे परिणाम मिले थे। नागपुर में आरएसएस के कार्यकर्ताओं की टोली उत्साह से भरी हुई है। संघ ने राज्य में एक बड़ा प्रचार अभियान शुरू किया है, जिसमें कार्यकर्ता हर रोज शाखाओं के बाद समान विचारधारा वाले लोगों से मिलकर मतदान की महत्ता पर जोर दे रहे हैं। आरएसएस ने महाराष्ट्र में भाजपा के लिए चुनावी माहौल तैयार करने की पूरी कोशिश की है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**